जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 16 संख्याः 308 प्रभात जालोर, सोमवार 14 फरवरी, 2022 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

प्रदेश में 5वीं तक के स्कूल खोले, शादी समारोहों से सभी तरह की पाबंदियां हटीं

गृह विभाग ने राजस्थान में करोना संक्रमण घटने का हवाला देकर नई गाइडलाइन जारी कर लगभग सभी पाबंदियां हटाई

- **यह नई गाइडलाइन आगामी 16 फरवरी से लागू होगी, हालांकि विदेश से आने वाले लोगों का नैगेटिव रिपोर्ट आने तक क्वारेंटीन किया जाएगा।**
- **राज्य में क्लब, रैस्टोरेंट, होटल, जिम, सिनेमा और मल्टीप्लैक्स अब 100 फीसदी क्षमता से चल सकेंगे।**

जयपुर, 13 फरवरी (का.सं)। राजस्थान के सभी शहरों में 5वीं कक्षा तक के स्कूल भी अब 16 फरवरी से खुल जाएंगे। शादियों से लेकर हर समारोह में अब अनलिमिटेड लोग शामिल हो सकेंगे। 250 लोगों की लिमिट हटा दी गई है। क्लब, रैस्टोरेंट, होटल, जिम, सिनेमा और मल्टीप्लेक्स अब 100 फीसदी क्षमता से चल सकेंगे। हालांकि विदेश से आने वालों को नेगेटिव रिपोर्ट आने तक क्वारैंटाइन किया जाएगा। इस संबंध में गृह विभाग ने रविवार को नई गाइडलाइन जारी कर करीब-करीब सभी पाबंदियां हटा दी है, सिर्फ कुछ चुनिंदा रोक-टोक लागू रहेगी। गृह विभाग ने करोना संक्रमितों की संख्या में गिरावट का हवाला देकर नई गाइडलाइन में इन पाबंदियों को हटाया है। यह आदेश 16 फरवरी से लागू होंगे।

गाइडलाइन के मुताबिक प्रदेश के सभी नगरीय क्षेत्रों (शहरों) में सभी निजी व सरकारी स्कूलों में 5वीं कक्षा तक की शैक्षणिक गतिविधियां संचालित करने की अनुमति दे दी गई है। हालांकि विद्यार्थियों को स्कूल बुलाने के लिए अभिभावकों की लिखित सहमति लेनी होगी।

गाइडलाइन में कहा गया है कि संस्था प्रधान, सभी विभागाध्यक्ष, कार्यालय प्रमुख और अन्य संस्थानों के संचालक बाकायदा चस्पा करेंगे कि उनके स्टॉफ के कितने लोगों ने कोविड वैक्सीन की दोनों डोज लगवा ली है। उल्लंघन पाये जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। इसके अलावा विदेशों से अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा कर राजस्थान में आने वाले सभी यात्रियों का गंतव्य पर पहुंचने पर एयरपोर्ट कोविड टीम द्वारा आवश्यक रूप से आर.टी.-पी.सी.आर. जांच करना अनिवार्य होगा। आर.टी.- पी.सी.आर. जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने तक सम्बन्धित यात्री को 7 दिन के लिए संस्थागत अथवा होम क्वारंटीन किया जायेगा। घरेलू हवाई यात्रा व ट्रेन के माध्यम से यात्रा कर राजस्थान में आने वाले यात्रियों को डबल डोज वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट अथवा आगमन से पूर्व यात्रा प्रारम्भ करने के 72 घण्टे के अन्दर करवाई गई आर.टी.-पी.सी.आर. नेगेटिव जांच रिपोर्ट प्रस्तुति करनी अनिवार्य होगी। अगर कोई यात्री डबल डोज वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट अथवा आर.टी.-पी.सी.आर. नेगेटिव जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने में असमर्थ रहता है, तो गंतव्य पर यह जांच करवाना अनिवार्य होगा। आर.टी.- पी.सी.आर. जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने तक सम्बन्धित यात्री को 7 दिन के लिए संस्थागत/होम क्वारंटीन किया जायेगा।

एटलांटिक, हिन्द एवं प्रशांत महासागर के उष्णकटिबंधीय (ट्रॉपिकल) व उपोष्णकटिबंधीय (सबट्रॉपिकल) पानी में रहने वाले हॉक्सबिल टर्टल, विशाल क्षेत्र में फैले होने के बावजूद गंभीर रुप से संकटग्रस्त हैं। इन्टरनैशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर (आई.यू.सी.एन.) के अनुसार, गत तीन पीढ़ियों में इनकी आबादी में 84 से 87 प्रतिशत कमी आई है और इनकी संख्या निरंतर गिर रही है। सभी सी टर्टल प्रजातियों के समान, हॉक्सबिल टर्टल की सही संख्या बताना मुश्किल है, क्योंकि ये जीवन का अधिकतर समय पानी के अंदर बिताते हैं। इसलिए इनकी आबादी का अनुमान प्रजनन कर रही मादा टर्टल की संख्या से लगाया जाता है। प्रजनन कर रही मादा हॉक्सबिल टर्टल की सबसे बड़ी आबादी ग्रेट बैरियर रीफ के पास मिलती है, जहाँ 6000 से 8000 हजार मादा हर वर्ष घोंसले बनाती हैं। ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पश्चिम तट पर करीब 2000 और सोलोमन आइलैण्ड्स व इण्डोशिया में भी लगभग दो-दो हज़ार मादा टर्टल प्रजनन करती हैं। इसके अलावा, रिपब्लिक ऑफ सेशल्स, मैक्सिको, क्यूबा व बारबडोस में अच्छी संख्या में हॉक्सबिल टर्टल देखे जाते हैं तथा कुछ छोटे समूह पोर्तो रीको, यू.एस. वर्जिन आइलैण्ड्स व हवाई में नज़र आते हैं। अन्य सी टर्टल्स के समान हॉक्सबिल टर्टल्स को भी आवास विनाश, अत्यधिक शिकार, मछली उद्योग, तटों पर हो रहे विकास कार्यों तथा मरीन पल्यूशन से खतरा है। तथापि, अवैध वाइल्डलाइफ ट्रेड से इन्हें विशेष खतरा है क्योंकि इनके सुंदर तथा अलंकृत शैल (आवरण) की बहुत मांग है। तट पर हो रहे विकास के कारण भी इनकी संख्या कम हो रही है क्योंकि, अन्य टर्टल्स के मुकाबले, ये तट से काफी दूर ''इन्लैण्ड'' जाकर, रेत में घोंसले बनाते और प्रजनन करते हैं और इन स्थानों के करीब विकास कार्य हो रहे होते हैं। अंडों व मांस के लिए इनका शिकार होता है, लेकिन मुख्य आकर्षण है इनका खूबसूरत शैल, जिससे कंघे, जूलरी और अन्य कलाकृतियाँ बनाई जाती हैं। माना जाता है कि 2000 वर्ष पूर्व, जूलियस सीज़र के समय भी टर्टल शैल्स से बनी कलाकृतियाँ बहुत लोकप्रिय थीं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर फिलीपींस दौरे के लिए रवाना हुए

- **वे फिलीपींस नौसेना के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों के लिए बैटरियों की खरीद का समझौता करेंगे।**

मनीला/नई दिल्ली 13 फरवरी (वार्ता)। विदेश मंत्री एस जयशंकर रविवार को तीन दिवसीय फिलीपींस दौरे के लिए रवाना हुए। वह फिलीपींस नौसेना के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों की तीन बैट्रीयों के लिए 37.49 करोड़ अमेरिकी डालर का सौदा करेंगे।

अपनी यात्रा के दौरान जयशंकर स्वास्थ्य, सुरक्षा सहयोग पारस्परिक हित और वैश्विक मामलों सहित फिलीपीन-भारत संबंधों पर फिलीपींस के विदेशमंत्री सचिव तियोदो एल लोक्सिन जूनियर के साथ चर्चा करेंगे।

फिलीपींस के विदेश मंत्रालय ने कहा, डा. जयशंकर की यात्रा फिलीपींस और भारत के बीच कोविड के बाद अपने संबंधों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

दोनों नेताओं द्वारा द्विपक्षीय सहयोग पर संयुक्त आयोग की बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में विकास की समीक्षा करने की उम्मीद है। गौरतलब है कि नवंबर 2020 में दोनों देशों के संयुक्त आयोग ने द्विपक्षीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रचार से अभी तक क्यों नदारद हैं राहुल गांधी

दो चरणों का चुनाव प्रचार पूरा हो चुका है, बाकि राज्यों में तो राहुल प्रचार कर रहे हैं, लेकिन अभी तक यू.पी. नहीं पहुंचे हैं

- **राज्य में कांग्रेस के प्रचार अभियान का नेतृत्व पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा कर रही हैं। लगभग 30 वर्षों में यह पहला मौका है जब कांग्रेस उत्तर प्रदेश की लगभग सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है।**
- **राहुल गांधी गोवा, उत्तराखण्ड और पंजाब में प्रचार कर चुके हैं। वे उत्तर प्रदेश चुनावों के लिए पार्टी के युवा घोषणा पत्र को लॉन्च करने के लिए प्रियंका गांधी के साथ दिल्ली में मौजूद थे।**

लखनऊ, 13 फरवरी। उत्तर प्रदेश में दूसरे चरण के विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार शनिवार को समाप्त हो गया और अब सोमवार 14 फरवरी को मतदान होगा। लेकिन इस दौरान कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी ने यू.पी. में एक बार भी चुनाव प्रचार करने नहीं पहुंचे हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश चुनाव के पहले दो चरणों के लिए राहुल गांधी स्टार प्रचारकों की सूची में थे।

ऐसा नहीं है कि राहुल प्रचार के लिए ही नहीं उतरे हैं। उन्होंने बाकी के तीन चुनावी राज्यों में कांग्रेस के लिए प्रचार किया है। लेकिन राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में कोई रैली या डोर-टू-डोर अभियान नहीं किया है।

राज्य में कांग्रेस के प्रचार अभियान का नेतृत्व पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा कर रही हैं। लगभग 30 वर्षों में यह पहली बार है जब कांग्रेस उत्तर प्रदेश की लगभग सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। प्रियंका गांधी चुनाव में पार्टी का चेहरा हैं और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ बड़े पैमाने पर प्रचार कर रही हैं। पार्टी नेता सचिन पायलट और दीपेंद्र हुड्डा ने भी उत्तर प्रदेश चुनाव के पहले दो चरणों में प्रचार किया है।

राहुल गांधी गोवा, उत्तराखंड और पंजाब में प्रचार कर चुके हैं। वह उत्तर प्रदेश चुनावों के लिए पार्टी के युवा घोषणापत्र को लॉन्च करने के लिए प्रियंका गांधी के साथ दिल्ली में मौजूद थे। उन्होंने दिसंबर में अमेठी का दौरा किया था। वे इस निर्वाचन क्षेत्र से 2019 के लोकसभा चुनावों में हार गए थे। लेकिन राहुल ने अमेठी का दौरा तब किया था जब चुनाव की घोषणा नहीं की गई थी।

कांग्रेस के एक सूत्र ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी आने वाले दिनों में राज्य में एक साथ चुनाव प्रचार करेंगे। 16 फरवरी को कानपुर में एक रैली की योजना बनाई जा रही है और पार्टी के दोनों नेताओं के इसे संबोधित करने की उम्मीद है। प्रियंका गांधी ने गोवा, उत्तराखंड और पंजाब में चुनाव प्रचार के अलावा उत्तर प्रदेश में 18 से अधिक रोड शो, डोर-टू-डोर अभियान और रैलियां की हैं। राहुल गांधी ने गोवा, पंजाब और उत्तराखंड में 12 से अधिक प्रचार कार्यक्रमों को संबोधित किया है।

पार्टी उत्तर प्रदेश में कड़ी लड़ाई लड़ रही है और पार्टी के कुछ नेताओं का मानना है कि उनके अभियान में शामिल होने से पार्टी के प्रयास में और तेजी आएगी। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में 2017 के विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया था और राहुल गांधी ने राज्य में बड़े पैमाने पर प्रचार किया था।

यू.पी. में दूसरे चरण का मतदान आज

- **सोमवार को 55 सीटों पर वोटिंग होगी।**

लखनऊ, 13 फरवरी (वार्ता)। चुनाव आयोग ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव के दूसरे चरण में सोमवार को नौ जिलों की 55 सीटों पर स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के लिये तैयारियां पूरी कर ली हैं।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने रविवार को मतदान की तैयारियों की जानकारी देते हुये बताया कि दूसरे चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और रुहेलखंड के नौ जिलों की 55 विधानसभा सीटों पर चुनाव आयोग की पोलिंग पार्टियां रवाना कर दी गयी हैं। सोमवार को सुबह सात बजे मतदान शुरु होने से पहले प्रत्येक मतदान केन्द्र पर सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली जायेंगी।

गौरतलब है कि इस चरण में सुबह सात बजे से सायं छह बजे तक जिन जिलों में मतदान होगा, उनमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अमरोहा, सहारनपुर और बिजनौर जिले तथा रूहेलखंड के रामपुर, संभल, मुरादाबाद, बरेली, बदायूं एवं शाहजहांपुर जिले शामिल हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीन दिन से धरने पर बैठे सांसद किरोड़ीलाल के आगे झुकी राज्य सरकार

राज्य सरकार ने विधवा मनीष जाट को 10 लाख रु. और सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया

- **मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा के आवास पर धरने पर बैठे थे किरोड़ीलाल मीणा, सरकार द्वारा शर्तें मानने पर खत्म किया आंदोलन।**
- **मनीष जाट को 1 माह की तनख्वाह देंगे और ठेकेदार के बकाया 2 लाख रुपए भी दिलवाएंगे : किरोड़ीलाल।**

जयपुर, 13 फरवरी (कासं)। राज्यसभा सांसद डॉ. किरोडी लाल मीणा पिछले 3 दिनों से ट्रक ड्राइवर की विधवा पत्नी मनीष जाट के साथ मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा के आवास पर धरने पर बैठे थे। आखिरकार रविवार को गहलोत सरकार डॉ. किरोड़ीलाल के आंदोलन के आगे झुकी और उनकी सभी शर्तें मानकर धरना खत्म करवाया।

डॉ. मीणा ने बताया कि राज्य सरकार ने विधवा मनीष जाट को 10 लाख रुपए और सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया है। सरकार की ओर से मंजूरी होने के बाद मंत्री राजेन्द्र गुढा ने सांसद किरोड़ीलाल को इसकी जानकारी दी और धरना समाप्त करवाया। उन्होंने कहा कि 10 लाख रुपए में से एक लाख रुपए विधवा को दिए हैं, शेष 9 लाख रुपए जल्द ही विधवा के गांव जाकर सौंपे जाएंगे। इसके साथ ही उसे सरकारी नौकरी का भी आश्वासन दिया है, मनीष जाट को 1 माह की तनख्वाह देंगे और ठेकेदार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लता मंगेशकर के स्टूडियो की बिक्री

- **अखिल भारतीय मराठी फिल्म उद्योग ने लता मंगेशकर के स्वामित्व वाले जयप्रभा स्टूडियो की बिक्री के मुद्दे को लेकर रविवार को क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की।**

कोल्हापुर, 13 फरवरी (वार्ता)। अखिल भारतीय मराठी फिल्म उद्योग (ए.आई.एम.एफ. आई.) ने दिवंगत लता मंगेशकर के स्वामित्व वाले जयप्रभा स्टूडियो की बिक्री के मुद्दे को लेकर रविवार को क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की।

ए.आई.एम.एफ.आई. के उपाध्यक्ष वीपी धनाजी यमकर की अगुवाई में अभिनेता स्वप्निल रक्षक और छाया संगाओन्कर, फिल्म तकनीशीयन और व्यापार से संबंधित लोग शहर के मंगलवार पथ इलाके में स्थित स्टूडियो के सामने एकत्रित हुए।

इस मौके पर यमकर ने कहा , स्टूडियो की बिक्री 15 फरवरी-2020 को 6.50 करोड़ में कर दी गई थी। हमें इसकी जानकारी शनिवार को स्थानीय मीडिया के जरिए मिली। इसका मतलब है कि कोल्हापुर के लोगों को सौदे के बारे में अंधेरे में रखा गया।

'अमरिंदर सिंह भाजपा के इशारे पर काम कर रहे थे'

- **पंजाब में कांग्रेस की रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने यह आरोप लगाया।**

चंडीगढ़, 13 फरवरी (वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारों पर काम कर रहे थे।

कोटकपुरा में कांग्रेस की रैली को संबोधित करते हुए वाड्रा ने कैप्टन अमरिंदर सिंह का नाम लिये बिना कहा कि पांच सालों से चल रही उनकी पार्टी की सरकार में कुछ खामियां थीं, कहीं रास्ते में भटक गये थे। उन्होंने कहा कि वह सरकार पंजाब से चलनी बंद हो गई। वो सरकार दिल्ली से चलने लगी और दिल्ली में भी कांग्रेस पार्टी से नहीं, बल्कि भाजपा और भाजपा की सरकार के जरिये चल रही थी।

कांग्रेस नेता ने कहा, वह जो छुपी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'किरोड़ी करते हैं धरने से दबाव की राजनीति, राजेन्द्र राठौड़ को कोई गंभीरता से नहीं लेता'

महेश जोशी बोले ''राजेन्द्र राठौड़ को बीजेपी अपना नहीं मानती, संघ भी उनके साथ नहीं है, इसलिए उन्हें जोर-जोर से बोलकर अपनी बात कहनी पड़ती है''

- **राठौड़ किस हैसियत से स्वयं को उपनेता प्रतिपक्ष लिखते हैं, विधानसभा में ऐसा कोई पद होता ही नहीं : चंद्रभान।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 13 फरवरी। जलदाय मंत्री महेश जोशी ने सासंद किरोड़ी लाल मीणा के विरोध-प्रदर्शन को राजनीतिक दबाव की रणनीति करार दिया और गलत बताया। इसी के साथ महेश जोशी और बीसूका उपाध्यक्ष बने डॉ. चंद्रभान ने राजेंद्र राठौड़ को लेकर कहा कि ''राजेंद्र राठौड़ की कोई सुनता नहीं, इसलिए जोर-जोर से बोल कर अपनी बात कहनी पड़ती है। उन्हें बीजेपी अपना नहीं मानती और संघ भी उनके साथ नहीं है।''

जोशी ने सांसद मीणा की ओर से दिए जा रहे धरने को लेकर कहा किन नियमों के तहत जो किसी को मदद मिल सकती है,उसे वह मदद मिलना चाहिए और सरकार देती भी है। जहां तक किरोड़ी लाल मीणा का सवाल है वह वरिष्ठ नेता है। उन्हें इस तरह राजनीतिक दबाव नहीं बनाना चाहिए। जोशी ने रीट परीक्षा अनियमितता मामले में कहा कि एस.ओ.जी. इसकी जांच कर रही है। गहलोत सरकार ने भी इस मामले में एस.ओ.जी. को फ्री हैंड दे रखा है, लेकिन भाजपा के नेता इस पर केवल राजनीति कर रहे है।

दूसरी ओर मुख्यमंत्री सलाहकार और विधायकों की राजनीतिक नियुक्ति पर लगातार सवाल उठा रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ पर जलदाय मंत्री महेश जोशी और बीसूका उपाध्यक्ष डॉ. चंद्रभान ने तंज कसा है। जोशी ने कहा कि राठौड़ को कोई भी गंभीरता से नहीं लेता और न बीजेपी ही अपना मानती है, संघ भी उनके साथ नहीं है। वहीं डॉ. चंद्रभान ने राजेंद्र राठौड़ के प्रतिपक्ष के उपनेता पद पर सवाल खड़े किये हैं।

जोशी ने कहा कि राजेंद्र राठौड़ को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता, जिस कारण उन्हें चिल्ला-चिल्ला कर अपनी बात कहनी पड़ती है और जताना पड़ता है कि वह भाजपा और संघ के नेता हैं, जबकि न बीजेपी उन्हें अपना मानती है और न ही संघ। जोशी ने कहा कि राठौड़ उनके मित्र हैं, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में वह अपनी साख खोते जा रहे है।

जोशी के अनुसार जनप्रतिनिधि को तथ्यात्मक बात करनी चाहिए। राजनीतिक नियुक्तियों में सी.एम. ने ही मंत्री का पद दिए जाने से इनकार कर दिया और मुख्यमंत्री की नियुक्ति पर सवाल उठाने वाले भूल गए कि कांग्रेस सुप्रीमो सोनिया गांधी ने भी जब ऑफिस ऑफ प्रॉफिट की बात आई थी तो खुद लोकसभा से इस्तीफा दे दिया था। जलदाय मंत्री ने कहा कि कानून एवं संविधान का सम्मान करना कांग्रेस से बेहतर कोई नहीं जानता। जोशी ने विधानसभा के भीतर चल रहे गतिरोध के लिए भी भाजपा को जिम्मेदार ठहराया।

बीसूका उपाध्यक्ष डॉ. चंद्रभान ने भी राजेंद्र राठौड़ की ओर से विधायकों को दी गई राजनीतिक नियुक्तियों के खिलाफ राज्यपाल को लिखे गए पत्र के मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राजेंद्र राठौड़ किस हैसियत से खुद का पद उपनेता प्रतिपक्ष लिखते हैं, जबकि विधानसभा में ऐसा कोई पद होता ही नहीं है। चंद्रभान के अनुसार राठौड़ विपक्ष में है और विपक्ष का काम आरोप लगाना है, लेकिन विपक्ष के आरोपों में कोई दम नहीं है।

विचार बिन्दु

प्रकृति अपरिमित ज्ञान का भंडार है, पत्ते-पत्ते में शिक्षापूर्ण पाठ हैं, परंतु उससे लाभ उठाने के लिए अनुभव आवश्यक है। –हरिऔध

यूनिफ़ॉर्म पर एक अलग कोण से चंद बातें

हाल में कर्नाटक राज्य में उडुपी के एक कॉलेज में गणवेश (यूनिफ़ॉर्म) को लेकर जो विवाद शुरू हुआ है वह काफी फैल चुका है, और यह दुर्भाग्य पूर्ण है। उस विवाद के अनेक आयाम हैं और हरेक अपने-अपने नज़रिये से उस पर अपनी बात कह रहा है। यह विवाद शैक्षिक परिसर-व्यवस्था तक सीमित न रहकर राजनीतिक हिसाब-किताब का मामला बन चुका है। इस मामले में दो बातें विशेष रूप से कही जा रही हैं। एक तो यह कि अगर कोई शैक्षिक संस्थान अपने विद्यार्थियों के लिए यूनिफ़ॉर्म निर्धारित करता है तो विद्यार्थियों को अनिवार्यत: उस यूनिफ़ॉर्म में ही संस्थान में आना चाहिए। इसके विपरीत दूसरे पक्ष का कहना यह है कि कोई क्या पहने यह सवाल उसकी अपनी आज़ादी से जुड़ा है और किसी को भी यह हक़ नहीं है कि वह उसे कुछ पहनने या न पहनने के लिए निर्देशित करे। इसी के साथ पर्दा, स्त्री की आज़ादी, अपनी धार्मिक आस्था के अनुरूप जीवन यापन, अल्पसंख्यकों के अधिकार जैसे अनेक मुद्दे भी उभरे हैं। ये सारे मुद्दे अपनी जगह। इन मुद्दों पर खूब चर्चाएं हो ही रही हैं। इन से गुज़रते हुए मेरा ध्यान तो इस बात की तरफ गया कि आखिर यह यूनिफ़ॉर्म है क्या? मेरी तलाश जाकर रुकी ऑक्सफ़ॉर्ड लर्नर्स डिक्शनरी पर, जहां स्कूल यूनिफ़ॉर्म को बहुत अच्छी तरह से परिभाषित किया गया है। मैं उस परिभाषा का हिंदी अनुवाद दे रहा हूं। डिक्शनरी के अनुसार: *''किसी ख़ास स्कूल में विद्यार्थियों द्वारा पहने जाने वाले ख़ास कपड़े। स्कूल यूनिफ़ॉर्म धारण करना ब्रिटिश परम्परा है और अमरीका में यह बहुत कम चलन में है। अधिकांश स्कूलों में विद्यार्थियों को किसी ख़ास रंग के, प्राय: गहरे नीले, काले अथवा गहरे हरे रंग के कपड़े पहने होते हैं। कुछ स्कूलों और विशेष रूप से प्राइवेट स्कूलों के विद्यार्थियों को किसी ख़ास दुकान से खरीदे हुए कपड़े ही पहनने होते हैं। स्कूल यूनिफ़ॉर्म में प्राय: लड़कों और लड़कियों दोनों ही को स्कूल के रंगों वाली एक धारीदार टाई भी पहननी होती है। कुछ बहुत ही पारम्परिक स्कूलों जैसे एटन की तरह के पुराने परम्परागत पब्लिक स्कूलों के विद्यार्थियों को 19वीं शताब्दी या उससे भी पहले की शैली के कपड़े पहनने होते हैं।''*

इस बारे में बहुत व्यवस्थित और प्रामाणिक जानकारी तो नहीं मिल सकी है लेकिन मोटे तौर पर यह माना जा सकता है सन 1552 में पहली दफा लंदन के एक चैरिटी स्कूल जिसका नाम क्राइस्ट्स हॉस्पिटल था, में स्कूल यूनिफ़ॉर्म लागू की गई थी। यह स्कूल अनाथ और ग़रीब बच्चों के लिए था। इसके बाद बहुत जल्दी पूरी ब्रिटेन में स्कूल यूनिफ़ॉर्म चलन में आ गई। पहले इसे सामुदायिक स्कूलों ने अपनाया और बाद में अभिजात वर्गीय स्कूलों ने भी इसे अपना लिया। क्योंकि इन स्कूलों में नीले रंग के ब्लेज़र चलन में थे, इन्हेंब्ल्यूकोट स्कूलसभी कहा जाने लगा था। यहां ब्रिटिश स्कूलों की चर्चा इसलिए भी प्रासंगिक है कि हमने अपनी शिक्षा के लिए ब्रिटिश ढांचे को ही मुख्यत: अपनाया है। वैसे अब आहिस्ता-आहिस्ता अमरीकी स्कूलों में भी यूनिफ़ॉर्म का चलन बढ़ा है और एक अध्ययन के अनुसार लगभग बीस प्रतिशत अमरीकी स्कूलों में यूनिफ़ॉर्म अनिवार्य है।

यूनिफ़ॉर्म की उपादेयता को लेकर जानकार स्पष्ट रूप से दो भागों में बंटे हुए हैं। एक समूह है जिसका मानना है कि यूनिफ़ॉर्म न केवल अनुशासन और स्कूल की पहचान के लिए उपयोगी है, इससे विद्यार्थी का शैक्षिक उन्नयन भी होता है, वहीं दूसरी तरफ वह समूह भी है जो इसे विद्यार्थी की स्वतंत्र अभिव्यक्ति में बाधक मानते हुए इसे ग़ैर ज़रूरी मानता है। इस समूह का सोच यह है कि विद्यार्थी अपनी वेशभूषा से भी स्वयं को अभिव्यक्त करता है और हमें कोई हक़ नहीं है कि हम उसकी इस अभिव्यक्ति को बाधित करें। विद्यार्थी की अभिव्यक्ति की आज़ादी की यह बात बहुत आगे तक गई और सन 1969 में अमरीका के सर्वोच्च न्यायालय तक को इस बात पर विचार करना पड़ा। उस समय वहां के विद्यार्थी अपनी बांहों पर काली पट्टियां बांध कर वियतनाम युद्ध के मसले पर अपने देश की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। स्कूल ने यूनिफ़ॉर्म का हवाला देते हुए जब इसकी अनुमति नहीं दी तो विद्यार्थियों ने सर्वोच्च न्यायालय के दरवाज़े पर दस्तक दी, और अमरीकी सर्वोच्च न्यायालय ने यह व्यवस्था दी कि यूनिफ़ॉर्म का अर्थ यह नहीं है कि विद्यार्थी अपनी अभिव्यक्ति की आज़ादी को खो दें। इसी तरह इस बात को लेकर भी अनेक अध्ययन हुए हैं कि क्या यूनिफ़ॉर्म के कारण विद्यार्थी के अध्ययन का उन्नयन होता है, और 1998 के एक प्रसिद्ध अध्ययन, जिसे ब्रुंसना एण्ड रॉकमोर का अध्ययन कहा जाता है, ने यह कहा है कि स्कूल यूनिफ़ॉर्म और विद्यार्थी के शैक्षिक उन्नयन के बीच कोई संबंध नहीं है।

महत्व की बात यह है कि विद्यार्थी स्कूल जा सकें, पढ़ सकें। अगर कोई यूनिफ़ॉर्म उसके स्कूल जाने में बाधक बनती है तो हमें उस यूनिफ़ॉर्म के औचित्य पर पुनर्विचार करना चाहिए। वर्तमान विवाद भी अगर इस दिशा में हमारे सोच-विचार का उत्प्रेरक बनता है तो यह शुभ होगा।

बहुत सारे स्कूल अपनी ख़ास पहचान के लिए कोई ख़ास यूनिफ़ॉर्म लागू करते हैं। हम भीड़ में भी यूनिफ़ॉर्म देखकर यह पहचान लेते हैं कि इसे धारण करने वाला अमुक संस्थान का विद्यार्थी है। ज़ाहिर है कि यह उस संस्थान विशेष की ब्राण्डिंग का मामला ज़्यादा होता है। सरकारी स्कूलों में यूनिफ़ॉर्म लागू करने के पीछे एक बड़ा तर्क यह भी दिया जाता है कि उसके कारण विद्यार्थियों में अमीरी-गरीबी के प्रदर्शन पर लगाम लगती है। एक हद तक यह बात सही भी है। यूनिफ़ॉर्म विद्यार्थियों में समानता का भाव जागृत करती है। बहुत सारे स्कूल, विशेष रूप से लड़कियों के स्कूल उनकी फैशन परस्ती पर रोक लगाने के लिए भी यूनिफ़ॉर्म व्यवस्था का इस्तेमाल करते हैं। वहां यूनिफ़ॉर्म कपड़ों से आगे जाकर नाखूनों, बालों, आभूषणों, एसेसरीज़ आदि को भी अपने घेरे में ले लेती है।

बावज़ूद यूनिफ़ॉर्म के लाभ और हानियों पर विभाजित राय के, भारत के ज़्यादातर स्कूलों में, अर्थात कक्षा एक से बारह तक यूनिफ़ॉर्म चलन में हैं। इसको लेकर समय-समय पर छोटे-मोटे विवाद भी होते रहते हैं पर कुल मिलाकर यह चलन में है। विद्यार्थी और उनके अभिभावक भी इस स्थिति को स्वीकार कर चुके हैं। विद्यार्थी इस बात का इंतज़ार करते हैं कि कब वे स्कूली पढ़ाई पूरी कर कॉलेज में पहुंचें ताकि उन्हें यूनिफ़ॉर्म की एकरसता से मुक्ति मिले और वे अपने मन पसन्द कपड़े पहन कर अपने शैक्षिक संस्थानों में जा सकें। हमारे यहां अधिकांश उच्चतर शैक्षिक संस्थानों में यूनिफ़ॉर्म की कोई बाध्यता नहीं है। अलबत्ता संस्थान अपनी पहचान के लिए बैज या लोगो जैसे अन्य उपकरणों का प्रयोगकर लेते हैं। यहीं यह कहना भी ज़रूरी है कि बहुत सारे शैक्षिक संस्थानों के लिए यूनिफ़ॉर्म उनके व्यवसाय के प्रसार का भी एक माध्यम है। वे एकरूपता के नाम पर किसी एक ख़ास दुकान से, और प्राय: तो अपने ही संस्थान से ड्रेस खरीदने की अनिवार्यता बता कर अपने आर्थिक हितों का संवर्धन करते हैं।

यूनिफ़ॉर्म व्यवस्था को लेकर भारत में देशी-विदेशी का मुद्दा भी कभी-कभार उभरता है। सामान्यत: लड़कों की वेशभूषा पैण्ट कमीज़ वाली और लड़कियों की स्कर्ट शर्ट या सलवार कमीज़ वाली होती है। कुछ लोग इन वेशभूषाओं को भारतीय-विदेशी वाले नज़रिये से देखकर इनसे असहमत होते और इनके विकल्प सुझाते हैं। हमारे अपने राजस्थान में दीक्षांत समारोहों की यूनिफ़ॉर्म में भारतीयता के प्रवेश से हम सब परिचित हैं। सोचिये, अगर स्कूलों की यूनिफ़ॉर्म में भी भारतीयता लागू कर दी जाए तो जनता और ख़ास तौर पर युवा पीढ़ी की प्रतिक्रिया क्या होगी! लड़कियों की वेशभूषा के मामले में स्त्री देह को लेकर हमारा ख़ास सोच प्रबल रहता है, जबकि स्कूल जाने वाली बच्चियां अपने बारे में भिन्न सोच रखती हैं, इस उम्र में वे आत्म प्रदर्शन को लेकर अधिक सजग होती हैं और वे किसी न किसी तरह अपने मन की करने की जुगत भिड़ाती रहती हैं।

हमारे यहां यूनिफ़ॉर्म को लेकर अधिक विचार विमर्श नहीं हुआ है। हमने आम तौर पर इस बात को स्वीकार कर लिया है कि स्कूल होगा तो यूनिफ़ॉर्म भी होगी ही। शेष दुनिया में ऐसा नहीं है। वहां इस मुद्दे पर खुलकर संवाद होता है और यथावश्यकता बदलाव भी होते हैं। मुझे लगता है कि हमारे यहां भी यूनिफ़ॉर्म को पत्थर की लकीर मान लेने की बजाय इस पर खुले मन से विचार होना चाहिए। इसी के साथ यह भी समझा जाना चाहिए कि यूनिफ़ॉर्म विद्यार्थियों के लिए है, विद्यार्थी यूनिफ़ॉर्म के लिए नहीं हैं। एक लचीला रवैया रखा जाना बहुत ज़रूरी है। महत्व की बात यह है कि विद्यार्थी स्कूल जा सके, पढ़ सके। अगर कोई यूनिफ़ॉर्म उसके स्कूल जाने में बाधक बनती है तो हमें उस यूनिफ़ॉर्म के औचित्य पर पुनर्विचार करना चाहिए। वर्तमान विवाद भी अगर इस दिशा में हमारे सोच-विचार का उत्प्रेरक बनता है तो यह शुभ होगा।

अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

कृषि संकट बाजार पर खेतिहरों के नियत्रंण से दूर होगा!

सुचित्रा आर्य

भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका है । भारत में खेती-किसानी केवल व्यवसाय मात्र तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह संस्कृति और सभ्यता है जिसके दायरे में कई धर्म और असंख्य जातियां एवं कई भाषाएं आती हैं । आईडिया ऑफ इंडिया का पोषण और रक्षण करने वाली संस्कृति और सभ्यता खेती-किसानी ही है जिसकी बदौलत भारत को कृषि प्रधान कहा गया है। भारत में प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा के दायित्व का निर्वहन जिसमें वृक्ष, नदी पहाड़ पशुधन जीव जंतु की रक्षा की जिम्मेदारी निभाना सम्मलित हैं।

इतने सबके बावजूद किसान को अर्थ नीति में जितना महत्व मिलना चाहिए था वह नहीं मिल रहा है । भारत की संरचना ऐसी है कि जब तक खेती इस संकट से नहीं निकलेगी किसान खुशहाल नहीं हो सकता । खेत का औसत आकार लगातार घट रहा है तथा हमारी कृषि आबादी प्रत्येक वर्ष लगभग 1.5 प्रतिशत बढ़ रही है, छोटी काश्तकारी की प्रधानता कृषि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आर्थिक किफायत की राह में मुख्य बाधा है। इसके अतिरिक्त छोटे और सींमात किसानों के पास मोलभाव की शक्ति कम है क्योंकि उनके पास बिक्री योग्य अधिशेष कम होता है और किसानों को बाजार की कीमत स्वीकार करनी ही पड़ती है।

खेती की लागत, जोखिम प्रतिफल एवं प्रतिकूलताएं दिनोंदिन बढ ती जा रही हैं जिसके परिणामस्वरूप किसान अधिकाधिक कर्जदार होते जा रहे हैं। आजादी के बाद और उदारीकरण, औधोगीकरण एवं अन्य आर्थिक - समाजिक सुधारों के माध्यम से उद्योगों का कायाक्लप हुआ और उद्योगों को उभारने के लिए करोड़ों रूपये के सरकारी राहत दी जाती रही है लेकिन जब बात कृषि क्षेत्र की आती तो इसका क्रियानवन उतना विवेकपूर्ण तरीके से नहीं हुआ! बड़े पैमाने पर कृषि के लाभ के लिए सहकारिता की परिकल्पना राजस्थान ने तो आजादी के तुरन्त बाद भी की थी लेकिन समय के साथ योजनाएं धीमी पड़ गई जिसके चलते लघु क्षेत्र वाले किसानों की बहुलता आज भी बड़ी चुनौती बनी हुई है।

राजस्थान में भूमि का निशुल्क मालिकाना हक काश्त करने वाले किसानों के हक में भूमि नाम कराने वाले पुरोधा चौधरी कुम्भाराम आर्य ने 6 दशक पहले इसकी विधिवत शुरुआत 15 अक्टूबर 1955 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम लागू करके मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया के कार्यकाल में की थी।

उन्नत दर्जे के भू सुधार अधिनियमों की बदौलत राजस्थान देश में सबसे कम भूमिहीन आबादी वाला प्रदेश है एवं प्रतिव्यक्ति/परिवार भूमि का औसत वितरण लगभग सम्मान है लेकिन बाद में इन सुधारों की गति धीमी पड़ गई जिसके फलस्वरूप आज भी किसान अत्यधिक पेचिदिगियों का सामना करते हुए तहसील से लेकर कोर्ट और राजस्व मंडल तक चक्कर लगा रहा है जिसमें उसका श्रम, धन व समय का अपव्यय हो रहा है।

■ किसान का बाजार पर नियत्रंण नहीं होने से वह शोषित उत्पादक बनकर रह गया है!

डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बजट 2020 में राजस्थान राज्य सरकार द्वारा राजस्व विभाग के कार्यों का डिजिटलाइजेशन किया था, जिससे घर बैठे ही भू-नामान्तरण, गिरादवरी रिपोर्ट के लिए आवेदन कर सकते हैं परन्तु बीघा-बिस्वा/हैक्टेयर रूपांतरण की कार्यवाही सभी जगह नहीं होने से भी कृषकों को दिक्कतों से गुजरना पड़ता है।

प्रदेश की अन्य कृषि संबंधी समस्याओं में सिंचाई सुविधाओं के निराकरण को लेकर केन्द्रीय जल आयोग में प्रदेश सरकार ने सिंचाई पानी के मुद्दे को उठाया तो है लेकिन समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं । नहरी क्षेत्र में खाले निर्माण, मुरबाबंदी, किलेबंदी जैसे कार्य लम्बित है। कृषि कनेक्शन सालों साल से अटके पड़े हैं तथा क्लेम के लिए बीमा कम्पिन्यां और बैंक दफ्तरों में काश्तकारों को चक्कर काटने पड़ रहें हैं । इसके अतिरिक्त नकली बीज, उर्वरकों की अनुपल्बधा जैसी समस्याएं तथा केन्द्र और राज्य की सहभागी योजनाओं में सामजंस्य अभाव व अव्यवहारिक नीतियों का कृषकों को समाना करना पड़ता है।

राजस्थान सरकार कृषि बजट को पृथक पेश कर रही है जो कि अच्छी शुरूआत है लेकिन कृषि क्षेत्र को मिलने वाली पर्याप्त बिजली और सिंचाई में सार्वजनिक क्षेत्र के महंगे निवेश जैसे कृषि विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करना होगा एवं कृषि उद्योग के आधुनिकरण बाजारीकरण आदि के लिए भी सुधार की आवश्यकता है। किसान बीज खरीदने से लेकर कृषि जिसं बेचने तक कंम्पिनयों पर निर्भर रहता है । कम्पिनयां किसान के लिए परिमार्जित डकैत साबित होती हैं । किसान का बाजार पर अपना नियत्रंण नहीं होने की वजह से वह शोषित उत्पादक बनकर रह गया है! कृषि संकट दूर करने के लिए सरकार को बाजार पर खेतिहरों का नियंत्राण बढाने वाली नीतियों को गढ़ना एवं कृषि कार्ययोजनाओं एवं आपदा प्रबंधन को अतिंम छोर तक पहुंचाने की व्यवस्था को दूरस्थ एवं समयबद्ध करना होगा। उपरोक्त तमाम प्रकार की जटिलताएं खेती के विकास को अवरूद्ध किये हुए हैं इन्हें दूर करने के लिए संस्थागत सुधारों की महती आवश्यक्ता है।

सुचित्रा आर्य
पूर्व विधायक

इस बार के केंद्रीय बजट से क्या गरीबों की संख्या में वृद्धि नहीं होगी?

केंद्रीय बजट में गरीब और उनकी गरीबी पर प्रत्यक्ष रूप से कोई विवरण अथवा संकेत नहीं किया गया है। 1 फरवरी, 2022 को केंद्र सरकार का वार्षिक बजट लोकसभा में वित्त मंत्री मैडम सीतारमण जी ने प्रेषित किया वो मुझे एक रहस्यमय पहेली जैसा मुझे प्रतीत हुआ, दूसरे दिन अखवार में पढ़ने पर बजट के पहलू कुछ स्पष्ट हुए।

सैद्धान्तिक रूप से बजट के विभिन्न आयाम ऐसे होने चाहिए जिन्हें आम शिक्षित व्यक्ति सुगमता से समझ सके बजट के प्रस्तुतीकरण में वर्ष में अर्जित राजस्व/धन व उसके स्त्रोतों का वर्णन होना चाहिए, इनके पश्चात् फिर खर्च करने की प्राथमिकताएं और उन पर कुल व्यय और यदि प्रस्तावित परियोजना एक वर्ष से अधिक समय में पूरी हो रही हो तो उस स्तिथि में वर्तमान में एक वर्ष में उस पर संभावित व्यय को यथोचित दर्शाना उपयुक्त रहता है, इससे राजस्व की प्राप्ति और उसके खर्च का ब्यौरा भलीभांति समझ में आ जाता है। वर्तमान प्रस्तुतीकरण में ऐसा कुछ नहीं दिखाया गया

ये कहना उचित होगा कि बजट में प्राथमिकताएं और उन पर खर्चे बहुत उचित और दूर दृष्टि से तय किये गए हैं।

नया बजट दूरगामी नतीजे देने वाला है क्योंकि इसमें दीर्घकालीन योजनाओ पर फोकस किया हुआ है, दूसरी तरफ डिजिटल बाजीगरी का भरपूर उपयोग किया गया है इसलिए हर किसी के लिए यह बजट समझना आसान नहीं है। तत्कालिक फायदों को दरकिनार करते हुए भविष्य के भारत की तस्वीर पर फोकस है। डिजिटीलीजेशन और शहरीकरण पर जोर दिया गया है, विकास को गति देने के लिए ढांचागत विकास पर अधिक ध्यान रखा है। उदाहरण के लिए अगले तीन वर्ष में 400 नयी वन्दे मातरम् रेल गाड़ियां शुरू होंगी, वही प्रधान मंत्री आवास के लिए एक साल में 80 लाख मकान बनाने का प्रस्ताव किया है और इसी साल देश में 25 हज़ार किलोमीटर लम्बी सड़कें भी बनायी जावेगी।

क्रिप्टोकोरेंसी जो अभी कुछ समय पहले ही चलन में आयी है, उस पर और अन्य वर्चुअल होने वाली क्रियाओं से होने वाली कमाई पर 30 प्रतिशत टैक्स लागू होगा, रिज़र्व बैंक इसी वर्ष डिजिटल करेंसी भी जारी करेगा और 5 जी इंटरनेट सेवा भी शुरू हो जावेगी।

आयकर की दरों में कोई न तो बदलाव किया गया है और न ही इनकम स्लैब में, किसी वर्ग के लिए आयकर में किसी भी प्रकार की कोई छूट दी गयी है। सब पहले जैसा ही है और आयकर पर सब पूर्ववत ही है जैसे निवेश या अन्य कोई छूट। इस बाबत मध्य और लोअर इनकम ग्रुप में घोर निराशा हुयी है। वित्त मंत्री को एक प्रेस रिपोर्टर से वार्तालाप में सुना कि महंगाई बढ़ने पर निचले और मध्यम वर्ग के लोग क्या अपना जीवनयापन संतोष प्रद रख पाएंगे? जबकि उनके लिए ऐसा कोई प्रावधान बजट में नहीं किया है जिससे वे आने वाली कष्टप्रद महादशा से निपट पाएं। वित्त मंत्री का उत्तर चौंकाने वाला था। जब उन्होंने ये कहा कि महंगाई तो सभी देशो में बढ़ रही है । एक अर्थ शास्त्री की दृष्टि से महोदया के कथन पर सभी को सोचना चाहिए। महंगाई जब बढ़ती है उस समय मध्यम वर्ग, जो निम्न आय वर्ग से ठीक ऊपर होता है वह निचली श्रेणी में आ जाता है और इस प्रकार गरीबों की संख्या में बढ़ोतरी हो जाती है।

प्रो. वीर बहादुर सिंह

प्रधान मंत्री इंदिरा गाँधी के समय 'गरीबी हटाओ' नारा बढे जोर-शोर से दिया गया मगर तत्कालीन सरकार के किसी प्रवक्ता ने कहा 'ये कब कहा गया कि गरीब नहीं रहेंगे? गरीब हटाने की तो कोई बात नहीं की गयी, वे तो रहेंगे। अर्थात गरीबी हटाते हुए गरीब कम नहीं होंगे, वे तो रहेंगे'। उत्तर सुनकर अचम्भा तो हुआ ही, सरकार की बुद्धिमत्ता से मन भी प्रसन्न हो गया।

■ वर्तमान बजट से गरीबी बढ़ना क्या पार्टी इन पावर के लिए सुखदाई होगा?

■ एक रिसर्च एजेंसी के अनुसार भारत में गरीब लोगों की संख्या13.4 करोड़ हो चुकी है

वर्तमान बजट के रहते यदि गरीबों की संख्या बढ़ती है जो अवश्यभावी है तो वह स्तिथि क्या पार्टी इन पावर के लिए सुखदाई नहीं मानी जाएगी? क्योंकि गरीब और गरीबी रेखा से नीचे गुजर-बसर करने वाले लोगों के लिए सरकार ने अनेक लगभग मुफ्त और बिलकुल मुफ्त सुविधाएँ दे रखी हैं, अत: कितने भी लोग गरीब वर्ग में बढ़ जाये वे सब सरकारी मिलने वाली मुफ्त की योजनाओं का लाभ सुगमता से उठा सकेंगे और सरकार का गुणगान करेंगे और चुनाव के समय उस पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में अपना वोट भी डालेगा। एक रिसर्च एजेंसी की प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार भारत अभी भी एक लोअर-मिडिल इनकम देश है। रिपोर्ट कहती है कि भारत में गरीब लोगों की संख्या 134 मिलियन (13.4 करोड़) हो चुकी है जो व्यापार और उद्योग में मंदी (रिसेशन) के समय केवल 5.9 करोड़ थी, अर्थात दोगुनी से भी अधिक वृद्धि गरीबों की संख्या में हो गई। रिपोर्ट आगे कहती है कि भारत में एक गरीब 2 डॉलर (145 रूपये लगभग) प्रतिदिन या उससे कम पर जीवन निर्वाह करता है, फिर क्या ऐसी स्थिति वर्तमान बजट के उपरांत नहीं आ सकती?

केवल उपरोक्त वर्णित आयाम को छोड़कर बजट किसानो के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य देने के लिए कही अधिक सजग है और उसी के अनुसार प्रावधान भी बढाकर रखा है। देश की दो नदिओं के आलावा तीन और नदिओं को जोड़ने की योजना, रक्षा बजट में संतोषजनक बृद्धि आदि अनेकों प्रस्ताव बजट में उल्लेखित हैं, जिनसे दूरगामी अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे, तथा रक्षा मसलों पर कही अधिक मजबूती दिखाई देगी।

आधारभूत सुबिधाओं के अतिरिक्त इस बजट से कितना लाभ देश की जनता को मिलेगा, वर्ष उपरांत आंकलन पर ही पता चल पायेगा?

प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति, महाराणा प्रताप
कृषि एवं प्रौद्योगिकी
विश्वविद्यालय, उदयपुर

रेल प्रशासन बेपरवाह, आमजन को रेलयात्रा पड़ रही महंगी

फुलेरा, (निसं)। रेलनगरी के नाम से विख्यात फुलेरा रेलवे स्टेशन से हजारों की संख्या में लोग प्रतिदिन रेलयात्रा करते हैं, परन्तु रेल प्रशासन की उदासीनता के चलते अधिकांश ट्रेनों में आरक्षण करवाकर ही रेलयात्रा सम्भव हो पा रही है। जिससे आमजन को आर्थिक बोझ झेलना पड़ रहा है । गौरतलब है कि फुलेरा से प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग जयपुर-अजमेर व मकराना की ओर रेलयात्रा करते हैं। रेल प्रशासन की ओर से सामान्य टिकट की सुविधा शुरू हो जाए तो लोगों को आरक्षण के लिए लगने वाले अतिरिक्त भाड़ से मुक्ति मिल जाये।

फुलेरा से जयपुर यात्रा करने के लिए एकतरफा किराया एक्सप्रेस ट्रेन में 50 रूपये तथा सुपरफास्ट ट्रेन में 65 रूपये लगता है, इस प्रकार दोनों तरफ का कुल किराया क्रमश 100 व 130 रूपये प्रतिदिन वहन करना पड़ता है, जो कि दिहाड़ी मजदूरी अथवा

■ फुलेरा-जयपुर के मध्य संचालित 36 ट्रेनों में से मात्र 5 में ही एम. एस. टी. व सामान्य टिकट से यात्रा संभव

अन्य निजी नौकरीपेशा व्यक्ति के लिए सम्भव नहीं हो पा रहा है। जबकि सामान्य टिकट फुलेरा से जयपुर का 35 रूपये का है। दैनिक रेलयात्रा करने वाले लोगों को रेल विभाग की ओर से मासिक सीजन टिकट 270 रूपये का बनाया जाता था, जिससे उन्हें एमएसटी बनवाने में समस्या भी नहीं होती थी और आर्थिक बोझ भी नहीं पड़ता।

फुलेरा जक्शंन रेलवे स्टेशन पर जयपुर की ओर जाने वाली लगभग 36 ट्रेन हैं परन्तु रेलवे प्रशासन की ओर से मात्र 5 रेलगाड़ियों में ही सामान्य टिकट की सुविधा दी जा रही है । दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत के अध्यक्ष अशोक वासदेव ने बताया कि रेलनगरी फुलेरा जंक्शन से अन्यन्त्र स्थान पर दैनिक रेलयात्रा करने वालों की संख्या लगभग 15-17 हजार है। जिसमें से करीब 10 हजार व्यक्ति फुलेरा से जयपुर की ओर रेलयात्रा करते थे, जबकि अन्य लोग किशनगढ, अजमेर, नांवा, कुचामन व मकराना की ओर यात्रा करने वालों की संख्या भी लगभग 6-7 हजार व्यक्ति प्रतिदिन की रहती थी।

इन 15-17 हजार लोगो में से अधिकांश लोग दिहाडी मजदूर अथवा खुली मजदूरी करने वालों की रहती थी। इसके अलावा भी अन्य स्थानीय लोग भी रेलयात्रा करते हैं। अशोक वासदेव ने बताया कि फुलेरा से जयपुर की ओर रेलयात्रा करने वाले लोगों को सुबह चलने वाली हनुमानगढ़ एक्सप्रेस, ग्यालियर इन्टरसिटी, न्यू भुज-बरेली एक्सप्रेस, रतलाम एक्सप्रेस, जोधपुर इन्टरसिटी व शालीमार एक्सप्रेस में सामान्य टिकट व एमएसटी शुरू करने की नितांत आवश्यकता है। रेल प्रशासन की ओर से शटल, डीएमयू, बीकानेर इंटरसिटी, उदयपुर-जयपुर इंटरसिटी में ही सामान्य टिकट व एमएसटी सुविधा दी गई है। फुलेरा से जयपुर जाने वाले दैनिक यात्रियों के लिए दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत व फुलेरा से अजमेर जाने वाले दैनिक रेलयात्रियों के लिए दैनिक रेलयात्री संगठन बना हुआ। इन सभी के पदाधिकारियों की ओर से हरसंम्भव प्रयास किये जा रहे हैं कि जिससे शीघ्र ही रेल प्रशासन की और दैनिक रेलयात्रियों व अन्य यात्रियों की सुविधा को देखते हुए सामान्य टिकट व मासिक सीजन टिकट बनाया जाये । इसके अतिरिक्त स्थानीय विधायक निर्मल कुमावत, जयपुर ग्रामीण लोकसभा सांसद कर्नल राज्यवर्धनसिंह राठौड़, केन्द्रीय रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव को भी पत्र लिखा गया है।

राशिफल

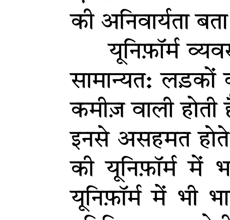

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 14 फरवरी, 2022

माघ मास शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2078, पुनर्वसु नक्षत्र दिन 11:53 तक, आयुष्मान योग रात्रि 9:48 तक, कौलव करण प्रात: 7:25 तक, चन्द्रमा कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-धनु, बुध-मकर, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 11:53 से सूर्योदय तक है। रवियोग दिन 11:53 से आरम्भ होगा। आज सोम प्रदोष व्रत, विश्वकर्मा जयन्ती, कल्पादि है और गुरू गोरक्षनाथ और मुनि धर्मनाथ जयन्ती है। आज सेन्ट वेलेन्टाइन दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:32 तक, शुभ 9:55 से 11:18 तक, चर 2:04 से 3:27 तक, लाभ-अमृत 3:27 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:08, सूर्यास्त 6:14

मेष
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

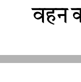

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

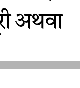

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

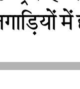

कर्क
परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।

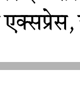

सिंह
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

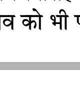

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में संदेश प्राप्त होंगे।

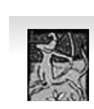

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

कुंभ
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

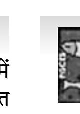

मीन
व्यावसायिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

गुप्ता ने निर्माणाधीन रोडवेज बस स्टैंड का कार्य देखा

जोधपुर में जिला कलैक्टर हिमांशु गुप्ता ने निर्माणाधीन बस स्टैंड का अवलोकन किया।

जोधपुर, (कासं)। जिला कलैक्टर हिमांशु गुप्ता ने रविवार को निर्माणाधीन बस स्टैंड का अवलोकन किया व कार्य समयबद्धता व गुणवता के साथ पूर्ण करने के आर एस आर डी सी के अभियंताओं को निर्देश दिए।

जिला कलैक्टर ने पावटा बस स्टेण्ड के चल रहे कार्य का अवलोकन किया। आर एस आर डी सी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर दीपक भाटी ने जिला कलैक्टर को बताया कि इस बस स्टेण्ड के आधुनिक बस स्टेंड का कार्य तीन ब्लॉक में होगा। उन्होंने बताया कि 38 करोड की लागत से यह कार्य पूर्ण होगा। पहले ब्लाक में छत, दूसरे ब्लॉक में फूटिंग लग रही व तीसरे ब्लाक का कार्य बाद में शुरू होगा।

सब्जी मण्डी की भूमि शीघ्र खाली सौंपने के निर्देश

जिला कलैक्टर ने सचिव फल सब्जी मण्डी डॉ.० झब्बर सिंह को पावटा सब्जी मण्डी की भूमि खाली करके शीघ्र सौंपने के निर्देश दिए। इसी भूमि पर बस स्टेण्ड का तीसरा ब्लाक बनेगा।

जिला कलैक्टर ने भदवासिया रोडवेज वर्कशॉप खाली करके कृषि विपणन बोर्ड को सौंपने के निर्देश दिए। उन्होंने वर्कशॉप प्रबंधक बी आर बेडा को इस संबंध में समय पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्कशॉप खाली होने पर फल सब्जी मण्डी पावटा से यहां पूरी तरह शिफ्ट हो सकेगी। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय राजेन्द्र कुमार डांगा भी उपस्थित थे।

वैष्णव ब्राह्मण चतु:सम्प्रदाय सेवा संस्थान की बैठक हुई

सांचौर, (निसं)। वैष्णव ब्राह्मण चतु: सम्प्रदाय सेवा संस्थान सांचोर की बैठक रविवार को ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉक्टर उदाराम वैष्णव के आतिथ्य में संपन्न हुई।

बैठक में ट्रस्ट के सचिव एडवोकेट अशोक कुमार वैष्णव ने आगंतुक महानुभावों का स्वागत एवं गत बैठक में लिए गए प्रस्तावों का अनुमोदन करवाया। बैठक में आगामी 5 व 6 मार्च को सांचोर, चितलवाना तहसील स्तरीय स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन के लिए विस्तृत चर्चा की गई। सर्वसम्मति से तय किया गया की 5 मार्च को सायं सुंदरकांड का पाठ, दीप यज्ञ एवं भजन संध्या का आयोजन रखा जाएगा। 6 मार्च को प्रात:आचार्य पूजन, सामाजिक परिचय, संतो महंतों के आशीर्वचन तथा विद्वानों द्वारा समाज के रचनात्मक विकास के संबंध में वार्ताए रखी जाएगी ।समारोह में सत्र 2020-21 में उत्तीर्ण आठवीं ,दसवीं बारहवीं बोर्ड के परीक्षार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह के द्वारा सम्मानित किया जाएगा। साथ ही जिन युवक-युवतियों ने पिछले वर्ष किसी भी प्रकार की स्नातक अनुस्नातक या कोई भी प्रोफेशनल डिग्री को प्राप्त किया है, उन्हें भी सम्मानित किया जाएगा। बैठक में यह भी तय किया गया की समाज के सरकारी कर्मचारियो,विशेष प्रतिभाओं एवं जनप्रतिनिधियों का भी बहुमान किया जाये। सभी समाज बंधुओं से आव्हान किया गया कि इस समारोह के आयोजन हेतु चढावे की बोलियों में भाग लें व आर्थिक सहयोग प्रदान करें। आयोजन के लिए समितियां बनाई।

बैठक में डॉ विष्णु दास वैष्णव, डॉ घनश्याम वैष्णव, गणपत दास वैष्णव ,राधेश्याम ए वैष्णव, कृष्ण दास केरिया, नरपत दास केरिया, करसनदास जानवी, मफतलाल हाडेचा, अशोक कुमार सिलोसन, बंशीदास धमाणा सहित बंधुओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

सांसद देवजी पटेल ने केंद्रीय बजट पर चर्चा की

जालोर में सांसद देवजी एम पटेल ने सांसद सेवा केन्द्र में प्रेसवार्ता की। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर-सिरोही सांसद देवजी एम पटेल रविवार को जिला मुख्यालय स्थित सांसद सेवा केन्द्र में प्रेसवार्ता कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देश में आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की तरफ किये जा रहे प्रयासों को लेकर योजनाओं और मूलभूत आवश्यकताओं के क्षेत्र में इस बार बजट में हर वर्ग एवं क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया है। इस बजट से विकास में नये आयाम स्थापित होंगे।

उन्होने बताया कि बजट में इस वर्ष भारत की विकास दर 9.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। सांसद देवजी एम पटेल ने वर्ष 2०22-23 के बजट पर अपनी प्रतिक्रया देते हुए कहा की केन्द्र सरकार ने इस वर्ष आजादी के 75 वर्ष होने पर अमृत महोत्सव के तहत आगामी 25 वर्षो की योजना को लेकर बजट बनाया हैं जिससे आजादी के सौ वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्णिम भारत का सृजन होगा। इस बजट में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, किसानों, देश के आवागमन के साधनों, युवाओं, देश के आधारभूत अवसरंचना, रोजगार के लिए भी विशेष ध्यान दिया गया है। जल जीवन मिशन के तहत अब तक करीब 9 करोड़ ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचने लगा है। इसमें से करीब 5 करोड़ से ज्यादा पानी के कनेक्शन जल जीवन मिशन के तहत पिछले 2 वर्षो में दिए गए हैं। बजट में घोषणा की गई है कि इस साल करीब 4 करोड़ ग्रामीण घरों को पानी का कनेक्शन दिया जाएगा।

उन्होने बताया कि बजट में घोषणा की है कि वर्ष 2022-23 में अस्सी लाख मकान बनाए जायेगें, इसके लिए 48,000 करोड़ रूपये का आवंटन बजट में किया गया है। सरकार दश के सभी परिवारों को आवास देने के लिए काम कर रही है। इससे राजस्थान के जालोर सिरोही जिलों में आवास से वंचित लोगों को पीएम आवास मिलेगा। सांसद पटेल ने बताया कि किसान पर बोझ न पड़े। इसलिए सरकार ने इस बड़ी हुई कीमत को वहन किया। इस बजट में सब्सिडी को 79 हजार करोड़ से बढ़ाकर 1.5 लाख करोड़ रुपये किया गया है। बीते बजट में सरकार किसान रेल और किसान उडान की सुविधा सुनिश्चित की, अब किसान ड्रोन किसान का नया साथी बनने वाला है।

इस अवसर पर जालौर विधायक जोगेश्वर गर्ग, आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, जालोर नगर अध्यक्ष सुरेश सोलंकी, नगर परिषद उपसभापति अम्बालाल व्यास, जिला महामंत्री हरीश राणावत, सिरोही जिला उपाध्यक्ष कालूराम चौधरी, जिला मंत्री भूरसिंह देवकी, जिला प्रवक्ता मुकेश राजपुरोहित, आईटी जिला सयोजक चंद्रकांत माली, परमानन्द भट्ट, पार्षद महेश भट्ट, नगर महामंत्री रतन सुथार, भाजयुमो नगर अध्यक्ष दिलीप भट्ट, नारायण भट्ट, परमवीर सिंह व पत्रकार बन्धु सहित कई जने उपस्थित थे।

पाली संवाददाता के अनुसार : पाली सांसद और पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री पीपी चौधरी ने शनिवार को पाली में मीडिया से मुखातिब हुए आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर केंद्र सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की अर्थव्यवस्था में गरीब कल्याण की अनेकों योजनाओं के माध्यम से आमजन के जीवन स्तर को सुधारने का कार्य किया जाएगा। जनधन खाता, प्रधानमंत्री आवास योजना, घर-घर नल से 3.8 करोड़ घरों में 60000 करोड़ से पेयजल आपूर्ति योजना, रोजगार, बच्चों के स्वास्थ्य सुधार के लिए आंगनबाड़ियों की योजनाओं के साथ ही साथ डिजिटल भारत के अंतर्गत डिजिटल विश्वविद्यालय की स्थापना आदि की जानकारी दी।

जस्टिस व्यास ने पुलिस थानों का निरीक्षण किया

राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस गोपाल कृष्ण व्यास ने पीपाड शहर, मेडता सिटी व पुष्कर के पुलिस थानों का निरीक्षण किया।

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस गोपाल कृष्ण व्यास ने शनिवार को पीपाड शहर ,मेडता सिटी व पुष्कर के पुलिस थानों का निरीक्षण किया व वहां की व्यवस्थाएं देखी।

जस्टिस व्यास ने पुलिस थानों में पुरुष व महिला बंदी ग्रह का निरीक्षण किया एवं थानों के रोजनामचा, शस्त्रागार व भोजनालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने थाना अधिकारियों से वर्ष भर में दर्ज एफआईआर व कार्यवाही के बारे में जानकारी ली। उन्होंने थानों की नफरी बारे में भी पूछा। जस्टिस व्यास ने मेडता सिटी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों से मुलाकात की। उन्होंने नि:शुल्क दवाओं के संबंध में भी चिकित्सकों व मरीजों से चर्चा की।

लापता नाबालिग लड़की का शव कुएं से निकाला

आहोर, (नि.सं.) । बादनवाडी मेले से लापता हुई नाबालिग लड़की का शव आज मीठडी गांव के एक कुएं से बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार कल बादनवाडी गांव मे आयोजित लोक देवता बाबा रामदेव के मेले से एक नाबालिग लड़की लापता हो गई थी । परिजनो ने गायब नाबालिग की गुमशुदगी रिपोर्ट नोसरा थाने मे दर्ज करवाई गई । पुलिस ने टीमे गठित कर नाबालिग की तलाश शुरू की । तलाशी के दौरान पुलिस ने मीठडी गांव मे एक कुएं से नाबालिग का शव बरामद किया। सूचना पर डीएसपी हिम्मत चारण भी मौके पर पहुंचे ।

काफी मशक्कत के बाद शव को कुएं से बाहर निकाला गया।

नोसरा थानाधिकारी शिवराजसिंह के अनुसार नाबालिग के सिर मे चोट के निशान मिले है । संभवतया नाबालिग की हत्या कर शव कुएं मे डाला गया है। पुलिस नाबालिग के मामा को दस्तयाब कर पूछताछ कर रही है ।

शव को आहोर अस्पताल की मोर्चरी मे रखवाया गया है, जिसका कल सुबह पोस्टमार्टम किया जाएगा । पोस्टमार्टम के बाद ही मामले की सही तस्वीर सामने आएगी।

राजपुरोहित का स्वागत किया

जोधपुर में राजस्थान गौ सेवा आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष सुमेरसिंह राजपुरोहित का स्वागत हुआ।

जोधपुर,(कासं) । राजस्थान गौ सेवा आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष सुमेरसिंह राजपुरोहित का रविवार को जयपुर से जोधपुर पहुंचे। आते समय पाली, जोधपुर व बाड़मेर जिलों में 24 से अधिक स्थानों पर विभिन्न संगठनों, समाजों व जनप्रतिनिधियों ने साफा व मालाएं पहनाकर जगह जगह गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

राजपुरोहित का पाली जिले में जैतारण में ब्लाक अध्यक्ष बाबूसिंह व प्रदीप राठौड़ खिनावड़ा में अनेक लोगों ने, गरानिया में पूर्व सरपंच भागीरथ सिंह गरनिया व ग्रामीणों ने साफा व मालाएं पहनाकरक अपणायत के साथ स्वागत किया। बिलाड़ा में नेता प्रतिपक्ष नगर पालिका व लाम्बा में बाबुलाल विश्नोई व कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

जोधपुर में झालामण्ड गांव में लूणी प्रधान वाटिका राजपुरोहित व ब्लाक अध्यक्ष हनुमानसिंह राजपुरोहित, कुड़ी हाउसिंग बोर्ड में गोपालसिंह, जेठूसिंह, बिशनसिंह, देवीसिंसह खाराबेरा ने स्वागत किया। डीपीएस सर्कल पर राजपुरोहित का ढोल थाली के साथ स्वागत हुआ। सेवानिवृत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खुशालसिंह, डा. सोहन सिंह राजपुरोहित, विक्रम सिंह इंदा प्रधान बालेसर ने साफा व मालाओं से स्वागत किया। राजपुरोहित का रोहिट प्रधान सुनीता राजपुरोहित, महावीर सिंह सुकरलाई, नारनाडी में पप्पूसिंह, राजूसिंह, मोहनसिंह, गणपतसिंह, डोली में कानसिंह, मूलसिंह, सरवडी सरपंच महेन्द्रसिंह, अराबा सरपंच गुमानसिंह, बहादुर सिंह राजपुरोहित , नरपत सिह गजगुरू , ने साफा व मालाएं पहनाकर स्वागत किया।

संत निर्मलदास का लिया आर्शीवाद

राजपुरोहित ने निर्मल कुटीर बालोतरा में महामंडलेश्वर संत निर्मलदास जी से आशीर्वाद लिया।

राजपुरोहित ने ब्रह्मधाम आसोतरा में तुलसाराम महाराज से आशीर्वाद लिया। वहां मोहनसिंह चावड़ा, गिरधारी सिंह व रामलाल ने दुपटा ओढाकर स्वागत किया व खेताराम महाराज की तस्वीर भेंट की।

आजीवन सहयोग निधि व सक्रिय बूथ समिति पर चर्चा की

जालोर, (कासं)। भाजपा द्वारा चलाये जा रहे आजीवन सहयोग निधि कार्यक्रम व सक्रिय बूथ समिति निर्माण कार्यक्रम को लेकर भाजपा जिला कार्यालय में रविवार को भाजपा नगर मंडल जालोर की बैठक आयोजित हुई।

नगर महामंत्री व पार्षद दिनेश महावर ने बताया कि बैठक में कही महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। भाजपा जिला संगठन द्वारा महेंद्र मुणोत को स्थायी संयोजक नियुक्त करने पर सभी ने स्वागत कर बधाई दी। बैठक जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग व नगर परिषद सभापति गोविंद टाक के मुख्य आतिथ्य में की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष सुरेश सोलंकी ने की। बैठक में विशिष्ट अतिथि के नाते जिला महामंत्री हरीश राणावत, जिला कोषाध्यक्ष व मंडल स्थायी संयोजक महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। विधायक जोगेश्वर गर्ग ने संगठन की गतिविधियों के बारे में सभी कार्यकर्ताओं को बताया। गर्ग ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। भाजपा कार्यकर्ताओ के सहयोग से चलती है इसमें हम सभी कार्यकर्ताओं का अंश दान रहता है। पार्टी द्वारा चलाये जा रहे आजीवन सहयोग निधि कार्य म में हम सब बढ़ चढ़कर अपनी सहभागिता निभाए।पार्टी की मजबूती के लिए आम कार्यकर्ता का धन लगना जरूरी है। नगर परिषद सभापति गोविंद टॉक ने कहा कि भाजपा में सभी कार्यकर्ता एक परिवार के सदस्य की तरह कार्य करते हैं। पार्टी द्वारा चलाए जा रहे अभियान कोई उत्सव से कम नहीं होता है हम सब भी अभियान को उत्सव की तरह मनाये। नगर अध्यक्ष सुरेश सोलंकी ने कहा कि सभी कार्यकर्ता मिलकर पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सक्रिय बूथ समिति निर्माण व आजीवन सहयोग निधि मैं अपनी पूर्ण सहभागिता निभाएंगे। जिला महामंत्री हरीश राणावत ने सभी से अभियान में सहभागिता निभाने की बात कही। बैठक का संचालन नगर महामंत्री व पार्षद दिनेश महावर ने किया।

बैठक में जिला प्रवक्ता मुकेश राजपुरोहित, ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष दिलीप सोलंकी, भाजयुमो नगर अध्यक्ष दिलीप भट्ट, किसान मोर्चा नगर अध्यक्ष मंगलाराम साँखला, भाजपा नगर उपाध्यक्ष अशोक गुर्जर, रवि सोलंकी, संजय बोराणा, चतराराम गहलोत, घनश्याम सुंदेशा, राजकुमार चौहान सहित कई जने उपस्थित थे।

फालना में अधिवक्ता भंडारी का स्वागत किया

फालना, (निसं)। फालना उद्योग मंडल की ओर से रविवार को मंडल के कानूनी सलाहकार इन्दरराज भण्डारी वरिष्ठ अधिवक्ता का मंडल में कानूनी सलाहकार के रूप में अपनी सेवाएं देने पर माला व साफा पहना कर उनका सम्मान किया गया।

मंडल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विमल जैन, पूर्व शिक्षा अधिकारी सुलेमान टांक, डॉ सुरेश अग्रवाल, शांतिलाल सुराणा, मो युसुफ ने संबोधित किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष बहादुरसिंह खालसा, संचालक रामकिशोर गोयल, हेमन्त राणावत, शान्तिलाल कंसारा, नरेन्द्र सुथार ने श्रीमान् इन्दरराजजी भण्डारी को अभिनन्दन पत्र भेंट किया। उद्योगपति देवेन्द्र चौपडा, बस्तीमल मेहता, नरेन्द्र राणावत,उमेश शर्मा, सहित बडी संख्या मे उद्योगपति उपस्थित थे।

बीजू बकरों का वितरण

पिंडवाड़ा, (निसं)। पशुपालन विभाग सिरोही की ओर से माडा योजना के तहत पिंडवाडा तहसील के नितोडा भावरी नवी जमीन सहित गांवों के 30 पशुपालकों का चयन करके बकरों का नि:शुल्क वितरण किया।

रविवार सुबह 11 बजे राजकीय पशु चिकित्सालय पिंडवाडा के प्रांगण में संयुक्त निदेशक सिरोही डॉ. जगदीश प्रसाद बरबड, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ परमानंद टेभूरकर, डॉ संजीव भोसले की मौजूदगी में पशुपालकों को पशुपालन विभाग द्वारा माडा योजना अंतर्गत तहसील पिंडवाडा के मांडा क्षेत्र के गांव के पशुपालकों को नि:शुल्क उन्नत सिरोही नस्ल के बीजू बकरों का वितरण किया गया। विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक लेकर संयुक्त निदेशक द्वारा समस्त कार्मिकों को कृत्रिम गर्भाधान के लक्ष्यों की आपूर्ति करने के साथ साथ समस्त विभागीय योजनाओं के बारे में पशुपालकों को जानकारी देने हेतु निर्देशित किया। जिससे विभागीय योजनाओं से अधिक पशुपालकों को लाभान्वित किया जा सके।

खुहड़ी के रेतीले धोरों पर सांस्कृतिक उत्सव सजा

मरू महोत्सव की सांस्कृतिक सांझ में ख्यातनाम लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। फोटो-राष्ट्रदूत

कलाकारों ने कबीर की वाणी को लोक वाद्यों की संगत के साथ पेश किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जैसलमर, (नि.सं.)। मरु महोत्सव के अन्तर्गत रविवार रात खुहड़ी के रेतीले धोरों पर सजा सांस्कृतिक उत्सव खूब जमा। सैलानियों ने रेतीले धोरों पर भ्रमण करते हुए मखमली रेत के स्पर्श के साथ ही ऊँट गाड़ियों से रेत पर सफर की सफारी का लुत्फ उठाया।

इन सैलानियों के लिए रविवार की सांझ का मनमोहक दृश्य यादगार छाप छोड़ गया। जब एक ओर रेतीले धोरों के शिखर से सन सेट के मनमोहक नजारे का आनंद लिया। वहीं सूरज के ढलने के बाद चाँदनी रात तले मीलों तक पसरे रेत के समन्दर में बही सांस्कृतिक सरिताओं में जमकर गोते लगाए।

खुहड़ी के रेतीले धोरों पर मुम्बई के कबीर कैफे द्वारा शानदार भजनों की प्रस्तुति की गई एवं इन लोक कलाकारों ने ''मत कर माया का अहंकार'', ''मन लागों रे मेरों यार फकीरी में'', दो दिन की जिन्दगी है, दो दिन का मेला'' तथा ''घट-घट में पंछी बोलता है'' भजनों की शानदार प्रस्तुति कर पूरे वातावरण को कबीर वाणी से सरोबार कर दिया।

इस अवसर पर आयकर आयुक्त जोधपुर फतेह सिंह, जिला न्यायाधीश जयपुर ज्ञानप्रकाश, मैजर जनरल योगेन्द्र सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद डॉ. टी. शुभमंगला, युआईटी सचिव सुनिता चौधरी, पंचायत समिति सम के प्रधान तनेसिंह सोढ़ा, पुलिस उप अधीक्षक प्रियंका कुमावत, पूर्व जिला प्रमुख अंजना मेघवाल, समाजसेवी विक्रम सिंह नाचना, हरीश धनदे, सहायक निदेशक (पर्यटन) कृष्ण कुमार, सैन्य अधिकारी, जिला रसद अधिकारी अश्विनी गुर्जर, क्षेत्रावासी एवं पर्यटक उपस्थित थे।

इंडी म्यूजिक - बैण्ड कबीर कैफे के संस्थापक एवं जाने-माने गायक नीरव आर्य एवं साथी कलाकारों ने कबीर की वाणी को लोक वाद्यों की संगत के साथ लय-ताल और तरन्नुम में पेश कर माहौल को खुशनुमा बनाते हुए ऊँचाइयां प्रदान की।

कबीर की जीवन और जगत के परम सत्य को पूरी बेबाकी से उद्घाटित करती वाणी के अद्भुत गायन ने आध्यात्मिक और नैतिक समन्दर में गोते लगाने को लालायित कर दिया।

सांस्कृतिक सांझ में गुणसार एण्ड पार्टी के ख्यातनाम लोक कलाकारों द्वारा ''केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश'' एवं गोरबन्ध राजस्थानी गीतों की प्रस्तुति कर पूरे माहौल को मरु लोक संस्कृति से रूबरू कराया। दव के सूफी लोक कलाकार सकूर खां ने ''सवाली हूं न वाली हूं, इश्क में तेरे मर न जाऊँ'' गानों की शानदार प्रस्तुति की, वहीं निशी सिंह एण्ड पार्टी ने ब्रज भूमि के होली के अवसर पर गाने वाले फागुनी गीतों की बारिश कर पूरे माहौल को होली के रंग-रस में डूबो दिया। मेहमानों की ढोल-नगाड़ों के नादों और लोक वाद्यों की सुमधुर स्वर लहरियों से अगवानी और स्वागत किया गया। खुहडी के रेतीले धोरों के बीच बने आयोजन स्थल पर सजे-धजे ऊँटों और ऊँट गाड़ों से लाने का प्रबन्ध देखकर खुहडीवासियों की मेहमानवाजी ने सैलानियों को अभिभूत कर दिया।

महालक्ष्मी मंदिर में प्रतिष्ठा महोत्सव शुरू

सांचौर, (निसं)। श्रीमाली ब्राह्मण समाज तहसील सांचोर द्वारा तीन दिवसीय महालक्ष्मी मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव श्रीमाली बगेची,हवाई पट्टी के पास सांचौर में शुरू हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम के प्रथम दिवस कलश यात्रा व शोभा यात्रा नगर में मुख्य मार्गो से होते हुए पुन: मंदिर प्रांगण में सम्प्पन हुई। जिसमें माताजी की प्रतिमा, गणेश की प्रतिमा, हनुमान जी की प्रतिमा,हाथी, दिशा देव, शिखर शेर की प्रतिमाओं, रथ, के साथ माताजी की झांकिया, परशुराम की झांकिया, राम सीता की झांकिया, ट्रैक्टरों में शोभायमान हुई।

रविवार को प्रतिष्ठा महोत्सव के पूर्व संध्या में महिलाओं द्वारा मेहंदी व शांझी का कार्यक्रम रखा गया।

श्रीमाली ब्राह्मण समाज की महिलाओं द्वारा आराध्या देवी महालक्ष्मी माँ का रात्रिजोगा का भजन संध्या कायक्रम रखा गया।

कार्यक्रम में समाज की महिलाओं एवं बालिकाओं सहित काफी बन्धुओ ने भाग लिया। जिसमे पंडित किशोर दवे, डॉ ललित द्विवेदी, दिनेश दवे, शम्भूप्रकाश शर्मा, दिलीप दवे, विष्णुदत्त शर्मा यजमान व आचार्य रहे। वही 14 फरवरी को प्रात: 11बजे माँ महालक्ष्मी की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आरम्भ होगा।

शिविर लगा

जोधपुर, (कासं)। कलेक्टर हिमांशु गुप्ता ने हनुवंत स्कूल शास्त्री नगर के प्रांगण में रोटरी क्लब द्वारा आयोजित कृत्रिम हाथ लगाने के शिविर का रविवार को अवलोकन किया।

रोटरी क्लब द्वारा आयोजित इस शिविर में जयपुर से आईआरसीआई की टीम के देखरेख में 125 कृत्रिम हाथ लगाए गए। हाथ लगने से लाभार्थी बडे खुश थे।

भरतपुर में रीट मामले में मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग को युवाओं ने काले झंडे दिखाए

राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग को भरतपुर प्रवास के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा

भरतपुर, (निसं)। रीट पेपर के आउट हो जाने के बाद राज्य की गहलोत सरकार ने भले ही रीट की एक परीक्षा को रद्द कर दिया हो लेकिन बावजूद इसके रीट को लेकर राज्य सरकार को ही नही उसके मंत्रियों को जबरदस्त विरोध का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को भरतपुर विधायक एवं तकनीकी शिक्षा आयुर्वेद राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग को भी अपने एक दिवसीय भरतपुर प्रवास के दौरान ऐसे ही विरोध का सामना करना पड़ा।

डॉ. सुभाष गर्ग भरतपुर में अछनेरा रोड पर नोंह पुलिया का शिलान्यास और बछामदी के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नवीन कक्षों के लोकार्पण सहित आधा दर्जन कार्यक्रमों में हिस्सा लेने आए थे लेकिन जैसे ही रीट के अभ्यार्थियों

भरतपुर में मंत्री डॉ. गर्ग को रीट अभ्यर्थियों ने काले झंडे दिखाये।

को इसकी जानकारी हुई वे महारानी श्री जया कॉलेज के सामने सड़क पर गर्ग के मार्ग में काला झंडे लिए खड़े हो गए और जैसे ही इस रास्ते से मंत्री गर्ग का काफिला निकला तो युवाओं ने अपने जेबों से काले झंडे निकाले और उनको लहराना शुरू कर दिया। विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी युवक पेपर लीक में उनका संरक्षण होने का आरोप लगाते हुए न्याय और संघर्ष की लड़ाई में जब तक न्याय नहीं मिलेगा, हम संघर्ष करते रहेंगे जैसे नारे लगाते रहे।

गौरतलब है कि इससे पहले 4 और 5 फरवरी को भी रीट के मामले को लेकर डॉ. सुभाष गर्ग के भरतपुर स्थित कार्यालय के आसपास के तमाम शहर के विभिन्न इलाकों में भाजपा ने पोस्टर टांग दिए गए जिन पर 'रीट के पेपर मिलने का एकमात्र स्थान-राजीव गांधी स्टडी सर्किल' जैसी बातें लिखी हुई थीं।

- **रीट लेवल-2 रद्द करने के बाद भी राज्य सरकार के मंत्रियों को विरोध का सामना करना पड़ रहा है**

रीट प्रकरण में की गई 39वीं गिरफ्तारी

जयपुर, (कासं.)। रीट प्रकरण में नरेंद्र, ग्राम सेवक खानपुर, पंचायत समिति भीनमाल को गिरफ्तार किया गया है। वह ग्राम कूका जिला जालोर का निवासी है एवं उसका पूर्व में आपराधिक रिकॉर्ड भी है। नरेंद्र ग्राम सेवक द्वारा भीनमाल में परीक्षा से पूर्व अनेक अभ्यर्थियों के लिए प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था करना एवं अपने परिजनों के लिए भी प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने की जानकारी प्राप्त हुई है।

मोरन नदी में कार गिरी, दो बच्चों सहित 6 लोग घायल

डूंगरपुर-सागवाड़ा रोड पर भेडमाता पुलिये के पास कार बेकाबू होकर पलटी

वरदा थाना क्षेत्र में मोरन नदी में गिरी कार व मौके पर मौजूद लोग।

डूंगरपुर, (निसं)। वरदा थाना क्षेत्र में डूंगरपुर-सागवाडा रोड पर भेडमाता पुलिये पर एक कार बेकाबू होकर 7 फीट गहरी मोरन नदी में गिर गई। हादसे में कार में सवार 2 बच्चों समेत एक ही परिवार के लोग घायल हो गए। घायलों को कार से निकालकर डूंगरपुर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया है। वरदा थाना एएसआई वल्लभराम ने बताया कि बांसवाडा जिले के सज्जनगढ थाना क्षेत्र के पाटडिया गांव निवासी सुनील डामोर अपने परिवार के साथ आंतरी में बहन जयंती के घर आये थे।

रविवार सुबह सुनील (35), पत्नी धर्मा देवी (28), बेटा सुमित (8), आरव (3), बहन शीला उर्फ रचना (20), बहन जयंती (21) पत्नी विजेश कार से मुंगेड जा रहे थे। सागवाडा से डूंगरपुर रोड पर भेडमाता पुलिये के पास आते ही कार बेकाबू हो गई। कार पुलिये से नीचे मोरन नदी में उतरकर पलट गई। नदी में पानी कम होने से कार में सवार लोगों को निकाला। कार सुनील चला रहा था, जिसे काफी मशक्कत के बाद निकाला जा सका। घटना की सूचना पर वरदा थाने से एएसआई वल्लभराम, कांस्टेबल फतेहलाल मौके पर पंहुचे। 108 एम्बुलेंस के ईएमटी ताराचंद भोई व पायलट दिनेश घायलों को डूंगरपुर हॉस्पिटल लेकर आए ओर भर्ती करवाया।

बीकानेर जिले में तेंदुआ की दहशत

बीकानेर, (कासं)। जिले के धोरों में इन दिनों तेंदुए की तलाश चल रही है। पहले लूणकरनसर के गांवों में तेंदुए की आशंका में चप्पा चप्पा छाना गया। अब ये ही हालात श्रीडूंगरगढ़ के गांवों का है। अब तक कहीं भी तेदुआ तो नजर नहीं आया, लेकिन कुछ फुट प्रिंट को तेंदुए के ही माना जा रहा है। पिछले तीन दिन से श्रीडूंगरगढ़ के तोलियासर दखनादी गांव में किसान हाथ में लठ लिए बारी -बारी से पहरा दे रहे हैं। तेंदुआ आए तो उससे दो-दो हाथ कर सकें। वन विभाग की टीम भी तेंदुआ ढूंढ रही है। माना जा रहा है कि अरावली की पहाड़ियों से भटकता हुआ, तेंदुआ इस एरिया में आ गया है। इससे पहले वर्ष 2016-17 में भी लूणकरनसर में तेंदुआ आया था।

श्रीडूंगरगढ़ कस्बे से कुछ ही दूरी पर 4 दिन पहले तोलियासर दिखनादी रोही में किशननाथ सिद्ध ने अपने खेत में किसी बड़े शिकारी जानवर के फुटप्रिंट देखे तो उसने ग्रामीणों को जानकारी दी। उस दौरान सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौका देखकर माना कि यह फुट प्रिंट तेंदुए के हैं ।

- **गांव के लोग चौबीस घंटे पहरा दे रहे, खेतों में हो रही तलाश**

ग्रामीणों के साथ वन विभाग की टीम ने तेंदुए को ढूंढने की नाकाम कोशिश की । बताया जा रहा है कि तेंदुआ सरसों के खेतों में छिपा हुआ है। यहां पानी की लाइन बदलने के लिए गए 7-8 किसानों ने तेंदुए को देखा है। टीम ने अंदेशा जताया है कि ये तेंदुआ तोलियासर से सातलेरा के बीच की रोही में हो सकता है। वन विभाग ने ड्रोन से भी तेंदुए की खोजबीन के लिए प्रयास शुरू किए हैं। पिछले दिनों लूणकरनसर में जिस तेंदुए की खोजबीन हो रही थी, वो ही तेंदुआ अब श्रीडूंगरगढ़ पहुंच गया है। वन विभाग का मानना है कि अरावली की पहाड़ियों से भटककर तेंदुआ बीकानेर आ सकता है। रेंजर जितेंद्र कुमार का कहना है कि पहले तो जंगल थे, इसलिए तेंदुए वापस निकल जाते थे। अब रास्ता भटक रहे हैं।

11 कक्षा के छात्र ने फांसी लगाई

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र की ओमनगर कॉलोनी में एक छात्र ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। यह छात्र पिछले दिनों शादी से लौटने के बाद से गुमशुम था। खुदकुशी के कारण अभी सामने नहीं आये हैं। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

सदर थाना पुलिस ने बताया कि ओमनगर निवासी पूरब (16) पुत्र राजकुमार सोनी 11 वीं कक्षा की पढाई कर रहा था। बीती रात पूरब अपने कमरे में गया और दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद पूरब ने गले में साडी का फंदा डाला और पंखे से झूल गया। परिजनों को जब पूरब नजर नहीं आया तो उन्होंने उसे कमरे में आवाज दी, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं आया। अंदर झांकने पर पूरब फंदे से झूलता नजर आया। पुलिस ने बताया कि मृतक के पिता राजकुमार सोनी ने रिपोर्ट दी, जिसमें बताया कि पूरब गेता पारोली में शादी में गया था, जो 10 फरवरी को लौटकर आया था इसके बाद से वह गुमशुम रह रहा था। वह किसी से मोबाइल पर बात करता था। पिता ने पूरब की मौत को लेकर किसी तरह की शंका जाहिर नहीं की है।

'कोटा थर्मल में रिक्त तकनीकी पदों पर नई भर्ती की जाये'

कोटा, (निसं)। राजस्थान विद्युत उत्पादन कर्मचारी संघ ने कोटा सुपर थर्मल के मुख्य अभियंता वीके गोलानी को पत्र लिखकर मांग की कि वे बिजलीघर में घटती मैनपावर समस्या को देखते हुए वर्षों से रिक्त तकनीकी पदों पर नई भर्ती करवाने के लिए आवाज उठायें। निगम प्रशासन द्वारा जयपुर, अजमेर, जोधपुर वितरण कंपनियों द्वारा तकनीकी कर्मियों की भर्ती निकाली गई है लेकिन विद्युत उत्पादन निगम में हजारों पद तकनीकी कर्मचारियों के रिक्त होते हुए भी 2012 के बाद से कोई नई भर्ती नहीं की गई है।

विभागीय जानकारी के अनुसार 2014 में कोटा सुपर थर्मल पावर में 271 पद रिक्त थे। दूसरी ओर, विगत 10 वर्षों में प्रतिवर्ष 50 से 60 कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उनकी गणना के अनुसार कोटा थर्मल में भी कई लोकेशन पर तकनीकी पद रिक्त पड़े हुए हैं। वर्तमान में कोटा थर्मल में तकनीकी कर्मचारियों की संख्या घटकर लगभग 350 रह गई है, जबकि 1240 मेगावाट क्षमता के बिजलीघर में

- **विद्युत उत्पादन कर्मचारी संघ ने उठाई मांग, 10 साल से नहीं हुई भर्ती**

मापदंडों के अनुसार, 1000 से अधिक तकनीकी मेनपॉवर होनी चाहिए।

उत्पादन निगम कर्मचारी संघ ने मांग की है कि विगत कई वर्षों से जो संविदा कर्मचारी बिजलीघर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनको नई भर्ती में तकनीकी अनुभव के आधार पर स्थायी नियुक्ति का मौका मिलना चाहिए। शेखावत ने अभियंताओं एवं कर्मचारियों को बधाई दी कि 39 वर्ष पुरानी दूसरी यूनिट से भी 110 मेगावाट लोड अर्थात पूरी क्षमता से निरन्तर विद्युत उत्पादन किया जा रहा है।बिजलीघर की सातों यूनिटों से लगभग 4 रुपये प्रति यूनिट की दर से सस्ती बिजली पैदा की जा रही है, जिसे डिस्कॉम द्वारा 10 रु यूनिट में बेचा जा रहा है।

कोचिंग स्टूडेंट्स के लिए पुलिस सहायता केंद्र शुरू

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर में कोटा शहर पुलिस, नगर विकास न्यास और एलन स्टूडेंट्स वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में कोचिंग स्टूडेंट्स की समस्याओं के समाधान और सहायतार्थ पुलिस सहायता केंद्र रविवार को शुरु हुआ।

पेट्रोल पंप के समीप नवनिर्मित पुलिस सहायता केंद्र का शहर का चौथा सहायता केंद्र है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शहर पुलिस अधीक्षक केसर सिंह शेखावत, एलन करियर इंस्टीट्यूट के निदेशक नवीन माहेश्वरी, पुलिस उपाधीक्षक अंकित जैन, संजय सिंह तथा स्थानीय पार्षद सुदर्शन गौतम, गोपालराम मंडा व एलन स्टूडेंट्स वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष मुकेश सारस्वत मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में दो जनों की मौत, एक गंभीर घायल

डिग्गी, (निसं)। कल देर रात सड़क दुर्घटना में डेचवास मोड पर बाइक व कार की भिड़ंत में दो व्यक्तियों की मौत हो गई वहीं एक गभीर घायल हो गया, जिसका इलाज जयपुर अस्पताल में जारी है। डिग्गी थानाधिकारी सत्यनारायण चौधरी ने बताया कि देर रात दस बजे डेचवास मोड पर बाइक व कार की जोरदार भिड़त में दो की मौत हो गई। इसमें बाइक सवार द्वारकापुरी बूढी किरावल निवासी हनुमान वैष्णव पुत्र रूपदास, भुवान गुर्जर पुत्र पन्नालाल गुर्जर, पीपल्या निवासी प्रहलाद वैष्णव पुत्र रामलाल वैष्णव गंभीर घायल हुए हैं। बाद में राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस और एंबुलेस को दी।

एंबुलेस ने घायलों को डिग्गी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने

- **कार व बाइक की भिड़ंत, पुलिस ने दोनों को जब्त किया**

हनुमान को मृत घोषित कर दिया। वहीं प्रहलाद व भुवान को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर कर दिया। जहां देर रात को जयपुर पहुंचने के बाद प्रहलाद की भी मौत हो गई। भुवान का इलाज जयपुर अस्पताल में जारी है। डिग्गी थानाधिकारी सत्यनारायण चौधरी न बताया कि मौके पर कार चालक नहीं मिला है बाइक और कार को जब्त कर थाने ले आए हैं। अभी कार सवार का पता नही लगा है।

कुए में मिला विवाहिता का शव

विवाहिता के परिजनों ने मालपुरा थाने में दर्ज कराया हत्या का मामला

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के तिलांजू गांव में रविवार को गांव के पास कुए में 24 वर्षीय विवाहिता का शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंचे थानाधिकारी कैलाश विश्नोई ने ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से निकाल मालपुरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया तो मृतका के परिजनों ने मालपुरा थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया।

थानाधिकारी कैलाश विश्नोई ने बताया कि ग्रामीणों के सहयोग से

- **पुलिस ने इंजन से कुएं का पानी निकाल शव को निकाला**

तिलांजू गांव में विवाहिता की हुई मौत के बाद ससुराल पक्ष के लोगों से पुलिस ने पूछताछ की।

तकरीबन तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद इंजनों से कुंए का पानी निकाल शव को बाहर निकाला। जहां मृतका की पहचान नर्बदा पत्नी सवाईराम बैरवा उम्र 24 साल निवासी तिलांजू के रूप में की गई। मृतका के पति सवाईराम ने बताया कि नर्बदा ने उसे फोन कर खेत पर चारा लेने बुलाया था लेकिन खेत पर पहुंचने पर नर्बदा के नहीं मिलने पर आस-पास तलाश की गई। इस दौरान कुंए के पास चप्पल इत्यादि मिलने पर नर्बदा के कुंए में गिरने के हुए अंदेशे पर परिजनों व थाना पुलिस को सूचना दी गई।

थाना पुलिस की सूचना पर मृतका के परिजनों ने मालपुरा पहुंच कर बेटी नर्बदा की हत्या का अंदेशा जता मालपुरा थाने में मामला दर्ज करा मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम की मांग की।

पश्चिमी विक्षोभ से नहीं हो रही सर्दी की विदाई

झुंझुनूं/मंडावा, (निसं)। फरवरी माह में बसंत ऋतु के आगमन के साथ ही सर्दी की विदाई मानी जाती है लेकिन इस बार बसंत ऋतु के आगमन के बावजूद सर्दी की विदाई नहीं हुई है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के प्रमुख कारण हैं। इससे बार-बार मौसम में परिवर्तन हो रहा है। मौसम में गलन होने से सर्दी का असर बना हुआ है। बीते दो माह में 5 पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो चुके हैं। इससे तापमान में कमी आ रही है।

बीते कुछ दिन पहले जरूर सर्दी का असर कम हो गया था। गर्मी का असर हो गया था। लेकिन अचानक फिर से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कभी बारिश, कभी कोहरा तो कभी शीत लहर चलने से सर्दी की विदाई नहीं हो पा रही है। गत दिवस से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से पूर्वी व पश्चिम शेखावाटी अंचल में बारिश होने से अंचल पर भी इसका असर पड़ा। इससे इन दिनों मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। अंचल में रविवार को मौसम खुला रहा। तापमान में तेजी रही, लेकिन ठंडी हवा शूल सी चुभती रही।

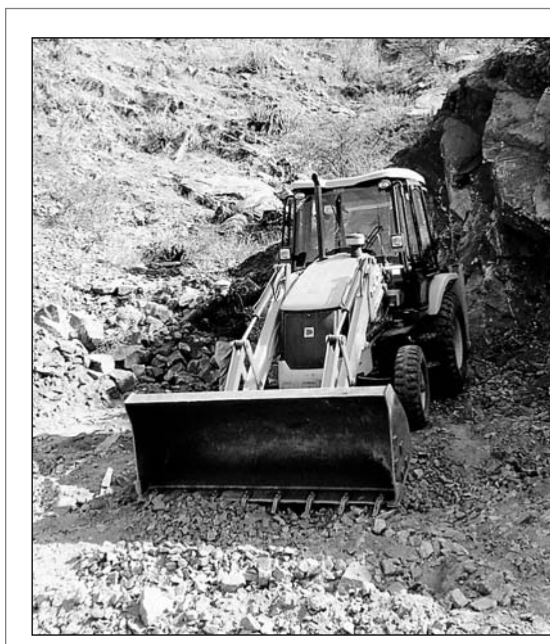

पुष्कर। खरखेड़ी रोड पुरुहता पहाड़ी कानस और तिलोरा में पूरी पहाड़ियों में खुलेआम खनन हो रहा है। खुलेआम रेत और पत्थर की ट्रॉलियां ओर डंपर दौड रहे हैं लेकिन कोई भी अधिकारी इनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। कार्रवाई करना तो दूर उल्टा जनप्रतिनिधि पहाड़ियों को तोड़कर अतिक्रमण करने वालों के हिमायती बन रहे हैं। यही नहीं पुष्कर में चारों तरफ रेगिस्तान है जो कि पुष्कर की पहचान है वह भी लुप्त होता जा रहा है। ग्रामीणों ने इनकी कई बार शिकायत की लेकिन किसी के कोई फर्क नहीं पड़ा।

राहगीरों से मोबाइल व रुपए छीनने वाला बदमाश पकड़ा

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी के मुण्डावर थाना पुलिस ने राह चलते लोगों से मोबाइल व पैसे छीन कर ले जाने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। भिवाड़ी पुलिस ने मिशन 100 के तहत विशेष निगरानी के दौरान गिरफ्त में लिया है। पुलिस थाना मुंडावर ने बताया कि 5 फरवरी की रात्रि को पीपली गांव में राहगीर से मारपीट कर मोबाइल छीनने के आरोपी विक्रम उर्फ लाला पुत्र रामजस जाट निवासी पीपली को गिरफ्तार किया गया।

थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि 7 फरवरी को सुरेश कुमार पुत्र जयसिंह कुम्हार निवासी मैनपुर एवं मोहन यादव पुत्र श्रीराम यादव निवासी श्री कृष्ण नगर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 5 फरवरी की रात्रि 10 बजे एक अनजान व्यक्ति ने हमें रोक लिया। तभी पीछे तीन व्यक्ति निकल कर आए और हमारे ऊपर हमला कर मारपीट करने लग गए। जेब में रखे 12 हजार 450 रुपए नगद व मोबाइल छीन लिया। बाइक को भी क्षतिग्रस्त कर मौके से फरार हो गए।

नौ वर्षीय छात्र से नाबालिग ने किया कुकर्म

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा शहर के पास एक कॉलोनी निवासी एक नौ वर्षीय स्कूली छात्र से एक नाबालिग द्वारा कुकर्म किये जाने के बाद पीड़ित छात्र को मालपुरा अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। थानाधिकारी कैलाश विश्नोई ने बताया कि रविवार को स्कूली छात्र से हुए कुकर्म की मिली सूचना पर पीड़ित छात्र को मालपुरा अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। पीड़ित छात्र के परिजनों ने बस्ती के ही एक नाबालिग के विरूद्ध नामजद मामला दर्ज करवाया गया है। मामला दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश के लिए टीमें गठित कर दबिश की कार्यवाही की जा रही है।

टोंक निवासी क्रिकेटर खलील अहमद को आईपीएल के लिए 5.25 करोड़ रुपये में खरीदा

टोंक, (निसं)। टोंक निवासी क्रिकेटर खलील अहमद को आईपीएल के लिए ऑक्सन में दिल्ली केपीटल्स ने 5 करोड़ 25 लाख में खरीदा है, जिससे जिलेवासियों में खुशी की लहर है। जानकारी के अनुसार भारतीय टीम की

- **जिलेवासियों में खुशी की लहर**

ओर से खेल चुके क्रिकेटर तेज गेंदबाज खलील अहमद जो कि टोंक निवासी खुर्शीद अहमद नकवी के पुत्र हैं, खलील अहमद आगामी आईपीएल के लिए केपीटल्स ने 5 करोड 25 लाख रुपए में खरीदा है।

खलील को खरीदने के लिए

क्रिकेटर खलील अहमद।

दिल्ली व मुम्बई की टीमों के बीच प्रतिस्पर्धा चली, जिसके चलते बेस्ट प्राइज 50 लाख रुपए वाले खलील अहमद को 5 करोड 25 लाख रुपए में बिके । यह समाचार टोंक जिले की जनता को लगते ही जिलेभर में खुशी की लहर दौड गई।

उदयपुर में 86 संक्रमित मिले, एक की मौत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में रविवार को 86 संक्रमित मिले है वहीं कोरोना से एक वृद्धा की मौत हो गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी ने बताया कि जिले में आज प्राप्त 1106 सैम्पल जांच रिपोर्ट में से 1020 नेगेटिव व 86 पॉजीटिव मिले है। शहरी क्षेत्र में मिले 45 संक्रमितों में 04 कोरोना वॉरियर्स, 18 क्लॉज कान्टेक्ट, 21 नए संक्रमित व 02 माइग्रेंट है। ग्रामीण क्षेत्र में मिले 41 संक्रमितों में 02 कोरोना वॉरियर्स, 16 क्लॉज कान्टेक्ट व 23 नए संक्रमित है। संक्रमितों का कुल आंकड़ा 73360 हो गया है। इनमें से 71957 रिकवर हो चुके है। एक्टिव केस की संख्या 629 है इनमें से 578 होम आइसोलेटेड व 51 चिकित्सालय में भर्ती है। आज 86 संक्रमित रिकवर भी हुए है। जिले में कोरोना से आज 48 वर्षीय वृद्धा की मौत हो गई है। वृद्धा निजी चिकित्सालय में भर्ती थी।

इफको ने नैनो तकनीक से तैयार की यूरिया की बॉटल

किसान की ट्रांसपोर्टेशन लागत घटेगी, जमीन को भी होगा कम नुकसान

श्रीगंगानगर, (निसं)। यूरिया का थैला वह भी आधा लीटर की बोतल में। सुनने में भले ही अजीब हो लेकिन आने वाले समय में ऐसा ही होने वाला है। अब बाजार में यूरिया के भारी भरकम थैलों की बजाय आधा लीटर की बोतल में यूरिया खेत तक पहुंच जाएगी। किसान के लिए इसे खेत तक ले जाना आसान होगा। उसकी ट्रांसपोर्टेशन कोस्ट को घटाएगा और साथ ही उसके प्रोडक्शन को भी बढ़ाएगा। कॉपरेटिव सैक्टर की कंपनी इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कॉपरेटिव लिमिटेड यानी इफको ने यह नई शुरुआत की है। कंपनी ने इसे बाजार में लॉन्च कर दिया है। हालांकि अभी यह दानेदार यूरिया का पूरी तरह से विकल्प नहीं है, लेकिन खड़ी फसल के लिए बेहद उपयोगी है। ऐसे में श्रीगंगानगर इलाके के किसान इस ईजी पोर्टेबल फर्टिलाइजर को पसंद करने लगे हैं।

ये नैनो यूरिया बाजार में आने वाली दानेदार यूरिया से 18 गुणा ज्यादा एफेक्टिव है। अब एक किसान दस से बीस बैग के बराबर यूरिया एक थैले में ही ले जा सकेगा। यूरिया का एक थैला जहां करीब 270 रुपए में मिलता था आधा लीटर बोतल की कीमत इससे करीब तीस रुपए कम है। वहीं किसानों को यह आसानी से उपलब्ध भी हो पाएगी, क्योंकि यूरिया बैग्स के मुकाबले इसका ज्यादा संख्या में ट्रांसपोर्टेशन हो सकेगा।

- **इफको नैनो यूरिया के बाद नैनो डीएपी भी बाजार में उतारने की तैयारी में है**

यूरिया के इस नैनो वर्जन को बनाने के बाद प्रयास यह किया गया है कि यूरिया के इस पूरे बैग की क्षमता एक बोतल में ही पूरी हो जाए। इस बोतल को पानी में मिलाकर इसका छिड़काव खेत में किया जाता है। इसे स्प्रे टैंक के माध्यम से छिड़काव किया जाता है।

आने वाले समय में हो सकता है खाद की ये बोतलें फर्टिलाइजर बैग्स को पूरी तरह से ही रिप्लेस कर दें। इफको नैनो यूरिया के बाद नैनो डीएपी भी बाजार में उतारने की तैयारी में है। कंपनी के ऑफिसर बताते हैं कि यह नई तकनीक ईको फ्रैंडली है और जमीन की क्वालिटी को भी कम नुकसान पहुंचाती है। अभी उपयोग हो रही यूरिया से जमीन में सख्ती आ रही है। यह नैनो यूरिया कम सख्ती पैदा करने वाली होगी।

एग्रीकल्चर रिसर्च ऑफिसर डॉ. मिलिंद सिंह बताते हैं कि यूरिया की यह नई तकनीक इन्वायरमेंट फ्रेंडली तो है ही साथ ही जमीन के प्रोडक्शन को भी बढ़ाएगी। किसान के लिए इसे खेत तक ले जाना आसान होगा। इसके साथ इससे जमीन को कोई नुकसान भी नहीं होगा।

राजस्थान में 60 जगहों पर बजरी खनन के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय की मंजूरी

- ऐसे में अब वैध बजरी खनन हो सकेगा, रियल एस्टेट समेत निर्माण क्षेत्र को राहत मिलेगी
- राज्य में 70 मिलियन टन बजरी की मांग है, इन 60 खनन क्षेत्रों में लीज जारी होते ही बजरी की समस्या खत्म होगी, राज्य सरकार को भी 600 करोड़ रुपए का राजस्व मिलेगा : सुबोध अग्रवाले

जयपुर। राज्य में नदियों से वैध बजरी खनन के लिए 60 जगहों पर खनन के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति जारी हो गई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम एवं ऊर्जा डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि अब समूचे प्रदेश में नदियों से बजरी के वैध खनन की राह प्रशस्त हो गई है और बजरी की समस्या का समाधान भी हो गया है। अब राज्य स्तर पर आवश्यक औपचारिकताएं पूरे होने के साथ ही प्रदेश में लगभग सभी क्षेत्रों में बजरी का वैध खनन शुरु हो जाएगा।

एसीएस माइंस डॉ. अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री गहलोत के प्रयासों और दिशा-निर्देशों का ही परिणाम है कि लंबे समय से चली आ रही प्रदेश में वैध बजरी खनन की समस्या और अवैद्य बजरी खनन के कारण आए दिन आ रही समस्याओं के समाधान संभव हो सका है। पिछली 11 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश जारी होने के बाद मुख्यमंत्री श्री गहलोत की पहल पर राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर खनिज पट्टों हेतु जारी मंशा पत्रों की वैधता को 13 माह के स्थान पर 68 माह कर दिया है।

अग्रवाल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद राज्य सरकार द्वारा जालौर में दो व भीलवाड़ा में एक बजरी खनन पट्टे और उसके बाद 4 दिसंबर को देवली, राजसमंद, नाथद्वारा में बजरी मंशा पत्रों की वैधता की राह प्रशस्त होने से तीन लीज कुल छह बजरी खनन की लीज जारी हो सकी है।

उन्होंने बताया कि बजरी से संबंधित सभी प्रकरणों की मोनेटरिंग व समन्वय के लिए अतिरिक्त निदेशक बीएस सोढ़ा को प्रभारी बनाया हुआ है।

खान एवं गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया ने केन्द्र सरकार से पर्यावरणीय अनुमति मिलने पर खुशी जताते हुए बताया कि आमलोगों को आसानी से और वैध तरीके से बजरी प्राप्त हो सके इसके लिए विभाग द्वारा किये गए ठोस प्रयासों का ही परिणाम है कि सुप्रीम कोर्ट से निर्देश प्राप्त हुए और अब निर्देशों के क्रम में राज्य सरकार के प्रयासों से 60 खनन क्षेत्रों की पर्यावरण अनुमति जारी हो गई है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि पर्यावरणीय स्वीकृति जारी होने के बाद राज्य स्तर पर आवश्यक औपचारिकताएं पूरे होते ही खनन लीज जारी की जाएगी जिससे बजरी का वैध खनन आरंभ हो जाएगा।

उनहोंने बताया कि एक मोटे अनुमान के अनुसार राज्य में 70 मिलियन टन बजरी की मांग है। इन 60 खनन क्षेत्रों के लिए लीज जारी होते ही प्रदेश में बजरी की समस्या का पूरी तरह से समाधान हो जाएगा। इससे एक और जहां रियल एस्टेट सहित निर्माण क्षेत्र की बजरी की समस्या का समाधान होगा वहीं एक मोटे अनुमान के अनुसार राज्य सरकार को भी 600 करोड़ रुपए का राजस्व मिलेगा। अग्रवाल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार एक्सपर्ट एप्रेजल कमेटी द्वारा रिकमंडडेड सभी 60 प्रकरणों में अनुमति जारी हो गई है। निदेशक माइंस केबी पण्डया ने बताया कि विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही की तैयारियां शुरु कर दी गई है।

युवक से ठगी

जयपुर। सांगानेर थाने में एक युवक ने उसके साथ हुई ठगी का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया सीताराम कॉलोनी निवासी प्रिंस खंडेलवाल के पास 12 फरबरी की दोपहर जालसाज ने रोशन बनकर कॉल किया। पीड़ित को झांसे में लेकर निवेश पर मोटा मुनाफे का लालच दिया और 40 हजार रूपए ऑनलाइन फोन पे के माध्यम से हड़प कर गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इधर सांगानेर थाने में तिरुपति बालाजी नगर निवासी मोती लाल बैरवा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि 11 फरबरी की शाम करीब 6 बजे सांगानेर पुलिया के पास स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम बूथ पर रूपए निकालने गया था। वहां पहले से मौजूद युवक ने मदद के बहाने कार्ड बदल किया और 620 हजार रूपए निकाल लिए।

घर के बाहर मिला भ्रूण

जयपुर। रामनगरिया इलाके में शुक्रवार एक मकान के बाहर भ्रूण मिलने से सनसनी फ़ैल गई। पुलिस ने बताया विनायक एन्क्लेव कॉलोनी स्थित एक मकान के बाहर करीब 5 माह का भ्रूण लावारिस हालत में पड़ा मिला, जोकि मृत था। पुलिस जांच में जुटी है।

4 साल की मनुश्री का नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल

- कराटे खेल में ब्लैक बेल्ट प्राप्त कर देश का नाम रोशन किया

जयपुर, (कासं)। महज 4 वर्ष की नन्ही उम्र में जयपुर की मनुश्री ने अपना नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज कराया है।

राजस्थान पीएचईडी स्पोर्ट्स क्लब की सबसे कम उम्र की कराटे खिलाड़ी मनुश्री सक्सेना 2 वर्ष की उम्र से ही कोच महेश कायथ से प्रशिक्षण ले रही थी। अब नन्ही मनुश्री पूरे भारत व महिलाओं के लिए एक मिसाल बन गई है, क्योंकि 4 वर्ष की की छोटी सी उम्र में मनुश्री ने कराटे में ब्लैक बेल्ट (डिग्री) प्राप्त की है। कराटे फैडरेशन ने उसे ग्रांड मास्टर की उपाधि प्राप्त दी। अपने हुनर और खेल के प्रति जज्बे से मनुश्री ने अपना नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया।

साथ ही संभवत: एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में यह नाम शामिल होगा। रविवार को पीएचईडी स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष संजय सिंह शेखावत, संरक्षक जे. पी शर्मा, जापान कराटे एसोशिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष मेहता, संघ मंत्री ओमप्रकाश हरजानी, सहिय क्लब सदस्य कौशल किशोर शर्मा, अजित सिंह शेखावत, मनीष मीना सहित कोच महेश कायथ ने मनुश्री का स्वागत कर उसे सम्मानित किया। इस नन्ही बेटी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने की इच्छा भी जताई है। संजय सिंह शेखावत ने बताया कि मनुश्री की बड़ी बहन तनुश्री भी एक कराटे खिलाड़ी है।

मनुश्री की इस सफलता में बड़ी बहन का भी अपूरणीय योगदान रहा है। तनुश्री की इच्छा है की मेरी बहन ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर देश का मान बढ़ाए मनुश्री की मां पूजा और पिता रोहित सक्सेना को अपनी बेटियों पर नाज है।

वर्ष 2022 का का पहला सोम प्रदोष व्रत आज

- सर्वार्थसिद्धि, आयुष्मान और रवि योग में होगी महादेव की आराधना
- भगवान भोलेनाथ के मंदिरों में सजेगी विशेष मनमोहक झांकियां, दान पुण्य का चलेगा दौर
- दो घंटे 35 मिनट तक की रहेगी शाम को प्रदोष काल की अवधि

जयपुर, (कासं)। नववर्ष-2022 का पहला सोम प्रदोष व्रत भोलेनाथ के प्रिय वार सोमवार को रहेगा। ज्योतिषविदों के मुताबिक व्रत पर सर्वार्थसिद्धि योग, आयुष्मान योग, रवि योग, अमृतकाल का शुभ संयोग दिन की महत्ता को खास बनाएगा। ताडकेश्वर महादेव मंदिर, झारखंड महादेव मंदिर, चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर, जंगलेश्वर महादेव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में सुबह से बम-बम बोले की गूंज सुनाई देने के साथ ही विभिन्न अनुष्ठान किए जाएंगे।

साथ ही भगवान भोलेनाथ के समक्ष विशेष मनमोहक झांकियां सजाई जाएगी। श्रीराम ज्योतिष अनुसंधान के निदेशक ज्योतिषाचार्य पं.घनश्याम शर्मा ने बताया कि शाम को दिन और रात के मिलन को प्रदोष काल कहा जाता है।

इस समय भगवान शिव की पूजा करने से अमोघ फल की प्राप्ति के साथ ही आरोग्य और दीर्घ आयु की प्राप्ति होती है। प्रदोष व्रत को शास्त्रों में सर्वसुख प्रदान करने वाला बताया गया है।

ज्योतिषाचार्य पं.महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि दोपहर 11.53 बजे से शुरू हो रहे पुष्यनक्षत्र में प्रदोष की पूजा होगी।

कष्टिनवारण के लिए भोलेनाथ का अभिषेक, पूजा अर्चना के साथ रुद्रपाठ करना विशेष फलदायी माना गया है। चंद्रमा और शनि से जुड़े दोषों के निवारण और पारिवारिक सुख समृद्धि के लिए प्रदोष व्रत रखा जाता है। इसके साथ ही दिनभर वाहन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, ज्वैलरी, प्रापर्टी खरीद के लिए दिनभर शुभ संयोग रहेगा।

अगला प्रदोष व्रत 28 फरवरी सोमवार को, जुलाई में 11 और 25 को, नवंबर में 21 और पांच दिसंबर को सोमप्रदोष व्रत रहेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रदोष काल समय- शाम 6.14 बजे से रात को 8.49 बजे तक रहेगा, यानि दो घंटे 35 मिनट तक प्रदोष काल रहेगा।

जेकेके में एक्सरसाइज के माध्यम से थिएटर के गुर सीख रहे प्रतिभागी

जयपुर, (कासं)। जवाहर कला केंद्र और सार्थक थियेटर ठ्रुप के संयुक्त तत्वावधान में जेकेके में 45 दिवसीय गहन नाट्यय कार्यशाला में प्रतिभागियों को विभिन्न एक्सरसाइज के माध्यम से थिएटर व एक्टिंग के गुर सिखाए जा रहे हैं। वरिष्ठ नाट्यय निर्देशक साबिर खान के निर्देशन में यह 45 दिवसीय कार्यशाला 24 जनवरी से शुरू हुई थी। कार्यशाला रोजाना जेकेके के रीहर्सल हॉल में दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक आयोजित की जा रही है। इस दौरान प्रतिभागियों से बॉडी व वायस एक्सरसाइज, विभिन्न एक्टिंग टास्क और थिएटर को समझने के लिए थियोरी सेशन भी आयोजित किए जा रहे हैं।

वरिष्ठ नाट्यय निर्देशक साबिर खान ने बताया कि इस कार्यशाला का उदेश्य थिएटर व सिनेमा में रूचि रखने वाले स्टूडेट्स को मंच प्रदान करना है। जिससे कि उन्हें सही दिशा मिल सके। कार्यशाला में हम बच्चों से ऐसे टास्क करा रहे हैं जिससे कि उनकी बौद्धिक और सोचने व विचार करने की क्षमता का विकास होगा। उन्होंने आगे बताया कि कार्यशाला में प्रतिभागियों से रोजाना विभिन्न एक्सरसाइज व टास्क कराए जा रहे हैं। इस दौरान उनसे अपने आसपास के कैरेक्टर को समझने और उनकी डीटेलिंग की एक्टिविटी कराई जा रही है। जिसके बाद प्रतिभागियों को स्टोरी डवलपमेंट, स्क्रिप्टिंग, स्क्रिप्ट ऱीडिंग, डिस्कशन, सीन वर्क, कास्टिंग के बारे में सिखाया जाएगा। अंत में प्रतिभागियों द्वारा तैयार नाटक का मंचन भी किया जाएगा। कार्यशाला में अब तक के अपने अनुभव को साझा करते हुए प्रतिभागी नवीन यादव ने कहा कि बहुत ही कम ही समय में मैंने अपने व्यक्तित्व में पॉजिटिव बदलाव को महसूस किया है। मैंने अब चीजों को अलग नजरिए से देखना शुरू किया है। कार्यशाला के दौरान हमें फिट रहने के लिए रोजाना फिजिकल एक्सरसाइज भी कराई जा रही है। साथ ही हमें वॉयस मॉड्यूलेशन, शब्दों के सही उच्चारण, साहित्य सहित एक्टिंग व थिएटर की तकनीकों के बारे में भी समझने का अवसर मिल रहा है।

वित्तीय साक्षरता सप्ताह आज से

जयपुर। जयपुर सहित देश भर में भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से 14 से 18 फरवरी तक वित्तीय साक्षरता सप्ताह -2022 का आयोजन किया जा रहा है। यहां इसका उद्घाटन जयपुर आरबीआई महाप्रबंधक व कार्यालय प्रभारी लमनेईचोंग चोंगलोई करेंगी। महाप्रबंधक डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि इस सप्ताह का विषय डिजिटल चुनो-सुरक्षा के साथ रखा गया है।

यह वित्तीय शिक्षा के लिए राष्ट्रीय रणनीति 2020-2025 के उद्देश्यों में से एक है। उन्होंने बताया कि यह एक अखिल भारतीय जागरूकता कार्यक्रम है।

इसका उद्देश्य डिजिटल लेनदेन की सुविधा और इसकी तथा ग्राहकों की सुरक्षा जैसे विषयों को लेकर जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह का आयोजन देशभर के बैंकों और जनता के बीच संपर्क बनाने और वित्तीय साक्षरता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए किया जाता है।

पप्पू कुरैशी का भाई बनकर मारपीट करने वाला गिरफ्तार

जयपुर । भट्टा बस्ती पुलिस ने पप्पू कुरैशी का भाई बनकर मारपीट करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अन्य जानकारियां जुटा रही हैं। डीसीपी (उत्तर) परिस देशमुख ने बताया कि 23 जनवरी को भट्टा बस्ती थाने में परिवादी ने थाने में मामला दर्ज करवाया था। जिसमें बताया कि 22 जनवरी को 10.30 बजे वह संजय नगर ब्लॉक पर स्थित एक दुकान पर बैठा था।

उसी समय पप्पू कुरैशी का भाई जाहिद आया और उके साथ तीन चार व्यक्ति और थे जिन्हें देखकर वह पहचान सकता हैं। आते ही जाहिद ने उससे कहा कि तूने मेरे भतीजे को क्या बोला। इस पर उसने कहा कि वह भतीजे को जानता तक नहीं और ना ही उसकी किसी से बात हुई हैं।

इतना सुनते ही पप्पू कुरैशी और अन्य लोगों ने उसके साथ मारपीट शुरु कर दी। इसी दौरान उसने पत्नी शबनम को फोन करके बुला लिया।

पत्नी के आने के बाद भी वह लगातार मारपीट करता रहा और हर बार यही कह रहा था कि मै पप्पू कुरैशी का भाई हूं तुझे छोडूंगा नहीं। इस बीच पत्नी ने उसे छुडाने की कोशिश के दौरान उसके बाएं आंख और अंगूठे पर भी चोट आई हैं।

इस संबंध में भट्टा बस्ती थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद एडिशनल डीसीपी धर्मेन्द्र सागर, एसीपी महेन्द्र गुप्ता और थानाधिकारी हुकुम सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। टीम ने कार्रवाई करते हुए पूछताछ करने के बाद आरोपी संजय नगर बट्टा बस्ती निवासी जाहिद (37) पुत्र चुन्नू पटोवी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस इस मामले में अन्य लोगों के बारे में भी पूछताछ कर रही हैं।

माघ महोत्सव में होगा देश की 21 भाषाओं का संगम

जयपुर, (कासं)। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राजस्थान संस्कृत अकादमी की ओर से 16 फरवरी से 16 मार्च तक होने जा रहा अखिल भारतीय महाकवि माघ महोत्सव कई मायनों में खास होगा। अकादमी के प्रशासक और संभागीय आयुक्त दिनेश कुमार यादव ने बताया कि माघ महोत्सव इस बार संस्कृत की राग माघ आधारित खास रचना 'माघ राग' के अलावा इस महोत्सव में पहली बार भारत की 21 भाषाओं का संगम भी देखने को मिलेगा।

दिनेश कुमार यादव ने बताया कि संस्कृत अकादमी का एक मात्र उद्देश्य हर स्तर पर संस्कृत का प्रतिनिधित्व उजागर करना है और इसी उद्देश्य से संस्कृत को व्यापक बनाने के लिए तरह तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। इसका आयोजन कला, साहित्य और संस्कृति विभाग के सहयोग से हाई ब्रिड मोड पर किया जा रहा है।

इसकी गतिविधियां जयपुर सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों से ऑनलाइन और ऑफ लाइन दोनों माध्यमों से की जाएंगी।दिनेश कुमार यादव ने बताया कि इस एक महीने के वृहद् आयोजनों की शुरूआत 16 फरवरी को दो विशेषे कार्यक्रमों से होगी।

इसके तहत सुबह 11 बजे ग्रेमी अवार्ड विनर पदम्भूषण पं. विश्व मोहन भट्ट द्वारा इस महोत्सव के लिए विशेश तौर पर तैयार की गई रचना 'माघ राग' का ऑनलाइन आल इंडिया प्रिमियर आयोजित किया जायेगा "माघ राग" मूल रूप से एक संस्कृत गीत है जिसे जाने-माने संस्कृत शास्त्री पद्मश्री अभिराज राजेन्द्र मिश्र ने लिखा है और बॉलीवुड सिंगर रवीन्द्र उपाध्याय ने स्वर दिए हैं।

इसी दिन सुबह 11.00 बजे से ही गणगौरी बाजार स्थित वीरेश्वर भवन में संस्कृत शिक्षा निदेशालय के सहयोग से संस्कृत के शिक्षकों और छात्रों की भाषण व वाद विवाद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

महोत्सव के लिए अकादमी द्वारा भारत की 21 भाषाओं के साहित्यकारों से रामायण-महाभारत आधारित रचनाएं लिखवाई जा रही हैं। 27 फरवरी को इनमें से दस भाषाओं की चयनित रचनाओं का जवाहर कला

केन्द्र में कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

बाद में इन सभी 21 भाषाओं की रचनाओं को अकादमी की ओर से प्रकाशित करवाया जाएगा। कवि सम्मेलन कोलकाता के प्रभा खेतान फाउन्डेशन के सहयोग से 27 फरवरी को जवाहर कला केन्द्र में आयोजित किया जाए। समारोह के दौरान इसके अलावा संस्कृत अन्त्याक्षरी, राष्ट्रीय वेद सम्मेलन, संस्कृत फिल्म महोत्सव और विभिन्न विषयों पर वार्ताओं और कार्यशालाओं के आयोजन भी किए जाएंगे।

रीट के दोनों पेपर लीक हुए, सरकार लेवल-1 की जांच से बच रही : किरोड़ीलाल

जयपुर। राज्य सभा सांसद डॉ किरोड़ीलाल मीना ने कहा कि रीट परीक्षा के लेवल 1 व 2 दोनों ही पेपर लीक हुए है। सरकार बदनामी के कारण लेवल वन का पेपर रद्द करने और जाँच करवाने से बच रही है।

सीबीआई जांच कराई गई तो दोनों पेपर का महाघोटाला उजागर होगा, इसमें राज्य सरकार के मुखिया भी सम्मिलित है।

यह एक महाभारत का युद्ध हो रहा है, जिसमें शांति धारीवाल जो कह रहे कि सीबीआई जांच नहीं होगी। धारीवाल ने कौरव की तरफ से बयान दिया है, लेकिन इस महाभारत में पांडवों की जीत सुनिश्चित है। पांडवों की ओर से राजेंद्र राठौड़ अपना पक्ष रख रहे है, जिसमें प्रतिपक्ष नेता गुलाबचंद कटारिया श्रीकृष्ण के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे है। मीना ने कहा कि सत्य की जरूर जीत होगी, सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं हो सकता।

रीट पेपर लीक की सीबीआई जांच के लिए वि.सभा घेराव करेगी भाजपा

15 फरवरी को भाजपा विधायक सदन के भीतर गहलोत सरकार पर जुबानी हमला बोलेंगे, जबकि पार्टी कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर युवाओं की आवाज उठाएंगे

- विधानसभा घेराव आंदोलन को राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनियां, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ करेंगे संबोधित

जयपुर, (कासं)। रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर सड़क से लेकर विधानसभा तक भाजपा लगातार आक्रामक होती जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के आव्हान व नेतृत्व में 15 फरवरी को भाजपा का विधानसभा घेराव का कार्यक्रम है, इसमें पार्टी के सभी मोर्चे सक्रिय रूप से भागीदारी लेंगे। माना जा रहा है कि 15 फरवरी को विधानसभा घेराव आंदोलन में 50 हजार कार्यकर्ताओं के पहुंचने का अनुमान है। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह 14 फरवरी शाम को जयपुर पहुंचेंगे और 15 फरवरी को भाजपा के विधानसभा घेराव आंदोलन को संबोधित करेंगे। इस आंदोलन को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड भी संबोधित करेंगे। गत 1 फरवरी को इसी मामले को लेकर युवा मोर्चा ने जयपुर के सिविल लाइन फाटक पर भारी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में प्रदर्शन किया था, जिसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने भी कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा प्रदेश मुख्यालय से लेकर सिविल लाइन फाटक तक कूच किया था, इस दौरान पुलिस लाठीचार्ज में काफी कार्यकर्ताओं को गंभीर चोटें भी आई थी और पूनिया ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ गिरफ्तारी भी दी थी। इसके बाद 9 फरवरी को नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित भाजपा के 67 विधायकों ने जयपुर में महात्मा गांधी सर्किल पर धरना दिया था, जिसमें रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग और बूंदी में कांठोस कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां पर किये हमले का विरोध किया था और इसी दिन भाजपा विधायक दल की बैठक में भी इन्हीं दो प्रमुख मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई और आगामी रणनीति तय की गई।

मोबाइल चोर गिरफ्तार

जयपुर, (कासं)। शास्त्रीनगर थाना पुलिस ने घर में घुसकर मोबाइल चुराने के आरोपित राहुल वर्मा उर्फ़ बुगली (21) निवासी पर्वतीय कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। पुलिस उसके साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है।

45 युवक-युवतियों ने हमसफर बनने के लिए दिया परिचय

जयपुर। फिजुलखर्ची और कुरीतियों को दूर करने के उद्देश्य से विभिन्न समाजों में बदलाव देखने को मिल रहा है। कम खर्च में विवाह समारोह के लिए परिचय सम्मेलन का सिलसिला लगातार जारी है। इस कडी में जयपुर माली सैनी समाज विकास आदर्श संस्था की अगुवाई में रविवार को सर्व समाज का सातवां युवक-युवती परिचय सम्मेलन स्वेज फार्म रोड सोडाला स्थित एक मैरिज गार्डन में हुआ। अध्यक्ष रमेश सैनी ने बताया कि सर्वसमाज के 45 युवक-युवतियों ने जीवन साथी के लिए परिचय दिया। जयपुर, अजमेर, ब्यावार, जोधपुर, दिल्ली सहित अन्य जगहों से अलग-अलग पेशों के युवा अपने परिजनों के साथ पहुंचें। अतिथि रामफूल सैनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जयपुर इकाई की ओर से रविवार को पद्मावती कॉलोनी स्थित एक स्कूल में पहली बैठक हुई। अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने बताया कि जयपुर में वैश्य समाज का प्रथम युवक-युवती परिचय सम्मेलन होगा। दिनेश पोद्दार को कार्यक्रम का मुख्य संयोजक नियुक्त किया। सेल्फी विद तिरंगा के चयनित प्रतिभागियों का सम्मान के साथ ही बृजलालपुरा विकास समिति से अध्यक्ष छाजू लाल सिंघल को सम्मानित किया।

पार्षद विनोद शर्मा ने समस्याएं सुनी

जयपुर, (कासं)। पार्षद आपके द्वार कार्यक्रम के तहत ग्रेटर नगर निगम के वार्ड नं 115 के पार्षद विनोद शर्मा ने प्रताप नगर स्थित सेक्टर-17 में आमजन से मिलकर उनकी फरियादें सुनी। समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण करने की आश्वासन दिया।

128 यूनिट रक्त एकत्रित, रक्तदान का बताया महत्व

जयपुर। भारत विकास परिषद, वैशाली नगर शाखा की ओर से रक्तदान शिविर सिरसी रोड स्थित एक सोसायटी में हुआ। अध्यक्ष सुदेश रूप राय ने बताया कि शिविर में 48 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। उपाध्यक्ष गोवर्धन शर्मा, सचिव मनोज कुमार मित्तल, संयुक्त सचिव नीलू भाटी, महिला प्रमुख प्रिया भारती, कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार भट्ट,सोसाइटी अध्यक्ष इंजीनियर अजय कुमार शर्मा, सचिव राजन अजीतसरिया मौजूद रहे। इधर मेडिकल सर्विस सोसायटी की ओर से रक्तदान व नशा मुक्ति अभियान के तहत रविवार को भट्टा बस्ती में मदरसा व स्कूल हिदायतुल इस्लाम में शिविर लगाया।

ट्रक ड्राइवर की विधवा पत्नी मनीष जाट को न्याय दिलाने के लिए राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल लगातार तीसरे दिन रविवार को भी मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा के आवास पर धरने पर बैठे रहे। हालांकि देर शाम राज्य सरकार ने उनकी मांग मानते हुए पीड़िता को 10 लाख रु. और सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया। इसके बाद मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा ने सांसद किरोड़ीलाल से वार्ता करके उनका धरना खत्म करवाया।

फोटो-राष्ट्रदूत

महोत्सव की पूर्व संध्या पर लेजर शो होगा, युवाओं को सैन्य भर्ती की जानकारी मिलेगी

जालोर, (कासं)। जालोर महोत्सव 2022 की पूर्व संध्या पर 14 फरवरी रात्रि को लेजर शो एवं पेपर लालटेन शो मुख्य आकर्शक का केन्द्र रहेगे। वही 16 फरवरी को केरियर गाइडेन्स में युवाओं को सैन्य भर्ती की जानकारी से रूबरू होने का मौका मिलेगा। महोत्सव में सीनियर सिटीजन के लिए म्यूजिकल चेयर व मनोरजंन प्रतियोगिता होगी। बॉडी बिल्डिंग में शरीर शैष्ठ का युवा प्रदर्शन करेंगे।

जालोर महोत्सव के समन्वयक हितेश प्रजापत ने बताया कि जालोर महोत्सव की तैयारियां को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वही युवाओं की टीम जालोर महोत्सव को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारियों में जुटे हुए हैं। जालोर महोत्सव के आगाज की पूर्व संध्या पर 14 फरवरी को शाम 7.30 बजे जालोर की गौरवषाली गाथा से जिलेवासियों को रूबरू होने का मौका साउण्ड लेजर शो के माध्यम से होगा। लेजर शो समन्वयक दिव्य प्रकाश गोयल ने बताया कि लेजर शो के माध्यम से लोगो को जालोर के इतिहास से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। तथा जालोर में पहली बार लेजर शो का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव की पूर्व संध्या पर दुर्ग की प्राचीर पर जालोर के इतिहास का सांउड एवं लेजर शो के माध्यम से टेलीकास्ट किया जायेगा।

लेजर शो के बाद दीप ज्योति का कार्यकम आयोजित होगा। दीप ज्योति के समन्वयक योगेश दवे, अब्दुल रजाक, ओमप्रकाश सुन्देशा व कालूराम ने बताया कि रात्रि करीब 8 बजे दीप ज्योति कार्यकम के तहत जालोर शहर के विभिन्न जगह से सैकडो की संख्या में पेपर लालटेन आसमान में रोशनी से जगमग नजर आयेगे। पेपर लालटेन शो व लेजर शो से महोत्सव का भव्य आगाज किया जायेगा।

जालोर महोत्सव में इस बार युवाओं में देश सेवा का जज्बा को देखते हुए केरियर गाइडेन्स में सैन्य भर्ती के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जायेगी। समन्वयक डॉ. पवन ओझा ने बताया कि राजकीय महिला महाविद्यालय जालोर में 16 फरवरी को प्रात:11 बजे केरियर गाइर्डन्स का आयोजन किया जायेगा। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष भूतपूर्व सैनिक विकास समिति के कर्नल डॉ. देवआंनद गुर्जर द्वारा भारतीय सेना में केरियर के अवसर पर नेशनल केरियर काउंसलर डॉ. चन्द्रशेखर श्रीमाली द्वारा मेडिकल, सरकारी एवं गैर सरकारी सेवा में केरियर के अवसर पर तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जालोर डॉ. अनुकृति उज्जैनिया द्वारा प्रशासनिक सेवा में केरियर के बारे में अपना उदबोधन देगे। डॉ. ओझा ने विद्यार्थियों से आव्हान किया है कि उक्त कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति अधिकाधिक देकर लाभान्वित हो सकते है। उक्त कार्यक्रम में गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में जालोर के एनसीसी कैडैटस द्वारा सलामी में भाग लेने वाले कैडेटस भी भाग लेगें। भारतीय सेवा में केरियर के साथ एनडीए, सीडीए तथा वायु सेना का एक्स वाई समूह के साथ - साथ एसएसबी इंटरहव्यू में काउसलिंग करेगे। वही पॉवर पॉइट प्रेजेंटेशन के माध्यम से युवाओं का मार्गदर्शन करेगें।

जालोर महोत्सव में सांस्कृतिक गतिविधियों के तहत नृत्य, गायन सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजक मांगीलाल गुर्जर ने बताया कि चित्रकला प्रतियोगिता के आवेदन 14 फरवरी तक शाम 4 बजे तक राउप्रावि हनुमानशाला जालोर में कर सकते हैं। चित्रकला सीनियर में मेरा गांव मेरा अभिमान व चित्रकला जूनियर राष्ट्रीय प्रतीक पर चित्रकारी करनी होगी।

जालोर महोत्सव में इस बार सीनियर सिटीजन की भी भागीदारी दर्ज करवाने के लिए म्यूजिकल चेयर का आयोजन स्टेडियम प्रांगण में किया जायेगा। वही मनोरजंन प्रतियोगिता समन्वयक ममता जीनगरर व उर्मिला दर्जी ने बताया कि मनोरंजन प्रतियोगिता के तहत स्टेडियम ग्राउण्ड में निम्बू, चम्मच, मटकी, बोरी दौड़ का आयोजन किया जायेगा। उक्त प्रतियोगिता लोगों का भरपूर मनोरंजन करेगी। वही बॉडी बिल्डिंग समन्वयक मोहजीद मलिक व नासिर हुसैन ने बताया कि नटराज मंच पर जालोर महोत्सव के तहत बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन 16 फरवरी को षाम 5.30 बजे किया जायेगा। जिसमें जिले के बॉडी बिल्डर भाग लेगे। वही राजकीय महिला महाविद्यालय जालोर में 15 फरवरी को शाम 6 बजे फ्लर्ट हास्य नाटक का आयोजन किया जायेगा। समन्वयक प्रमोद वैष्णव ने बताया कि फ्लर्ट नाटक श्रोताओं को हॅसने पर मजबूर कर देगे।

सायला में जालोर महोत्सव कार्यक्रम की विवरणिका का जालोर के पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल ने विमोचन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

'जलसो सायला रो' विवरणिका का विमोचन

सायला, (निसं)। पंचायत समिति सभागार में रविवार को जालोर महोत्सव 2022 के तहत दो दिवसीय जलसों सायला रों की कार्यक्रम विवरणिका का उपखण्ड समन्वयक सवाईसिंह चंपावत, पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल एवं थानाधिकारी ध्रुवप्रसाद की उपस्थिति में विमोचन किया गया।

इस मौके पर उपखण्ड समन्वयक चंपावत ने बताया कि महोत्सव के तहत जलसों सायला रों में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भोंपू द्वारा भी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। कार्यक्रम विवरणिका देकर महोत्सव में भाग लेने का न्यौता दिया जा रहा है।

महोत्सव के तहत मुख्य कार्यक्रम स्थल खेलमैदान में पांडाल, बैठक व्यवस्था, मंच आदि तैयारियां जोरो पर चल रही है। इस दौरान ओटवाला सरपंच दीपाराम मेघवाल, जिला परिषद सदस्य रामाराम चौधरी, पंचायत समिति सदस्य जबरसिंह चौहान, सूरजपालसिंह सुराणा, महेन्द्रपालसिंह पोशाणा, मांगीलाल गर्ग, भंवरलाल लोहार समेत अधिकारी, कर्मचारी सहित गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

सार-समाचार

संत प्रतापपुरी ने दौरा किया

पोकरण, (निसं)। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य व पोकरण भाजपा के वरिष्ठ नेता महंत प्रतापपुरी ने रविवार को पोकरण विधानसभा के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रो का दौरा कर जनसंपर्क कर जनसमस्याएं सुनी। इस संबध में जानकारी देते हुए स्वरूपसिंह ताडाना ने बताया कि रविवार को भाजपा नेता ने क्षेत्र के नाचना, शेरू खां की ढाणी, खारिया, भारेवाला, बोढाना, व शक्तिनगर गांवो का दौरा किया। इस दौरान ग्रामीणों ने भाजपा नेता को पानी, बिजली, सडक, शिक्षा, रोजगार व स्वास्थ्य संबधी जन समस्याएं बताई। जिस पर महंत ने विभागीय अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर निराकरण करने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया की ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन के लिए बनी सड़के कई वर्षो से क्षतिग्रस्त हैं। जिसके कारण वाहनचालकों के साथ लोगो को परेशानियों का सामना करना पड़ता हैं। महंत ने जल्द ही विभागीय अधिकारियों से मिल समस्या से निजात दिलाने का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों ने बताया कि आज भी कई जगहों पर पीने के पानी की विकट समस्या बनी हुई हैं। पानी के अभाव में ग्रामीणों के साथ पशुधन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता हैं। जिला परिषद सदस्य उत्तमसिंह बोडाना, एसटी मोर्चा के जिलाध्यक्ष महेंद्रराम भील, एससी मोर्चा के जिला महामंत्री रमेश कुमार गर्ग, अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष मौलवी हबीबुल्लाह चिन्नू, मंडल अध्यक्ष तुलछसिंह देवडा, सरपंच संघ के अध्यक्ष एवं बोडाना सरपंच नरेंद्रसिंह तोमर, मदासर सरपंच मालाराम बिश्नोई, टावरीवाला सरपंच सांगसिंह, वरिष्ठ कार्यकर्ता स्वरूपसिंह, कुंदनसिंह, गंगासिंह राजपुरोहित, शिवदानराम मेघवाल सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

गुड़ामालानी में संघर्ष समिति की बैठक हुई

गुड़ामालानी, (निसं)। जिला बनाओ संघर्ष समिति गुड़ामालानी की बैठक रविवार को अहिंसा सर्किल स्थित कार्यालय में बैठक हुई।बैठक अध्यक्षता रिडमल राम चौधरी के सानिध्य में आयोजित हुई। बैठक का संचालन संयोजक मंडल के गुड़ामालानी जिला बनाओ संघर्ष समिति के चंद्र प्रकाश शर्मा ने किया। बैठक में पिछले दिनों एक जनसभा में वन एवं पर्यावरण मंत्री हेमाराम चौधरी द्वारा गुड़ामालानी जिला बनाओ की मांग दिए बयान पर चर्चा की गई। संयोजक मंडल के चंद्र प्रकाश शर्मा ने बताया कि गुड़ामालानी जिला बनाने की मांग को स्थानीय विधायक व मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार तक पहुंचाने में संघर्ष समिति सफल रही है । संघर्ष समिति सदस्यों ने अलग-अलग अभियानों के द्वारा विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए हैं। जिसकी संयोजक मंडल में सराहना की। बैठक में प्रस्ताव लिया गया की हर महीने के अंतिम रविवार को गुडा मालानी जिला बनाओ संघर्ष समिति की बैठक कार्यालय में आयोजित होगी। बैठक में प्रस्ताव लिया गया कि धनाऊ सेडवा चितलवाना सांचोर में गुडा मालानी जिला बनाओ का ज्ञापन स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी द्वारा सरकार को भेजा जाएगा।अन्य राजनीतिक दलों को साथ में लेकर समर्थन का ज्ञापन दिलाकर जिला बनाने की मुहिम को तेज किया जायेगी। बैठक में उपस्थित संयोजक मंडल के सभी सदस्यों को अध्यक्ष ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पदाधिकारियों का सम्मान किया

गुड़ामालानी, (निसं)। गुड़ामालानी मुख्यालय पर स्थित तुलसी फार्म हाउस पर कांग्रेस सेवादल विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेस सेवादल विधानसभा अध्यक्ष खेराजराम परिहार के नेतृत्व में कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष डालाराम प्रजापत,प्रदेश सचिव कांतिलाल सोनी,सेवादल प्रभारी नरसींगाराम का साफा व मालाओं से स्वागत किया गया। स्वागत समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेवादल जिला अध्यक्ष खेराजराम परिहार ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा को समझ कर कार्य करें । संगठन को मजबूत बनाने के साथ पद का मोह छोडकर कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने की बात कही । दलजगत प्रभारी गजेंद्र बोहरा ने कहा कि कोई भी पार्टी का कार्यकर्ता हो पर कभी कार्यकर्ता के आगे या पीछे पूर्व नहीं लगता है । कार्यक्रम में सेवादल पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कार्य म को संबोधित कर अपने अपने विचार प्रकट किए । कार्यक्रम में दलजगत प्रभारी गजेन्द्र बोहरा, उपाध्यक्ष सोनाराम, सुरताराम मेघवाल, सवाईसिंह सांखला, खेताराम, ब्लॉक अध्यक्ष कानाराम, जिला परिषद सदस्य देरामाराम मेघवाल, खारिया खुर्द सरपंच राऊराम मेघवाल, सरपंच प्रतिनिधि केशरराम,नानगाराम सियाग सहित कई जने उपस्थित रहे।

आपदा प्रबन्धन का प्रशिक्षण दिया

जालोर, (कासं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय, जालोर की ओर से रविवार को स्काउट गाइड को आपदा प्रबन्धन और गैस चूल्हे के रख रखाव सावधानियो की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सी.ओ.स्काउट एम.आर.वर्मा ने कहा की आपदा, दूर्घटना, महामारी, भूकम्प आदि अक्षमात कई भी कभी भी आ सकती है। जिसके आने की पूर्व जानकारी नही होती है। और इसमे जानमाल की बहुत हानि होती है। भूकम्प या बाढ़ आने पर स्काउट गाइड व रोवर रेंजर को सदैव तैयार रहना चाहिए और जहॉ गायल व्यक्तियों को मदद की आवश्यकता है। उनकी हर सम्भव अस्पताल पहुचाने में मद्द करनी चाहिए। उन्होने इस अवसर पर उपस्थित स्काउट गाइड को रोवर रेंजर को डेमो के माध्यम से किस प्रकार बाढ़ में डूबते हुए व्यक्ति को बाहर निकालना, भूकम्प आने पर घायल व्यक्ति को किस प्रकार सहायता पहुंचाना डेमो के माध्यम से विस्तार से अवगत कराया। और अंम्बिका प्रसाद तिवारी एन.सी.सी.अधिकारी ने गैस चूल्हे के रख रखाव व दूर्घटना होने से पूर्व रसोई मे किन बातों की जानकारी रखी जाये इनकी उपस्थित स्काउट गाइड को जानकारी दी। इस अवसर पर बखेड़ूराम, छगनलाल खटीक, राजसिंह, श्रवण कुमार, भीखाराम परमार आदि आपदा प्रबन्धन सहयोग प्रदान किया।

आसाणा में भजन संध्या हुई

सायला, (निसं)। सायला के निकटवर्ती आसाणा में शनिवार को राणी भटियाणी माजीसा एवं सवाईसिंह महाराज की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत शाम को विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ। भजन संध्या का आगाज राजस्थान के सुप्रसिद्ध गायक छोटूसिंह रावणा ने गणपति वंदना एवं गुरू वंदना के साथ किया। इसके बाद आसाणा नगरी में माजीसा रो देवरों..., पधारों म्हारी माजीसा..., माजीसा घूमर खेलों तो राणो ढ़ोल बजावें..., राम सियाराम जय जय राम..., लंका में डंका बजवा दिया बजरंग बाला ने... सरीखे भजनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को देर रात तक झूमने पर मजबूर कर दिया। वही भजन संध्या में नृत्य कलाकारों ने देवी देवताओं के स्वांग रचकर भाव नृत्य की प्रस्तुति दी। इस दौरान बडी संख्या मे श्रोता मौजूद थे। महोत्सव के तहत 14 फरवरी सोमवार को षुभ मुहूर्त में माता राणी भटियाणी माजीसा एवं सवाईसिंह महाराज की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिश्ठा होगी। इस मौके फले चुन्दडी का आयोजन होंगा। जिसमें क्षेत्रभर से श्रद्धालु भाग लेंगे।

कैवायमाता मंदिर में ध्वजारोहण आज

सायला, (निसं)। सायला उपखंड क्षेत्र के गढ बावतरा स्थित दहिया राजवंश की कुल देवी कैवायमाता मन्दिर का ग्यारवां वार्षिकोत्सव सोमवार को धूम-धाम से मनाया जाएगा। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष उकसिंह दहिया ने बताया कि वार्षिक समारोह को लेकर सोमवार को शुभ मुहूर्त में लाभार्थी परिवार द्वारा साधु-संतों के सान्निध्य में मंदिर शिखर पर ध्वजारोहण किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर साधु संतों के सान्निध्य में धर्मसभा एवं महाप्रसादी का भी आयोजन होगा। महोत्सव मे राजस्थान , गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु सहित कई राज्यों से प्रवासी समाजबंधु भाग लेंगे।

रोटरी क्लब की प्रेरणा से लिया देहदान का संकल्प

जालोर में रोटरी क्लब की प्रेरणा से पुष्पा जैन ने देहदान का संकल्प पत्र भरा। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। रोटरी क्लब जालोर की प्रेरणा से देहदान प्रोजेक्ट के अंतर्गत रविवार को जालोर निवासी पुष्पा पत्नी जुगराज जैन ने मृत्यु उपरांत अपनी देह दान करने का संकल्प लेते हुए देहदान संबंधित स्वैच्छिक संकल्प पत्र रोटरी क्लब के पदाधिकारियों को सुपुर्द किया।

रोटरी क्लब जालोर के पूर्व अध्यक्ष एवं देहदान प्रोजेक्ट के चेयरमैन महेंद्र मुणोत ने बताया कि रोटरी क्लब को जालोर निवासी पुष्पा पत्नी जुगराज जैन ने रविवार को स्वेच्छा से शपथ पत्र प्रस्तुत कर अपने परिवार के सदस्यो की सहमति से मृत्यु उपरांत देहदान की सहमति दी एवं इस संबंध में संबंधित समस्त कार्रवाई व फॉर्म इत्यादि तैयार किए गए। संकल्प पत्र सुपुर्दगी के समय पुष्पा जैन कि पुत्रिया कोमल पारख एवं वीणा मेहता भी मौजूद थीं। मुणोत ने बताया कि शहर के लोगो मे देहदान को लेकर जागरूकता बढ रही हैं एवं कई और भी नागरिक देहदान हेतु अपनी सहमति देने के लिए आगे आ रहे है।

क्लब के अध्यक्ष तरुण सिद्धावत ने बताया कि रोटरी क्लब को ये छठा देहदान का संकल्प पत्र प्राप्त हुआ है, इससे पूर्व भी पांच नागरिकों ने रोटरी क्लब की प्रेरणा से देहदान का संकल्प लिया था। जिसमें से दो की मृत्यु हो जाने से उनके देह को मेडीकल कॉलेज एवं एम्स जोधपुर को भिजवाई गई थी। देहदान में संकल्प कर्ता की मृत्यु उपरांत उनकी देह को मेडिकल स्टूडेंट्स के परीक्षण एवं शरीर विज्ञान की जानकारी के लिए उपलब्ध करवाया जाता है जिससे चिकित्सा संबंधी कई जानकारियां स्टूडेंट्स को प्राप्त होती है।

इस अवसर पर संकल्पकर्ता पुष्पा जैन के परिवार सदस्यों के साथ रोटरी अध्यक्ष तरुण सिद्धावत, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र मुणोत, डॉ. पवन ओझा,नीरा माथुर,मुकेश जोधवानी उपस्थित थे।

वीरांगनाओं ने यज्ञ में दी आहुतियां

जालोर, (कासं)। आर्य वीर दल एवं आर्य समाज जालोर के संयुक्त तत्वावधान में पुरानी सब्जी मंडी स्थित आर्य वीर दल मुख्यालय प्रांगण में रविवार को महान समाज सुधारक एवं राष्ट्र भक्त महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती के अवसर पर यज्ञ का आयोजन कर आर्य वीरों एवं वीरांगनाओं ने आहुतियां देकर महर्षि के पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

■ वीरांगनाओं ने आहुतियां देकर महर्षि के पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया

आर्य वीर दल के अध्यक्ष कृष्ण कुमार ने बताया कि इस अवसर पर महर्षि दयानंद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए आर्य वीर दल के महामंत्री शिवदत्त आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद एक क्रांतिदर्शी महापुरुष थे। उन्होंने देश में फैली हुई कुरीतियों, अंधविश्वास एवं पाखंड पर जमकर प्रहार किया। इस अवसर पर आर्य समाज लालपोल के प्रधान विनोद आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद ने नारी जाति की शिक्षा और पुरुषों के समान अधिकारों की बात बडी मजबूती से की थी। इस अवसर पर आयोजित यज्ञ के यजमान रामरत गोदारा, कूपाराम आर्य, वर्षा आर्या, राधिका थे। इस अवसर पर संचालक प्रशांत सिंह, वरिष्ठ आर्यवीर वरुण शर्मा, सागर आर्य, विजय पाल सिंह सहित आर्यवीर एवं वीरांगनाएं उपस्थित थे।

थलवाड़ में सरस्वती माता मंदिर की प्रतिष्ठा

थलवाड़ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भामाशाहों के सहयोग से नवनिर्मित सरस्वती माता मंदिर की संत आनन्ददास महाराज के सानिध्य में प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

सायला, (निसं)। सायला के पास थलवाड़ स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भामाशाहों के सहयोग से नवनिर्मित सरस्वती माता मंदिर की रविवार को सन्त आनन्ददास महाराज के सानिध्य में हर्षोल्लास के साथ प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई।

प्रधानाचार्य जितेन्द्रसिंह ने बताया कि भामाशाह पूर्व सरपंच जबरसिंह भाटी, नारायणसिंह चंपावत व मोडाराम सुथार के सहयोग से विद्या की देवी माँ सरस्वती के मंदिर का निर्माण करवाया गया था। जिसकी रविवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ धार्मिक अनुष्ठान कर मन्दिर में मूर्ति की स्थापना की गई। मूर्ति स्थापना के बाद पूजा अर्चना कर प्रसादी का भोग लगाया गया। विद्यालय परिवार ने भामाशाहों का आभार जताते हुए कहा कि मंदिर बनने से प्रतिदिन विद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा सर्वप्रथम मन्दिर में दर्शन कर अध्ययन शुरू करेंगे।

इस अवसर पर दलपतसिंह भाटी, दिलावरसिंह चंपावत, करणसिंह मेंड़तिया, शैतानसिंह चम्पावत, रामसिंह, उत्तमसिंह, लालाराम माली, जोराराम, मोहनलाल, प्रकाश सुथार, बगाराम, भीमसिंह, नेपालसिंह, ताराराम सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

पोकरण में शोभायात्रा से मरू महोत्सव का आगाज

पोकरण, (निसं)। देश-दुनिया में विख्यात राजस्थान का मरु महोत्सव रविवार को परमाणु नगरी पोकरण में चौथी बार उल्लास से शुरू हुआ। चार दिवसीय महोत्सव का आगाज शोभायात्रा के साथ हुआ।

मरु संस्कृति से रूबरू कराया

शोभायात्रा में लोक लहरियों की गूंज, विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं और उत्सवी रंग-रसों ने खासा समा बाँधते हुए मरु संस्कृति की विलक्षणताओं और परंपराओं से रूबरू कराया। ऐतिहासिक शहर के बीचोबीच आए हुए सालमसागर तालाब की पाल पर आयोजित कार्यक्रम में अल्पसंख्यक मामलात, वक्फ, उपनिवेशन, कृषि सिंचित क्षेत्र विकास एवं जल उपयोगिता कैबिनेट मंत्री शाले मोहम्मद ने झण्डी दिखाकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर जिला कलैक्टर डॉ. प्रतिभा सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक भंवरसिंह नाथावत, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. टी. शुभमंगला, अतिरिक्त जिला कलक्टर हरि सिंह मीना, बीएसएफ के डिप्टी कमाण्डेंट अविनाश कुमार, वीरेन्द्रसिंह, सीओ रणवीरसिंह, पूर्व जिलाप्रमुख अंजना मेघवाल, पूर्व प्रधान अमरदीन फकीर, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अमीन खां, उपखण्ड अधिकारी राजेश विश्नोई, पुलिस उपाधीक्षक मोटाराम, तहसीलदार बंटी राजपूत, विकास अधिकारी गौतम चौधरी, नगरपालिका की अधिशासी अधिकारी तनुजा सोलंकी सहित क्षेत्र के जन प्रतिनिधि, अधिकारी, कलाकार, बीएसएफ के जवान, सैलानी और बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित थे जो बाद में शोभायात्रा में शामिल रहे।

लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया

पोकरण में मरु महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर समूचे शहर में उत्साह पसरा रहा। रास्ते भर व्यवसायियों, विभिन्न समाजों एवं संस्थाओं, परिवारों और शहरवासियों ने रंगोली-माण्डणे बनाकर तथा पुष्प वृष्टि कर शोभायात्रा का स्वागत किया और अपनी खुशी का इजहार किया।

शोभायात्रा में बैण्ड की सुमधुर धुनों और लोकवाद्यों की स्वर लहरियों पर कलाकारों के कई समूहों ने आकर्षक लोक नृत्य प्रस्तुत कर खूब मनोरंजन करते हुए मरु भूमि और राजस्थान की लोक लहरियों का परिचय दिया। शोभायात्रा में सजे-धजे ऊँटों पर सवार बीएसएफ के जांबाजों, बीएसएफ महिला टूकडी, बालिकाओं एवं महिलाओं की मंगल कलश यात्रा और विभिन्न झांकियां आकर्षण का केन्द्र रहीं। रास्ते भर नाच-गान करते हुए कलाकारों के समूहों ने कालबेलिया, अश्व, कच्छी घोडी, गैर आदि लोक नृत्यों की धूम मचा दी। शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पहुंचकर समारोह में परिवर्तित हो गई।

वही भरत बोहरा मिस्टर पोकरण एवं निकिता राठौड़ मिस पोकरण चयनित हुई। मिस मूमल नतीजे का प्रतियोगिता में भाग लेने वाली लडकियों ने विरोध दर्ज करवाया। पोकरण एकदिवसीय मरु महोत्सव का समारोहपूर्वक भव्य आगाज रविवार को पोकरण से हुआ। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मैदान में आयोजित शुभारंभ समारोह में अल्पसंख्यक मामलात, वक्फ, उप निवेशन, कृषि सिंचित क्षेत्र विकास एवं जल उपयोगिता मंत्री सालेह मोहम्मद एवं आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत ने गणेश प्रतिमा पर माल्यार्पण व इसके सम्मुख दीप प्रज्वलन के बाद गोल्डन बैलून आसमान में उडा कर चार दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर जिला कलैक्टर डॉ. प्रतिभा सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक भंवरसिंह नाथावत, पद्मश्री अनवर खां, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. टी. शुभमंगला, अतिरिक्त जिला कलक्टर हरि सिंह मीना, बीएसएफ के डिप्टी कमाण्डेंट अविनाश कुमार, वीरेन्द्रसिंह, सीओ रणवीरसिंह, पूर्व जिलाप्रमुख अंजना मेघवाल, पूर्व प्रधान अमरदीन फकीर, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अमीन खां, उपखण्ड अधिकारी राजेश विश्नोई, पुलिस उपाधीक्षक मोटाराम, तहसीलदार बंटी राजपूत, विकास अधिकारी गौतम चौधरी, नगरपालिका की अधिशासी अधिकारी तनुजा सोलंकी सहित क्षेत्र के जन प्रतिनिधि, अधिकारी, कलाकार, बीएसएफ के जवान, सैलानी और काफी संख्या में शहरवासी उपस्थित थे।

मरु महोत्सव के पहले दिन मुख्य समारोह में कलाकारों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति प्रिया भाटी, पूजा दाधीच, गायत्री बडगूजर, मोनिका सोलंकी, सीमांक्षी खींची, सुनिता भाटिया एवं उर्मिला ने दी। बालक बालिकाओं द्वारा दी गई लेजियम प्रस्तुति को भी सराहा गया। साथ ही रेवन्ताराम पोकरण एवं उनकी टीम द्वारा भवाई नृत्य की प्रस्तुतियों को भी दर्शकों ने सराहा।

मरु महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम में हुई मिस पोकरण प्रतियोगिता को लेकर बालिकाओं में गजब का उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता में बीस बालिकाओं ने हिस्सा लिया।

पारंपरिक वेश भूषा में सजी-धजी बालिकाओं का सभी ने करतल ध्वनि से उत्साहवर्धन किया। मिस पोकरण प्रतियोगिता में निकिता राठौड़ मिस पोकरण चुनी गई। मिस पोकरण को लेकर बालिकाओं का उत्साह देखते हुए बनता था। वही मिस मूमल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली लडकियों द्वारा आए परिणामों को लेकर गहरा रोष जताते हुए तहसीलदार बंटी राजपूत से अपना विरोध दर्ज कराया एवं आक्रोशित भाषा में सजी-धजी बालों द्वारा मिस मूमल प्रतियोगिता में भेदभाव पूर्ण नतीजों को लेकर विरोध दर्ज कराया इन प्रतिभागियों में कन्या कॉलेज पोकरण की खुशी गौड ने भी दिव्यांग होते हुए भी प्रतियोगिता में भाग लिया। मिस्टर पोकरण में पांच प्रतिस्पर्धियों ने हिस्सा लिया।

भरत बोहरा मिस्टर पोकरण बने

भरत बोहरा ने मिस्टर पोकरण का खिताब पाया। मिस्टर बोहरा दूसरी बार खिताब जीता है पूर्व में 2020 पोकरण मरू महोत्सव में भाग लिया था। वही मुख्य कार्यक्रम की सभी प्रतियोगिताएं आकर्षक का केन्द्र रही। जिसमें साफा बांधों प्रतियोगिता में दुर्जनसिंह भाटी विजेता रहे। रस्सा कस्सी में टीम कपिल विजेता रही। मल्लश्री का खिताब विक्रम जोशी ने अपने नाम किया तथा मटका दौड में रूकडी ने जीत हासिल की। इसके साथ ही मेहंदी प्रतियोगिता में तनीषा खत्री, मांडना में जसोदा एवं रंगोली प्रतियोगिता में खुशबू विजेता रही। कार्यक्रम का समापन पद्मअनवर खां एवं लंगा पार्टी के कलाकारों की सामूहिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ।

बी.एस.एफ. ने हथियारों की प्रदर्शनी लगाई

मुख्य समारोह परिसर में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें बीएसएफ द्वारा भी स्टॉल लगाई गई थी। बीएसएफ की हथियारों की प्रदर्शनी को देखने के लिए युवाओं में काफी उत्साह देखा गया। बीएसएफ द्वारा देश की प्रथम पंक्ति पर सुरक्षा में लगे सैनिकों को मुहैया करवाए जाने वाले हथियारों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। जिसमें 7.66 एमएम गन, असाल्ट रायफल, एक्स-95, इन्सास, एलएमजी, 84 एमएम जीआरएल, बैरिस्टा, सहित अन्य हथियारों का प्रदर्शन किया गया था। इसके साथ ही पोकरण विकास संस्थान , उरमूल, ऊँटनी के दूध, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, हस्तशिल्प आदि से संबंधित प्रदर्शनियां लगीं। वही कलेक्टर डॉ प्रतिभा सिंह ने मरू मेला उत्सव कार्यक्रम के दौरान आमजन के साथ सेल्फी लेकर दिल जीत लिया

इस मौके पर वरिष्ठ नेता वैभव गहलोत, कैबिनेट मंत्री साले मोहम्मद, जिला कलेक्टर डॉ प्रतिभा सिंह, बीएसएफ कमांडेंट रणवीर सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक एवं पूर्व जिला प्रमुख अंजना मेघवाल पूर्व जिला प्रमुख अब्दुला फकीर सहित जिले के आला अधिकारी मंचासीन रहे।

स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने दूरी बना रोष जताया

कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका पालिका अध्यक्ष सहित क्षेत्र के भाजपा वार्ड पार्षदों ने भाग नहीं लिया। शहर के विकास को लेकर पूर्व में भी कई बार कैबिनेट मंत्री एवं उच्च अधिकारियों तक अपना रोष जता रहे हैं। वहीं पंचायत समिति सांकड़ा के प्रधान सहित सभी सदस्यों ने कार्यक्रम से दूरी बना कर अपना रोष जताया।

रीट धांधली के विरोध में घेराव कल

जालोर, (कासं)। रीट धांधली को लेकर राजस्थान भाजपा की ओर से 15 फरवरी को विधानसभा का घेराव करने की घोषणा की गई। भाजपा द्वारा लगातार प्रदेशभर में प्रदर्शन एवं ज्ञापन देकर रीट धांधली की सीबीआई जांच एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया पर हमला करने वालों की गिरफ्तारी की मांग की जा रहीं हैं, जिसे सरकार द्वारा नहीं मानने पर 15 फरवरी को जयपुर में विधानसभा का घेराव कर विशाल प्रदर्शन किया जाएगा।जालोर भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली ने जानकारी दी।

■ 15 फरवरी को विधानसभा का घेराव की घोषणा

यह अब भी उन लोगों की तरह चुनौतीपूर्ण नहीं है जो सेना में है। जो लोग महीनों और वर्षों तक शून्य से कम तापमान में रहते है। दुनियां में ऐसी ओर भी कई चीजें में जो इससे अधिक चुनौतीपूर्ण है। बायोबबल भी चुनौतीपूर्ण है और मैं इसका सम्मान कर रहा हूं। लेकिन मैं सकारात्मक पक्ष देखता हूं। – संदेश झिंगन

भारतीय फुटबॉलर, बायोबबल पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

टी. नटराजन

भारतीय क्रिकेट टीम के बांए हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन ने कहा है कि वह कोविड 19 और चोट के कारण 2021 का अधिकांश सीजन छोड़ने के बाद अब पुराने नटराजन के रूप में वापसी करना चाहते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2021 के पहले चरण के दौरान नटराजन के घुटने में चोट लग गई थी। इस कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। जब वह यूएई में खेले गए दूसरे चरण से पहले वह कोविड19 से संक्रमित हो गए थे। उन्होंने क्रिकइन्फो से कहा, मैंने पहले आईपीएल और फिर भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए लोग मुझसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट तास का पला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के ध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

औरेंज आर्मी में शामिल होने को लेकर उत्साहित हूं : पूरन

नयी दिल्ली 13 फरवरी। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन ने रविवार को कहा कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद

(एसआरएच) के साथ अपनी यात्रा शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। पूरन को आईपीएल मेगा नीलामी के पहले दिन शनिवार को एसआरएच ने 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा। पूरन ने ट्विटर पर एसआरएच द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा,मैं एसआरएच परिवार का हिस्सा बनकर खुश हूं, मैं एक और मौके का इंतजार नहीं कर सकता। आप लोगों के साथ पहले सीजन की तलाश में हूं। मैं ऑरेंज आर्मी में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं।

डॉ. कृष्णा पूनिया आज संभालेंगी कार्यभार

जयपुर, 13 फरवरी। विधायक-सार्दुलपुर, पदमश्री, ओलम्पियन, अर्जुन अवार्डी व एशियाई खेलों व राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता पूर्व

एथलीट डा. कृष्णा पूनिया सोमवार को अपरान्ह 12 बजे सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् के मुख्यालय पर अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् का कार्यभार संभालेगी। डॉ. कृष्णा पूनिया के कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर प्रदेश सरकार के कई मंत्रीगण, विधायकगण, ख्यातिनाम खिलाडी, राज्य खेल संघों के पदाधिकारीगण, राज्य क्रीड़ा परिषद् के अधिकारीगण, प्रशिक्षकगण, कर्मचारीगण आदि भी मौजूद रहेंगे। वहीं सतबीर चौधरी मनोनीत उपाध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् भी सोमवार को ही अपरान्ह 12 बजे अपना कार्यभार संभालेंगे।

पंजाब व लखनऊ ने ऑलराउंडर्स पर खर्ची मोटी रकम

बेंगलुरु, 13 फरवरी। 2014 सीजन के उप विजेता पंजाब किंग्स और नई आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2022 आईपीएल की मेगा नीलामी में ऑलराउंडर्स पर मोटी रकम खर्च की है। नीलामी के पहले दिन शनिवार को क्रमशः नौ करोड़ और 3.80 करोड़ रुपए में भारतीय अनकैप्ड ऑलराउंडर्स शाहरुख खान और हरप्रीत बराड़ को खरीदने के बाद पंजाब किंग्स ने रविवार को तीन ऑलराउंडर्स को खरीदा, जिन पर उसने 19.50 करोड़ रुपए खर्च किए। पंजाब ने आज सबसे महंगी 11.50 करोड़ रुपए की बोली लगा कर इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन को टीम में शामिल किया। इसके बाद फ्रेंचाइजी ने वेस्ट इंडीज के ऑलराउंडर ओडिन स्मिथ, जो वर्तमान में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं, को छह करोड़ रुपए में खरीदा। पंजाब किंग्स ने अंत में आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2022 में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाले राज बावा को दो करोड़ रुपए खर्च कर टीम में जोड़ा। पंजाब किंग्स अब तक 18 खिलाड़ी खरीद चुका है, जिसमें सात ऑलराउंडर हैं। अब उसके पास पर्स में 5.90 करोड़ रुपए की राशि शेष बची है। वहीं लखनऊ की बात करें तो उसने भी नीलामी के पहले दिन अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर सहित तीन ऑलराउंडर्स को खरीदा। दो अन्य ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या और दीपक हुड्डा हैं।

बड़े नामों में फ्रेंचाइजियों ने नहीं दिखाई रुचि

बेंगलुरु, 13 फरवरी। आईपीएल 2022 नीलामी के दूसरे दिन रविवार को फ्रेंचाइजियों ने बड़े नामों में कोई रुचि नहीं दिखाई। नीलामी के दूसरे दिन लंच तक 43 खिलाड़ियों के लिए बोली लगी, जिसमें से 20 खिलाड़ियों को खरीददार मिले, जबकि 23 खिलाड़ी नहीं बिके। इन 43 खिलाड़ियों में 10 बड़े विदेशी खिलाड़ियों पर भी आईपीएल फ्रेंचाइजियों ने बोली नहीं लगाई। इनमें इंग्लैंड की सफेद गेंद टीम के कप्तान इयोन मोर्गन (1.50 करोड़) और ऑस्ट्रेलिया की सफेद गेंद टीम के कप्तान आरोन फिंच (1.50 करोड़) सहित डेविड मलान (1.50 करोड़), नाथन कोल्टर नाइल (करोड़), क्रिस जॉर्डन (करोड़), तबरेज शम्सी (एक करोड़), लुंगी एनगिदी (50 लाख), जिमी नीशम (करोड़), ईश सोढ़ी (50 लाख) और शेल्डन कॉट्रेल शामिल रहे। सात विदेशी खिलाड़ियों पर बोली लगी और सबसे महंगे इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन बिके, जिन्हें पंजाब किंग्स ने 11.50 करोड़ रुएए में खरीदा। पंजाब किंग्स ने छह करोड़ रुपए खर्च कर एक और ऑलराउंडर ओडिन स्मिथ को भी खरीदा। इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद ने युवा दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज मार्को यान्सन को 4.20 करोड़ और उनके हमवतन एडन मारक्रम 2.60 करोड़ में खरीदा। वहीं गुजरात टाइट्स ने कैरेबियाई ऑलराउंडर डोमिनिक ड्रेक्स को 1.10 करोड़, लखनऊ सुपर जायंट्स ने श्रीलंकाई तेज गेंदबाजी दुष्मंता चमीरा को दो करोड़ रुपए और चेन्नई सुपर किंग्स ने श्रीलंकाई स्पिनर महेश दीक्षाना को 70 लाख रुपए में टीम में शामिल किया। इस बीच आठ अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों में से केवल रिंकू सिंह और मनन वोहरा को ही खरीददार मिले।

पंजाब ने लिविंगस्टोन को साढ़े 11 करोड़ और मुंबई ने जोफ्रा आर्चर को 8 करोड़ में खरीदा

बेंगलुरु, 13 फरवरी। टी20 क्रिकेट के नए सुपरस्टार लियाम लिविंगस्टन के लिए कोलकाता और पंजाब के बीच टकराव के बाद गुजरात टाइटंस भी उतरे मैदान में। लेकिन साढ़े 11 करोड़ी बनकर लिविंगस्टन खेलेंगे पंजाब के लिए जबकि मुम्बई इंडियंस ने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को चोटिल होने के बावजूद आठ करोड़ रुपये की कीमत पर खरीद लिया। मुंबई ने सिंगापुर में जन्मे अनकैप्ड ऑलराउंडर टिम डेविड को सवा आठ करोड़ रुपये में खरीदा। भारत के ख़िलाफ़ लंबे छक्के लगाने की क्षमता से सभी को प्रभावित करने वाले वेस्ट इंडीज के ओडीन स्मिथ के लिए टीमों के बीच छिड़ी जंग। आख़िरकार छह करोड़ की मोटी रक़म देकर पंजाब ने ख़रीदा ओडीन को जबकि जिमी नीशम और क्रिस जॉर्डन रहे अनसोल्ड, वहीं डॉमिनिक ड्रेक्स, विजय शंकर और जयंत यादव को गुजरात ने अपना ऑलराउंडर बनाया।

बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ मार्को यानसन को मुंबई से छीनकर 4 करोड़ 20 लाख में अपना खिलाड़ी बनाया सनराइज़र्स हैदराबाद ने। भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे को ख़रीदने में सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स ने दिलचस्पी दिखाई और वह 4 करोड़ में चेन्नई के लिए खेलेंगे। 90 लाख में कृष्णप्पा गौतम गए लखनऊ की नगरी और इसी के साथ यह सेट हुआ समाप्त।

दूसरे दिन की नीलामी शुरू हुई कैप्ड बल्लेबाज़ों के सेट के साथ। पहला नाम हैं साउथ अफ्रीका के एडन मारक्रम का। 2 करोड़ 60 लाख में हैदराबाद के लिए खेलेंगे। अनुभवी अजिंक्य रहाणे एक करोड़ में बने कोलकाता के नाइट राइडर। डेविड मलान, इयोन मॉर्गन, सौरभ तिवारी, आरोन फ़िंच और मार्नस लाबुशेन को नहीं मिला कोई ख़रीदार। आरसीबी और पंजाब के लिए खेलने के बाद अब दिल्ली के लिए खेलेंगे मंदीप सिंह। चेतेश्वर पुजारा भी रहे अनसोल्ड।

अगले सेट में होंगे तेज़ गेंदबाज़, चेतन सकारिया और जयदेव उनादकट पर लग सकती हैं बड़ी बोलियां। इशांत शर्मा, नाथन कोल्टर-नाइल और लुंगि एनगिडी रहे अनसोल्ड। वहीं सवा 5 करोड़ में ख़लील अहमद की बाज़ी मारी दिल्ली के कैपिटल्स ने। बेंगलुरु को पछाड़कर 2 करोड़ में दुष्मंत चमीरा को ख़रीदा लखनऊ ने। चेतन सकारिया में रुचि दिखाई बेंगलुरु और राजस्थान ने लेकिन अंत में 4 करोड़ 20 लाख में उन्हें ख़रीदने में क़ामयाब हुई राजधानी दिल्ली। पंजाब के संदीप शर्मा गए पंजाब किंग्स के पास। मुंबई को मात देकर नवदीप सैनी को 2.60 करोड़ में अपना रॉयल बनाया राजस्थान ने। जयदेव उनादकट लगभग अनसोल्ड होने वाले थे लेकिन अंतिम समय पर मुंबई ने बोली की शुरुआत की और चेन्नई को पीछे छोड़कर जयदेव को 1 करोड़ 30 लाख में ख़रीदा मुंबई ने।

अनकैप्ड बल्लेबाज़ों में विराट सिंह और हिम्मत सिंह को ख़रीदने की हिम्मत किसी ने नहीं की। हिमांशु राणा, सचिन बेबी और अंडर-19 विश्व विजेता हरनूर सिंह को भी नहीं मिला ख़रीदार। 55 लाख देकर रिंकू सिंह को केकेआर ने अपनी टीम में वापस बुलाया। वहीं बेस प्राइस में लखनऊ गए मनन वोहरा। आंध्र प्रदेश के रिकी भुई के अनसोल्ड जाने के बाद यह सेट हुआ ख़त्म ।

तेज़ गेंदबाज़ों के बाद अब नंबर आ गया स्पिनरों का। मयंक मार्कंडेय लौटेंगे मुंबई के खेमे में। तबरेज़ शम्सी और क़ैस अहमद को नहीं मिला कोई ख़रीदार। शाहबाज़ नदीम गए बेस प्राइस में लखनऊ के पास। श्रीलंका के मिस्ट्री स्पिनर महीश थीक्षना को अपने दल में जोड़ा चेन्नई ने। कर्ण शर्मा, पीयूष चावला और ईश सोढ़ी में किसी ने नहीं दिखाई दिलचस्पी।

दिन के अंत में, त्वरित नीलामी में कुल 106 खिलाड़ियों पर बोली लगाई गयी। त्वरित नीलामी का पहला नाम है फ़िन ऐलेन। राजस्थान के रॉयल्स को हराकर बेंगलुरु ने अपना रॉयल चैलेंजर बनाया उन्हें 80 लाख में। उनके कीवी साथी डेवन कॉन्वे करोड़पति बनकर चले चेन्नई। ऐलेक्स हेल्स, रासी वान दर दुसें, चरिथ असलंका और एविन लुइस अनसोल्ड रहे। टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक बनाने वाले केवल दूसरे भारतीय करुण नायर को भी नहीं मिला ख़रीदार। वेस्टइंडीज़ के बल्लेबाज़ रोवमन पॉवेल पर चेन्नई और दिल्ली ने जताया भरोसा। 2 करोड़ 60 लाख में दिल्ली ने उन्हें अपना फ़िनिशर बनाया।

पुरानी चोट के कारण आफरीदी ने 7 साल के पीएसएल करियर को अलविदा कहने का मन बनाया

इस्लामाबाद, 13 फरवरी। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहीद आफरीदी ने लगातार पीठ की समस्या से परेशान होने के कारण अपने सात साल के पाकिस्तान सुपर लीग करियर को अलविदा कहने का फैसला किया है। अनुभवी क्रिकेटर ने यह भी कहा है कि उन्होंने इस सीजन के पीएसएल में केवल प्रशंसकों के लिए हिस्सा लेने का फैसला किया था।

आफरीदी ने रविवार को एक सोशल मीडिया संदेश में कहा, मैं अच्छी तरह से पीएसएल छोड़ने की कोशिश कर रहा था। मेरी पीठ के निचले हिस्से में चोट 15-16 साल से है और मैं काफी लंबे समय से इसके साथ ही खेल रहा हूं, लेकिन अब यह इतनी गंभीर हो गई है कि इसने मेरे कमर, मेरे घुटने को प्रभावित किया है और इससे मेरे पैर की उंगलियों में बहुत ज्यादा दर्द होता है। मैंने इससे निपटने की कोशिश की, लेकिन अब दर्द बर्दाश्त नहीं कर सकता। आखिरकार, जब आपका स्वास्थ्य अच्छा होता है, तो दुनिया आपके साथ होती है। मैं वापस जाऊंगा और अपनी फिटनेस पर काम करूंगा। क्रिकेट आ रहा है, इसलिए मैं जल्द ही अपने प्रशंसकों के सामने फिर से लौटूंगा।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन को मुंबई इंडियंस ने 30 लाख में खरीदा

बेंगलुरु, 13 फरवरी। क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन को मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2022 की नीलामी में रविवार को 30 लाख रुपये में खरीदा। मुंबई ने अर्जुन के लिए पहले बोली लगाई । गुजरात टाइटंस ने भी हाथ आजमाया लेकिन अर्जुन के लिए आखिरी बोली मुंबई की ही रही।

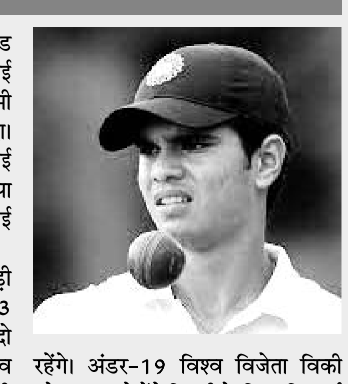

अर्जुन आईपीएल 2022 की बड़ी नीलामी के अंतिम चरण में बिके। कुल 23 खिलाड़ी इस सूची का हिस्सा थे। पहले दो खिलाड़ी मोहम्मद नबी और उमेश यादव जाएंगे कोलकाता। राजस्थान ने ख़रीदा रैसी वान डेर डुसेन, डैरिल मिचेल, नाथन कॉल्टर-नाइल और जिमी नीशम को। इशांत शर्मा, ऐंड्रयू टाय, रोहन कदम, समीर रिज़वी और क़ैस अहमद अनसोल्ड ही रहेंगे। अंडर-19 विश्व विजेता विकी ओस्तवाल खेलेंगे दिल्ली के लिए। सिद्धार्थ कौल और लवनिथ सिसोदिया खेलेंगे बेंगलुरु के लिए। बी साई सुदर्शन बने गुजरात के नए टाइटन। फ़ेबियन ऐलेन के साथ आर्यन जुयाल गए मुंबई।

चोट के कारण स्मिथ श्रीलंका के खिलाफ शेष टी-20 मैचों से बाहर

कैनबेरा, 13 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा टी-20 सीरीज के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार स्मिथ को अगले कुछ दिनों के लिए निम्न स्तर के प्रोटोकॉल के अधीन रखा जाएगा और 6-7 दिनों में उनके पूरी तरह से ठीक होने की उम्मीद है। यहां रविवार को दूसरे रोमांचक टी-20 मैच में आखिरी ओवर में छक्का बचाने की कोशिश में स्मिथ के सिर में चोट लग गई थी। उन्होंने मिडविकेट में बाउंड्री के पास महेश थीक्षाना के शॉट को रोकने के लिए फुल लेंथ डाइव लगाई थी, लेकिन गेंद उनके सिर पर लग गई और उनका पैर भी रस्सियों को छू गया। परिणामस्वरूप अंतिम गेंद पर छक्का और एक चौका लगा, जिससे मैच सुपर ओवर में चला गया, हालांकि इसमें ऑस्ट्रेलिया को जीत हासिल हुई।

पंजाब किंग्स जल्द घोषित करेगी कप्तानी का नाम

बेंग्लुर, 13 फरवरी। पंजाब किंग्स के सह-मालिक नेस वाडिया ने रविवार को कहा कि आईपीएल फ्रेंचाइजी अपने कप्तान को लेकर बिल्कुल स्पष्ट है और जल्द ही उसके नाम की घोषणा की जाएगी। आईपीएल नीलामी 2022 से इतर उन्होंने कहा, ''हमारे पास कप्तान है, जिसकी घोषणा हम जल्द ही करेंगे। हम स्पष्ट हैं कि हमारा कप्तान कौन है।'' उन्होंने कहा कि फ्रैंचाइजी लियाम लिविंगस्टोन और ओडिन स्मिथ को पाकर बहुत खुश है और टीम के संतुलन को लेकर भी संतुष्ट है। वह टी20 क्रिकेट में निचले क्रम में बड़े हिटर हैं। विंडीज खिलाड़ी ने अपनी प्रतिष्ठा दिखाते हुए भारत के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में 157.89 की स्ट्राइक रेट से दो मैचों में 60 रन बनाए और ऋषभ पंत और विराट कोहली सहित तीन विकेट हासिल किए। वह 2021 कैरेबियन प्रीमियर लीग में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी थे। वहीं इंग्लैंड के ऑलराउंडर लिविंगस्टोन को खरीदने के लिए पंजाब, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। अंत में पंजाब उन्हें खरीदने सफल रही।

बांग्लादेश के बल्लेबाजी कोच सिडन्स कोरोना संक्रमित

ढाका, 13 फरवरी। बंगलादेश के नए बल्लेबाजी कोच जेमी सिडन्स को कोविड-19 वायरस से संक्रमित पाये गये हैं।बंगलादेश स्थानीय मीडिया ने रविवार को यह सूचना दी। सिडन्स को 10 फरवरी को बंगलादेश के बल्लेबाजी कोच के रूप में घोषित किया गया था, जब एशवेल प्रिंस ने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले, सिडन्स ने 2007 से 2011 तक बंगलादेश के मुख्य कोच के रूप में कार्य किया था।

सुपर ओवर में जीता ऑस्ट्रेलिया, 2-0 की बढ़त बनाई

सिडनी, 13 फरवरी। ऑलराउंडर मार्कस स्टॉयनिस के दो चौकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे टी-20 मैच में श्रीलंका को सुपर ओवर में हरा कर दिया। इसी के साथ आस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त ले ली।

मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 164 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। जवाब में श्रीलंकाई टीम पारी के 20वें और आखिरी ओवर में 18 रन बटोरने की बदौलत 20 ओवर में आठ विकेट पर 164 रन बनाने में कामयाब रही और मैच सुपर ओवर में चला गया, जिसमें श्रीलंका ने पहले खेलते हुए महज पांच रन ही बनाई और आस्ट्रेलिया ने स्टॉयनिस के दौ चौकों से तीन गेंदों पर नौ रन बना कर मैच जीत लिया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की तरफ से विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस ने पांच चौकों की मदद से 32 गेंदों पर सर्वाधिक 48 रन बनाए, जबकि कप्तान आरोन फिंच ने तीन चौकों के सहारे 20 गेंदों में 25 रन बनाए। अनुभवी बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने भी अंत में एक चौके और एक छक्के की मदद से चार गेंदों पर ताबड़तोड़ 13 रन बनाए। वहीं गेंदबाजी में जोश हेजलवुड ने चार ओवर में 22 रन पर सर्वाधिक तीन विकेट चटकाए। उनके अलावा पैट कमिंस, केन रिचर्डसन, मार्कस स्टॉयनिस और एडम जम्पा ने एक-एक विकेट लिया। हेजलवुड को शानदार गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

जयपुर पोलो सत्र में खेले जा रहे एसएमएस गोल्डवास कप के खिताबी मुकाबले में लॉस पोलिस्ट्स पोलो ने बेदला पोलो को साढ़े पांच के मुकाबले आठ गोल से हराया। लॉस पोलिस्ट्स के लिए मैन्युअल फर्नोवडैज ने तिकड़ी सहित 6, ले. कर्नल विशाल चौहान और हुर अली ने एक-एक गोल किया। आधे गोल के लाभ के साथ उतरी बेदला पोलो के लिए लॉस वाटसन ने दो, भवानी कालवी, धन्यंजय सिंह और राव हिम्मत सिंह बेदला ने एक-एक गोल किया।

स्कीयर आरिफ खान पहली दौड़ में 53वें स्थान पर रहे

बीजिंग, 13 फरवरी। भारतीय उच्च पर्वतीय स्कीयर मोहम्मद आरिफ खान रविवार को 1:22:35 का समय निकालकर पुरुष जाइंट स्लैलम की पहली स्की दौड़ में 53वें स्थान पर रहे। इस प्रतियोगिता में दूसरी स्की दौड़ का आयोजन उसी दिन कुछ अंतराल के उपरांत होगा।

फ्रांस ने भारत को 5-2 से हराया

पोटचेफस्ट्रूम, 13 फरवरी। फ्रांस की पुरुष हॉकी टीम ने भारत से आठ फरवरी को मिली 0-5 की शिकस्त का बदला लेते हुए उसे यहां एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021-22 के मैच में 5-2 से हरा दिया। फ्रांस की डिफेंस संरचना को भारतीय फॉरवर्ड लाइन के लिए तोड़ना आसान नहीं था। इसी के साथ पहले क्वार्टर में कोई भी गोल नहीं कर पाई और यह गोल रहित रहा। फ्रांस ने हालांकि दूसरे क्वार्टर

भारत की तरफ से डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह (22) और उप कप्तान हरमनप्रीत सिंह (57) गोल स्कोरर रहे, जबकि फ्रांस के लिए विक्टर चार्लेट (16, 59) ने दो और विक्टर लॉकवुड (35), चार्ल्स मेसन (48) और क्लेमेंट टिमोथी (60) ने एक-एक गोल किया।

नीदरलैंड के खिलाफ पिछला मैच 2-2 से ड्रा होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 2-4 से हारने के बावजूद फ्रांस आज भारत के खिलाफ आत्मविश्वास से भरा हुआ लगा और अच्छा खेल दिखाते हुए भारत को 5-2 से हरा कर अपनी पिछली हार का बदला लिया। फ्रांस ने मैच में अच्छा बचाव किया और सुनिश्चित किया कि भारत अच्छी शुरुआत न कर पाए। बेशक भारत ने पहले क्वार्टर में गेंद पर अधिक कब्जा रखा और स्ट्राइकिंग सर्कल में प्रवेश करने का प्रयास किया, लेकिन की शुरुआत में ही पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदल कर 1-0 की बढ़त ले ली। डिफेंडर विक्टर चार्लेट ने यह गोल दागा। भारत ने भी हालांकि पलटवार किया और 22वें मिनट में जरमनप्रीत के शानदार फील्ड गोल से स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरा क्वार्टर इसी स्कोर पर समाप्त हुआ।

दूसरा क्वार्टर 1-1 से बराबर रहने के बाद फ्रांस तीसरे क्वार्टर में काफी हावी रहा। क्वार्टर के पहले पांच मिनट के अंदर ही फ्रांस ने गोल दाग कर फिर से बढ़ त ले ली। विक्टर लॉकवुड ने कप्तान गैस्पर्ड बॉमगार्टन की सहायता से 35वें मिनट में शानदार शॉट लगाया जो सीधे भारतीय गोलकीपर पीआर श्रीजेश के पैरों के बीच से निकल कर गोलपोस्ट में गया। फ्रांस की 2-1 की बढ़त ने भारत को फिर काफी दबाव में डाल दिया।

मैं हमेशा चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेलना चाहता हूं : दीपक चाहर

मुंबई, 13 फरवरी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के द्वारा 14 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के एक दिन बाद दीपक चाहर ने कहा कि उन्हें हमेशा से पता था कि वह सीएसके की टीम में ही जाएंगे। उल्लेखनीय है कि आईपीएल 2022 की नीलामी में दीपक अब तक के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी है। दीपक को सीएसके ने रिटेन नहीं किया था। इसके बावजूद दीपक को भरोसा था कि उनके लिए सीएसके की टीम बड़ी बोली लगाएगी।

उन्होंने रविवार को स्टार स्पोर्ट्स को बताया कि 2018 में फ्रेंचाइज़ी के मालिक एन श्रीनिवासन ने उन्हें बताया था कि दीपक का सीएसके के साथ एक लंबा जुड़ाव होगा। उसके बाद से दीपक ने कभी भी अपनी फ्रेंचाइज़ी के मालिकों से रिटेंशन या फिर से ख़रीदे जाने के बारे में बात नही की है। उन्होंने यह भी कहा कि वह किसी अन्य फ्रेंचाइज़ी के लिए खेलने की ''कल्पना नहीं कर सकते'', और अगर उन्हें

थोड़ा कम पैसा मिलता तब भी ठीक था। अगर ऐसा होता तो सीएसके को अन्य खिलाड़ियों के ख़रीदारी करने के लिए टीम के पास अच्छी-ख़ासी रक़म बची हुई होती। चाहर ने कहा, '' मैंने इन सब के बारे में माही भाई या सीएसके प्रबंधन से कभी बात नहीं की।'' 2018 में मैं श्रीनिवासन सर से मिला था, और उन्होंने कहा है, आप हमेशा पीले रंग में खेलेंगे। इसलिए मैंने उस दिन उनकी बात मान ली और तब से मैंने कभी रिटेन करने की बात नहीं की। मुझे पता था कि सीएसके मेरे लिए बोली लगाएगी। चाहर ने कहा, ''हम भारतीय टी20 टीम के साथ अहमदाबाद से कोलकाता जा रहे थे और पूरी टीम नीलामी देख रही थी। हर कोई कह रहा था कितना हो गया ? मैं सीएसके के लिए खेलना चाहता था क्योंकि मैंने कभी भी पीले रंग की जर्सी के अलावा और किसी भी रंग की जर्सी में खेलने की कल्पना नहीं की थी।'' एक समय, मुझे लगा कि यह रक़म बहुत अधिक था।

सीएसके खिलाड़ी के रूप में, मैं भी एक अच्छी टीम बनाना चाहता हूं। इसलिए जब बोली 13 करोड़ तक गई तो मैं चाह रहा था कि यब सब जल्दी से जल्दी खत्म हो जाए और मैं सीएसके की टीम में शामिल हो जाऊं। ऐसा होने पर अन्य खिलाड़ियों को ख़रीदने में सक्षम हो सकेंगे।'' वह लगातार पांचवें सीज़न में सीएसके का प्रतिनिधित्व करेंगे। आईपीएल 2018 से पहले उन्हें सीएसके ने 80 लाख रुपये में ख़रीदा था।

सन् 2013 में 10 अप्रेल के दिन यूटाह (अमेरिका) की बिंघम कैन्यन माइन में इतना भारी लैण्डस्लाइ हुआ कि सौ मील प्रति घंटा की रफ्तार से लगभग 65 से 70 मिलियन क्यूबिक मीटर मलबा खान के पिट (गड्ढे) में आकर गिरा। यह घटना इतनी बड़ी थी आस-पास पृथ्वी हिल गई। भूकम्प रिकॉर्ड करने के लिए लगाए गए सैस्मिक सैन्सर्स ने इसके कंपन को रिकॉर्ड किया। रिक्टर स्केल पर इसका माप 2.5 रिकॉर्ड हुआ। दूसरे शब्दों में, यह लगा मानो भूकम्प आया है। नॉर्थ अमेरिका के इतिहास में यह भूस्खलन सबसे बड़ी ''नॉन वॉल्कैनिक'' घटना थी, जो कि विश्व के सबसे बड़े मानव निर्मित गड्ढे में घटी। बिंघम कैन्यन से सन् 1906 से तांबा निकाला जा रहा है। पूरे अमेरिका की तांबे की आवश्यकता की 25 प्रतिशत पूर्ति इस खान से होती है। एक सदी से अधिक समय से हो रही खनन गतिविधि के कारण यहाँ 970 मीटर गहरा और 4 कि.मी. चौड़ा भीमकाय क्रेटर बन गया है। यह गड्ढा इतना भव्य व असाधारण है कि 1966 में इसे ''नैशनल हिस्टॉरिक लैण्ड मार्क'' का दर्जा दिया गया। अप्रेल की 10 तारीख को सुबह इतना मूवमैंट था कि तुरंत प्रभाव से खान को खाली कर दिया गया। उसके सात घंटे बाद पहला लैण्डस्लाइड हुआ और डेढ़ घंटे बाद दूसरा। मिट्टी व पत्थर की मात्रा इतनी अधिक थी, जिससे न्यूयॉर्क का सैन्ट्रल पार्क 20 मीटर मलबे के नीचे दब जाता। रोचक है कि इस लैण्डस्लाइड के कारण -16 छोटे -छोटे असली भूकंप आए। जिससे यह इतिहास का पहला ऐसा भूस्खलन बना, जिसके कारण भूकंप आए। जबकि इसके विपरीत, सदा ही भूकंप के कारण लैण्डस्लाइड की घटनाएं होती रही हैं।

'मोदी शासनकाल में 5.35 लाख करोड़ रू. का बैंक घोटाला हुआ'

राहुल गांधी ने कहा, लूट और धोखे के ये दिन केवल मोदी के दोस्तों के लिए ही अच्छे दिन हैं

- कांग्रेस नेता का बयान सी.बी.आई. द्वारा गुजरात स्थित ए.बी.जी. शिपयार्ड लिमिटेड, उसके प्रबंध निदेशक ऋषि कमलेश अग्रवाल और अन्य के खिलाफ कथित तौर पर एस.बी.आई. सहित बैंकों के संघ को 22,842 करोड़ रुपये का नुकसान करने के लिए मामला दर्ज करने के कुछ दिनों बाद आया है।
- इससे पहले कांग्रेस नेता एवं पार्टी प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि, मोदी सरकार बैंक धोखेबाजों के लिए 'लूटो और भागो' फ्लैगशिप योजना चला रही है।

नई दिल्ली/चंडीगढ़ 13 फरवरी (वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने रविवार को दावा किया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार में अब तक 5.35 लाख करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी हुई है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी ने एक ट्वीट में केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, मोदी शासन में अब तक 5.35 लाख करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी हुई है। लूट और धोखा के ये दिन केवल मोदी दोस्तों के लिए 'अच्छे दिन' हैं। साथ ही उन्होंने 'किसके अच्छे दिन' लिखा एक हैशटैग भी किया है।

कांग्रेस नेता का बयान सी.बी.आई. द्वारा गुजरात स्थित ए.बी.जी. शिपयार्ड लिमिटेड, उसके प्रबंध निदेशक ऋषि कमलेश अग्रवाल और अन्य के खिलाफ कथित तौर पर एस.बी.आई. सहित बैंकों के संघ को 22,842 करोड़ रुपये का नुकसान करने के लिए मामला दर्ज करने के कुछ दिनों बाद आया है।

इससे पहले कांग्रेस नेता एवं पार्टी प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार बैंक धोखेबाजों के लिए 'लूटो और भागो' फ्लैगशिप योजना चला रही है। धोखेबाजों का सत्ता प्रतिष्ठान से घनिष्ठ संबंध और स्नेह है। ऋषि अग्रवाल और अन्य इसके नए 'रत्न' हैं।

सुरजेवाला ने दावा किया, पिछले सात वर्षों में बैंकों में हुए 5.35 लाख करोड़ रुपये की धोखाधड़ी ने देश की बैंकिंग प्रणाली को बर्बाद कर दिया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) ने आखिरकार सात फरवरी को ऋषि कमलेश अग्रवाल और अन्य के स्वामित्व वाले गुजरात स्थित ए.बी.जी. शिपयार्ड के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन लोगों पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एस.बी.आई.) के नेतृत्व में 28 बैंकों को ठगने का आरोप है। यह पिछले 75 वर्षों में 22,842 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी बैंक धोखाधड़ी है। यह जनता के पैसे का घोर कुप्रबंधन है।

'अमरिंदर सिंह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुई सांठ-गांठ थी, आज खुले में आ गई है। इसलिए हमें वो सरकार बदलनी पड़ी, इसलिए हमें एक नई राजनीति आपके सामने लानी पड़ी।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर में कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाकर चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया गया था। कांग्रेस ने चुनाव में चन्नी को ही मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया हुआ है।

इस बीच कैप्टन ने पद से हटाये जाने के बाद कांग्रेस से इस्तीफा देकर पंजाब लोक कांग्रेस बना ली और भाजपा, शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) के साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं।

प्रदेश में करोना संक्रमण के नए मामलों में गिरावट का क्रम जारी

राज्य में रविवार को 2177 नए संक्रमित मिले, इससे पहले शनिवार को 2606 रोगी पाए गए थे

- राजधानी जयपुर में भी थोड़ी कमी के बाद 569 नए संक्रमित मिले हैं।
- प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में साढ़े चार हजार से ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं, हालाकि इस बीच 7 और मरीजों की मौत हो गई है।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 13 फरवरी। प्रदेश में करोना संक्रमण के नए मामलों में लगातार गिरावट का क्रम जारी है। इस दौरान रविवार को 2177 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं साढ़े चार हजार से ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं। हालाकि इस बीच करोना से 7 और मरीजों की मौत हो गई है।

प्रदेश में रविवार को 429 मामले कम मिलने के बाद 2177 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें 29 जिलों में सौ से भी कम मामले सामने आए है। इससे पहले शनिवार को राज्य में 2606 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में आज भी थोड़ी और कमी के बाद 569 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अलवर में 137, जोधपुर में 115 और नागौर में 103 नये मरीज मिले है। वहीं अजमेर व गंगानगर में 98-98, उदयपुर में 86, सीकर में 78, बांसवाड़ा में 77, कोटा में 72, राजसमंद में 71, भीलवाड़ा में 68, जैसलमेर में 64, झुंझुनूं में 56, भरतपुर व बीकानेर में 47-47, सिरोही में 44, प्रतापगढ़ में 36, चूरू में 35, हनुमानगढ़ व पाली में 31-31, झालावाड़ व सवाई माधोपुर में 27-27, चित्तौड़गढ़ में 26, करौली में 22, बारां में 21, बूंदी में 20, दौसा में 19, डूंगरपुर में 17, टोंक में 12, बाड़मेर में 11, धौलपुर में 10 और जालोर में 2 नए संक्रमित मिले है।

इस बीच राज्य में 4510 और मरीज ठीक हुए है। इसके साथ ही अब तक 12 लाख 35 हजार 256 संक्रमित स्वस्थ हो चुके है। इसके साथ ही रिकवरी रेट बढ़कर 97.58 फीसदी हो गई है।

उधर प्रदेश में एक्टिव केस भी घटकर 21 हजार 64 रह गए हैं। राज्य में नए संक्रमितों की संख्या कम होने के बाद अब इस बीमारी से मरने वालों का आंकड़ा भी कम होने लगा है। रविवार को 7 संक्रमितों की मौत हुई है। इनमें अजमेर और जयपुर में 2-2 तथा उदयपुर, बीकानेर और जालौर में 1-1 संक्रमित की मौत हुई। प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9463 लोगों की मौत हो चुकी है।

देश के 257 पुलिस थानों में वाहन व 638 में टेलीफोन तक नहीं

21वीं सदी के भारत में ऐसे कई पुलिस स्टेशन हैं जहाँ कनैक्टिविटी की कोई सुविधा नहीं है

- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा की अध्यक्षता वाली सांसद की एक स्थाई समिति ने हाल में दी गई एक रिपोर्ट में इसका खुलासा किया है।
- विशेष रुप से यह समस्या अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और पंजाब जैसे राज्यों में प्रमुख है।

नई दिल्ली, 13 फरवरी (वार्ता)। देश में अपराधों की रोकथाम ,उसकी जांच और कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद करने वाली एजेंसी पुलिस के 257 थानों में वाहन ,638 में टेलीफोन तथा 143 में वायरलेस या मोबाइल सेवा नहीं हैं । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा की अध्यक्षता वाली सांसद की एक स्थाई समिति ने हाल में दी गई एक रिपोर्ट में इसका खुलासा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इक्कीसवीं सदी के भारत में भी कई ऐसे पुलिस स्टेशन हैं जहां टेलीफोन या समुचित वायरलेस कनेक्टिविटी नहीं है। विशेष रुप से अरुणाचल प्रदेश , ओडिशा और पंजाब जैसे राज्यों में यह समस्या है। इनमें से कई राज्यों को वर्ष 2018-19 में बेहतर प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया था। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर जैसे बहुत संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में बड़ी संख्या में ऐसे पुलिस स्टेशन हैं, जिनमे टेलीफोन या वायरलेस सेट नहीं है। समिति ने गृह मंत्रालय से अनुरोध किया है कि वह ऐसे राज्यों को अपने पुलिस स्टेशनों को तुरंत पर्याप्त वाहनों और संचार उपकरणों से लैस करने की सलाह दे सकता है अन्यथा इससे केंद्र से आधुनिकीकरण अनुदान को कम किया जा सकता है। समिति ने गृह मंत्रालय से यथाशीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा है।

रिपोर्ट में समिति ने गृह मंत्रालय से सिफारिश की है कि वह देश में गैर घातक हथियारों की पर्याप्त विनिर्माण इकाइयों की स्थापना शुरू कर सकता है ताकि इस संबंध में कमी के मुद्दे को हल किया जा सके।

लगातार दूसरे दिन करोना के 50 हजार से कम नये मामले

- रविवार को 1.17 लाख से अधिक लोग करोना से रिकवर हुए।

नई दिल्ली, 13 फरवरी (वार्ता)। देश में करोना संक्रमितों की लगातार कम हो रही संख्या के बीच पिछले 24 घंटे में संक्रमण के करीब 45 हजार मामले सामने आये हैं, वहीं इसकी तुलना में दोगुने से अधिक लगभग एक लाख 17 हजार मरीजों ने महामारी को मात दी है, जिससे बड़ी राहत मिली है।

देश में शनिवार को 49,16,801 लोगों को करोना के टीके लगाए गए। इसी के साथ यहां अब तक 1,72,81,49, 447 टीके लगाए जा चुके हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान करोना के 44,877 नये मामले दर्ज किये गये हैं और इसी के साथ संक्रमितों की संख्या 4,26,31,421 पर पहुंच गयी है। करोना की चपेट में आकर 684 लोगों की मौत भी हुई है, जिसके बाद मृतकों की कुल संख्या 5,08,665 हो गयी है। इसी बीच, इसी दौरान 117591 मरीजों ने करोना को मात दी है, जिसके साथ ही संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या 4,15,85,711 हो गयी है।

कोविड-19 के सक्रिय मरीजों की संख्या 73398 घटकर 537045 रह गयी है।

यू.पी. में दूसरे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि इस चरण में 2.02 करोड़ मतदाता 69 महिला उम्मीदवारों सहित कुल 586 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे।

इसके लिये सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये हैं। चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिये पहले चरण के मतदान से पूर्व स्थापित किया गया निगरानी तंत्र सुचारु रूप से काम कर रहा है।

यहां स्थित लोक भवन में गृह विभाग से संचालित हो रहे 'नियंत्रण कक्ष' में कोई भी व्यक्ति टेलीफोन, ई-मेल और फैक्स के माध्यम से कभी भी शिकायत कर सकेगा। इस पर तत्काल समुचित कार्यवाही भी सुनिश्चित की जा रही है।

सुरक्षा इंतजामों के तहत मतदान केन्द्रों पर केन्द्रीय सुरक्षा बल के जवानों को तैनात किया गया है। संवेदनशील इलाकों में केन्द्रीय सुरक्षा बलों द्वारा फ्लैग मार्च किया जा रहा है जिससे मतदान के दिन मतदाता बेखौफ होकर मतदान कर सकें।

अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बताया कि सोमवार को 55 सीटों के 176 पुलिस थाना क्षेत्रों में मतदान होगा। इसके लिये 12,544 मतदान केन्द्रों के 23,404 मतदेय स्थलों पर मतदान के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। इस दौरान संवेदनशील विधान सभा क्षेत्रों के रूप में कुल 8 विधान सभा क्षेत्र नगीना, धामपुर, बिजनौर, असमोली, संभल, देवबन्द, रामपुर मनिहारन व गंगोह को चिन्हित किया गया है। इसके अलावा दूसरे चरण में कुल 436 मजरे व मोहल्लों और 4917 मतदेय स्थलों को भी संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। यहां सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम किये गये हैं।

उन्होंने बताया कि पहले चरण वाली सीटों पर महिला चुनावकर्मियों द्वारा संचालित 122 पिंक बूथ पर 488 महिला पुलिसकर्मी और 42 महिला पुलिस निरीक्षक एवं उपनिरीक्षक तैनात की गयी हैं। शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिये केन्द्रीय सुरक्षा बल की 794.1 कंपनियां दी गयी हैं। इनमें से 733 कंपनियां मतदान केन्द्रों की सुरक्षा में लगायी गयी हैं।

मार्च में आएगा एल.आई.सी. का आई.पी.ओ.

एल.आई.सी. ने देश का अब तक का सबसे बड़ा आई.पी.ओ. लाने के लिए सेबी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया

- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने जुलाई 2021 में एलआईसी के विनिवेश को मंजूरी दी थी।

मुंबई, 13 फरवरी। लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एल.आई.सी.) ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आई.पी.ओ.) को उतारने के लिए रविवार को दस्तावेजों का मसौदा बाजार नियामक सेबी के समक्ष दाखिल कर दिया। अब माना जा रहा है कि सेबी की मंजूरी के बाद एल.आई.सी. मार्च में ही अपने आई.पी.ओ. को बाजार में उतार सकती है।

सरकार ने देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एल.आई.सी. के आई.पी.ओ. को संपन्न कराने के लिए पिछले साल सितंबर में 10 मर्चेंट बैंकरों की नियुक्ति की थी। इनमें गोल्डमैन सैक्स, सिटीग्रुप और नोमुरा भी शामिल हैं। वहीं कानूनी सलाहकार के तौर पर सिरिल अमरचंद मंगलदास को नामित किया गया था। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने जुलाई 2021 में एल.आई.सी. के विनिवेश को मंजूरी दी थी। इसे देश का अब तक का सबसे बड़ा आई.पी.ओ. माना जा रहा है।

एल.आई.सी. आई.पी.ओ. में निवेश करने के लिए सबसे पहले आपके पास एल.आई.सी. पॉलिसी खाते से जुड़ा पैन और डीमैट अकाउंट होना जरूरी है। यानी आपको जल्द से जल्द इन दोनों को कामों को निपटाना जरूरी है। गौरतलब है कि एल.आई.सी. 65 से अधिक वर्षों से भारत में जीवन बीमा प्रदान कर रहा है। आकलन के मुताबिक, भारीतय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) की कुल संपत्ति देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बीमाकर्ता, एस.बी.आई. लाइफ की संपत्ति से 16.3 गुना ज्यादा है। इस संबंध में जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक, एल.आई.सी. 36.7 खरब ए.यू.एम. के साथ भारत में सबसे बड़ा परिसंपत्ति प्रबंधक है। इसका ए.यू.एम. स्टैंडअलोन आधार पर वित्त वर्ष 2011 के लिए भारत की जी.डी.पी. के 18 फीसदी के बराबर था।

चालू वित्त वर्ष के लिए विनिवेश लक्ष्य को घटाकर 78,000 करोड़ रुपये किया गया है। लेकिन इस लक्ष्य को पाने के लिए भी एल.आई.सी. की सूचीबद्धता महत्वपूर्ण है। सरकार अब तक एयर इंडिया के निजीकरण और अन्य सरकारी उपक्रमों में अपनी हिस्सेदारी बिक्री से करीब 12,000 करोड़ रुपये जुटा चुकी है।

आपको बता दें कि दुनिया की टॉप 10 बीमा कंपनियों में भारतीय कंपनी एल.आई.सी. भी शामिल है। इस सूची में 5 इंश्योरेंस कंपनियां चीन की हैं, जिसमें पिंग दुनिया का सबसे ज्यादा वैल्युएबल इंश्योरेंस ब्रांड है। वहीं अमेरिका की दो और फ्रांस, जर्मनी व भारत की एक-एक कंपनी शामिल हैं। भारत की सबसे बड़ी शेयर सेल करने जा रही एल.आई.सी. 8.656 अरब डॉलर (लगभग 64,722 करोड़ रुपये) की वैल्युएशन के साथ देश का सबसे मजबूत और सबसे बड़ा ब्रांड है।

तीन दिन से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बकाया 2 लाख रुपए भी दिलवाएंगे।

उधर रविवार को विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने भी मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा के आवास पर पहुंचकर सांसद किरोड़ीलाल से मुलाकात की। उन्होंने भी इस लडाई में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया था। पीड़िता मनीष जाट ने कहा कि ''मैं विधानसभा क्षेत्र उदयपुरवाटी की बेटी हूं, मुझे न्याय जरूर मिलेगा, क्योंकि मेरे साथ उदयपुरवाटी के विधायक और सांसद किरोड़ीलाल मीणा भी है।''

विदेश मंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहयोग पर वर्चुअल बैठक की थी। इस बैठक में वैश्विक स्वास्थ्य संकट, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स में सहयोग, कृषि, ऊर्जा और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आर्थिक पुनरोद्धार को लेकर बातचीत हुई थी।

इसके अलावा बैठक में समुद्री सुरक्षा, खुफिया जानकारी साझा करने, सैन्य प्रशिक्षण, खरीद और रसद, आतंकवाद का मुकाबला करने, हवाई संपर्क, पर्यटन का विस्तार करने, बढ़ते शैक्षिक और छात्र आदान-प्रदान का समर्थन करने, वैकल्पिक और पारंपरिक चिकित्सा, वैक्सीन विकास के आशाजनक क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर भी चर्चा की गई थी।

अपनी यात्रा के दौरान डा. जयशंकर फिलिपींस के नेताओं से मुलाकात के अलावा मनीला में भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे। इस यात्रा से फिलीपींस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और गति मिलने की उम्मीद है, जो आसियान का एक प्रमुख सदस्य भी है।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ सौदा फिलीपींस की नौसेना का सौदा तट-आधारित सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति और प्रशिक्षण के साथ-साथ आवश्यक रसद आपूर्ति के पैकेज के लिए है। फिलीपीन मरीन की तटीय रक्षा रेजिमेंट इस आधुनिक सामरिक रक्षा क्षमता का प्राथमिक उपयोगकर्ता होगा।

डा. जयशंकर मेलबर्न से मनीला जा रहे हैं, जहां उन्होंने चौथी क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लिया और अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

'ए.बी.जी. शिपयार्ड कंपनी का लोन 2013 में एन.पी.ए. में तब्दील हो चुका था'

एस.बी.आई. ने एक बयान जारी कर 22,842 करोड़ के इस बैंकिंग फ्रॉड की जानकारी दी

- एस.बी.आई. बैंक ने बताया कि, इस मामले की पहली शिकायत नवम्बर 2019 में सी.बी. आई. के पास दर्ज करायी गई थी।

नई दिल्ली, 13 फरवरी। देश के सबसे बड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में सी.बी.आई. ने ए.बी.जी. शिपयार्ड लिमिटेड और उसके तत्कालीन अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ऋषि कमलेश अग्रवाल समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया था कि यह मुकदमा भारतीय स्टेट बैंक (एस.बी.आई.) की अगुवाई वाले बैंकों के एक संघ से कथित रूप से 22,842 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी के संबंध में दर्ज किया गया।

अब इसे लेकर खुद एस.बी.आई. का भी बयान आया है। बैंक ने इस पूरे धोखाधड़ी मामले का घटनाक्रम सामने रखा है।

स्टेट बैंक ने कहा, ''आई.सी.आई. सी.आई. बैंक के नेतृत्व में 2 दर्जन से अधिक उधारदाताओं ने पैसे दिए थे। कंपनी के खराब प्रदर्शन के कारण नवंबर 2013 में खाता गैर निष्पादित संपत्ति (एन.पी.ए.) में तब्दील हो गया था। कंपनी के संचालन को ठीक करने के लिए कई प्रयास किए गए लेकिन सब विफल रहे।

एस.बी.आई. की ओर से बताया गया है कि, मार्च 2014 में सभी उधारदाताओं द्वारा कंपनी ऋण पुनर्गठन (सी.डी.आर.) के तहत खाते की पुनर्रचना की गई थी।

शिपिंग उद्योग मंदी के दौर से गुजर रहा था, इसलिए कंपनी का संचालन पुनर्जीवित नहीं हो सका। पुनर्गठन विफल होने के कारण खाते को नवंबर 2013 से जुलाई 2016 में एन.पी.ए. के रूप में वर्गीकृत किया गया था। अप्रैल 2018 में उधारदाताओं द्वारा अर्न्स्ट एंड यंग को फॉरेंसिक ऑडिटर के रूप में नियुक्त किया गया था। धोखाधड़ी मुख्य रूप से धन के विचलन, दुरुपयोग और आपराधिक विश्वासघात की रही।

एस.बी.आई. ने यह भी बताया कि आखिर क्यों बैंकों के संघ की तरफ से उसने की मामले में केस दर्ज करवाया। दरअसल, आई.सी.आई.सी.आई. और आई.डी.बी.आई. बैंक कंसोर्शियम में पहले और दूसरे अग्रणी ऋणदाता थे। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में एस.बी.आई. सबसे बड़ा ऋणदाता था। इसलिए यह तय हुआ कि सी.बी.आई. के पास शिकायत दर्ज एस.बी.आई. कराएगा।

सी.बी.आई. के पास पहली शिकायत नवंबर 2019 में दर्ज की गई थी। सी.बी.आई. का अन्य बैंकों के साथ लगातार संपर्क था। वर्तमान में खाता एन.सी.एल.टी. संचालित प्रक्रिया के तहत परिसमापन के दौर से गुजर रहा है।

एस.बी.आई. ने साफ किया कि किसी भी समय प्रक्रिया में देरी करने का कोई प्रयास नहीं किया गया।

गौरतलब है कि इस मामले में एजेंसी ने कमलेश अग्रवाल के अलावा ए.बी.जी. शिपयार्ड के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक संथानम मुथास्वामी, निदेशकों- अश्विनी कुमार, सुशील कुमार अग्रवाल और रवि विमल नेवेतिया और एक अन्य कंपनी ए.बी.जी. इंटरनैशनल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ भी कथित रूप से आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आधिकारिक दुरुपयोग जैसे अपराधों के लिए मुकदमा दर्ज किया। उन्होंने बताया कि इन लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा किया गया है।

सी.बी.आई. की एफ.आई.आर. के अनुसार घोटाला करने वाली दो प्रमुख कंपनियों के नाम ए.बी.जी. शिपयार्ड और ए.बी.जी. इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड हैं। दोनों कंपनियां एक ही समूह की हैं।

कंपनियों पर आरोप है कि घोटाले किए गए पैसे को विदेश में भेजकर अरबों रुपये की प्रॉपर्टी खरीदी गईं। 18 जनवरी 2019 को अर्नस्ट एंड यंग एलपी द्वारा दाखिल अप्रैल 2012 से जुलाई 2017 तक की फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट की जांच में सामने आया है कि कंपनी ने गैरकानूनी गतिविधियों के जरिये बैंक से कर्ज में हेरफेर किया और रकम ठिकाने लगा दी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908